{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 16 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 115
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,382.71
निफ्टी	-	25,665.60
सोना	-	1,43,620
चांदी	-	2,95,000
डॉलर	-	90.38

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

श्रीनगर में पारा माइनस 5.2 डिग्री, डल झील जमी

नई दिल्ली/भोपाल । उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी जारी है। कश्मीर में न्यूनतम तापमान पिछले कई दिनों से शून्य से नीचे है। इसके कारण बुधवार को प्रसिद्ध डल झील और कश्मीर के कई जल स्त्रोत जम गए। श्रीनगर में मंगलवार की रात न्यूनतम तापमान माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, राजस्थान में भी तापमान माइनस में पहुंच गया है। बुधवार को हिल स्टेशन माउंट आबू में तापमान माइनस 3 डिग्री रहा। सीकर के फतेहपुर में तापमान 0.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। राज्य में 19 जनवरी से हल्की बारिश की संभावना है। पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने हरियाणा में गलन बढ़ा दी है। यहां 8 जिलों में बुधवार को पारा 8 डिग्री तक गिर गया।

लुधियाना कोर्ट को मानव बम से उड़ाने की धमकी, अजमल नाम से आया ईमेल

लुधियाना। राजस्थान के लुधियाना में एक सिरफिरे ने ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स को दहलाने की धमकी दी थी यह ई-मेल अजमल अब्दुल राज के नाम से आई थी, जिसने मानव बम के जरिए धमाका करने की बात कही गई थी। पुलिस का कहना है कि ये नाम फर्जी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दिल्ली में एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकराया

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकरा गया। एयरलाइन ने बताया कि घने कोहरे में एयरबस ए350 विमान को पार्किंग के लिए ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई। हादसे में विमान के इंजन को नुकसान पहुंचा है। विमान में सवार सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं।

एयरबस ए350 की फ्लाइट एआई101 दिल्ली से न्यूयॉर्क के लिए चलती है। ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण फ्लाइट को अपना मार्ग बदलना पड़ा और वह वापस दिल्ली लौट आई थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। कहा कि दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा।

कुछ ना कहना

मुंबई का किंग कौन...आज मतगणना

एग्जिट पोल : बीएमसी से बाहर होगी उद्धव ठाकरे की शिवसेना, भाजपा गठबंधन को स्पष्ट बहुमत

मुंबई । महाराष्ट्र में मुंबई समेत राज्य की 29 नगर निगमों के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वोटिंग शाम 5.30 बजे खत्म हुई। सबकी नजर इस बात पर है कि मुंबई का किंग कौन होगा? शुक्रवार को इसकी तस्वीर साफ हो जाएगी। उधर, मतदान के बाद गुरुवार को आए एग्जिट पोल के अनुसार, उद्धव ठाकरे की शिवसेना बीएमसी से बाहर होगी। वहीं,भाजपा और उनके सहयोगियों को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। मुंबई के साथ-साथ ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, पनवेल, नासिक, मालेगांव, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले, पुणे, पिंपरी-चिंचवड, सोलापुर, कोल्हापुर, इचलकरंजी, सांगली-मिराज-कुपवाड, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़-वाघाला, परभणी, जालना, लातूर, अमरावती, अकोला, नागपुर और चंद्रपुर नगर निगमों में भी वोटिंग हुई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के 227 वार्डों के लिए इस बार 1,700 उम्मीदवार मैदान में थे। नतीजों की घोषणा शुक्रवार को होगी। सुबह 10 बजे से वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। 227 सीटों वाली बीएमसी में मुख्य मुकाबला बीजेपी-शिवसेना की महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच है। साल 2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद यह पहला बीएमसी चुनाव है, ऐसे में यह और भी विशेष हो जाता है। अविभाजित शिवसेना ने बीएमसी पर 25 वर्ष तक शासन किया है। बीएमसी के बाद पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ पर सबसे ज्यादा नजर रहेगी। यहां एनसीपी के दोनों गुटों ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा। बृहन्मुंबई नगर निगम के एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने का अनुमान है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 130 से 150 सीटें मिल सकती हैं। बहुमत के लिए 114 की जरूरत है। वहीं कांग्रेस गठबंधन को 60 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य के खाते में 5 से 7 सीटें आ सकती हैं। हालांकि नतीजे शुक्रवार को आएंगे। मुंबई नगर निगम का बजट गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के बजट से भी बड़ा है।

एक्सिस माय इंडिया का एग्जिट पोल

सबसे पहले एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल की बात करें तो भाजपा+ को 131 से 151 सीटें मिल सकती हैं। शिवसेना यूबीटी+ को 58-68 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस+ 12-16 मिल सकती हैं। इसके साथ ही अन्य के खाते में भी 6-12 सीटें जा सकती हैं।

डीवी रिसर्च का एग्जिट पोल

अब बात अगर डीवी रिसर्च के एग्जिट पोल की करें तो इसके मुताबिक, भाजपा की अगुआई वाली महायुति को 107 से 122 सीटें मिल सकती हैं। ठाकरे बंधुओं के गठबंधन को 68 से 83 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी को 18 से 25 सीटें मिल सकती है। एनसीपी अजित पवार को 2 से 4 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं अन्य के खाते में 8 से 15 सीटें मिलने की संभावना है।

जेवीसी का एग्जिट पोल

जेवीसी के एग्जिट पोल में भी कुछ ऐसी ही स्थिति दिखी। जहां भाजपा की अगुआई वाली महायुति को 138 सीटें, ठाकरे बंधुओं के गठबंधन को 23 और अन्य को सात सीटें मिलनी संभावना जताई गई है।

ईरान में फंसे भारतीयों को बाहर निकालेगी सरकार

-आज स्वदेश लौट सकता है पहला प्लेन

नई दिल्ली। ईरान में लगातार बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने वहां फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए कॉन्टिन्जेंसी प्लान तैयार कर लिया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को भारतीयों का पहला जत्था स्वदेश लाया जा सकता है। सरकार के सूत्रों ने बताया कि तेहरान में भारतीय दूतावास ने विभिन्न क्षेत्रों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों से संपर्क शुरू कर दिया है, ताकि ये पता लगाया जा सके कि कौन देश छोड़ना चाहता है। हालांकि, इंटरनेट सेवाओं के कई इलाकों में बंद होने और फोन लाइनों के बीच-बीच में काम करने के कारण ये प्रक्रिया भौतिक रूप से की जा रही है।

एक सरकारी सूत्र ने कहा कि ईरान में संचार सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं, जिससे भारतीय नागरिकों की जानकारी जुटाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि दूतावास के अधिकारी खुद उन इलाकों में जाकर भारतीय छात्रों की पहचान कर जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं, जहां इंटरनेट और दूरसंचार सेवाएं काम नहीं कर रही हैं।

संपर्क में हैं सभी भारतीय नागरिक

एक सरकारी सूत्र ने बताया कि वे सभी भारतीय छात्रों के संपर्क में हैं और जल्द से जल्द चार्टर्ड उड़ानों की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहे हैं। प्राथमिकता उन क्षेत्रों को दी जा रही है जो हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित हैं। वहीं, सरकार ने स्थिति के अनुसार त्वरित प्रतिक्रिया देने की तैयारियां पूरी कर ली हैं, जिसमें भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना शामिल है। अनुमान के अनुसार, ईरान में वर्तमान में 10,000 से अधिक भारतीय रह रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की है।

मशहूर डायरेक्टर के साथ धोखाधड़ी, दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई, । बॉलीवुड एक्टर, डायरेक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर दीपक तिजोरी के साथ उनकी आने वाली हिंदी फिल्म टॉम, डिक एंड मैरी के लिए फंडिंग दिलाने के बहाने 2.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई है। इसकी शिकायत उन्होंने मुंबई के गोरेगांव स्थित बांगुर नगर पुलिस थाना में दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस स्टेशन में दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता दीपक तिजोरी गोरेगांव पश्चिम के गार्डन एस्टेट में रहते हैं और 1990 से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। वे दिसंबर 2024 से अपनी नई हिंदी फिल्म टॉम, डिक एंड मैरी की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे। वह इस प्रोजेक्ट के लिए फाइनेंशियल मदद ढूंढ रहे थे। शिकायत में यह भी कहा गया है कि दीपक तिजोरी से जोशी नाम के एक व्यक्ति ने फोन पर संपर्क किया, जिसने खुद को ज़ी नेटवर्क का रिप्रेजेंटेटिव बताया। हालांकि, ज़ी नेटवर्क के वरिष्ठ अधिकारियों से वेरिफाई करने पर पता चला कि उस नाम का कोई भी व्यक्ति ऑर्गनाइजेशन में काम नहीं करता है। दीपक तिजोरी ने अपनी शिकायत में बताया कि फरवरी 2025 के पहले हफ्ते में कविता शिबाग कपूर नाम की एक महिला तिजोरी के घर आई और उसने खुद को टी-सीरीज़ से जुड़ा बताया। उसने दावा किया कि उसके ज़ी नेटवर्क और मीडिया में अच्छे कॉन्टैक्ट्स हैं। इसके बाद कविता, दीपक तिजोरी और उसकी साथी फौजिया आरसी के बीच एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग के दौरान दीपक तिजोरी को बताया गया कि वे ज़ी नेटवर्क से फिल्म के लिए लेटर ऑफ इंटरेस्ट (एलओआई) दिलवा सकते हैं। दीपक तिजोरी से 5 लाख रुपये दो किस्तों में देने को कहा गया। दीपक ने पहली किस्त 2.5 लाख रुपये दे दी। दीपक तिजोरी ने आरोप लगाया कि दोनों महिलाओं ने उन्हें एक हफ्ते के अंदर एलओआई देने का वादा किया और पहली किस्त के तौर पर 2.5 लाख रुपये मांगे। उनकी बातों पर भरोसा करके 21 फरवरी, 2025 को एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया गया। इसके बाद, 22 फरवरी, 2025 को दीपक तिजोरी ने फौजिया आरसी के बैंक अकाउंट में 2.5 लाख रुपया ट्रांसफर कर दिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी दीपक तिजोरी को ज़ी नेटवर्क से लेटर ऑफ़ इंटरेस्ट (एलओआई) नहीं मिला, और न ही पैसे वापस किए गए। उन्हें समझ में आ गया कि उनके साथ धोखा हुआ है, दीपक तिजोरी ने पुलिस से संपर्क किया। बांगुर नगर पुलिस ने कविता शिबाग कपूर, फ़ौज़िया आरसी और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोपियों की तलाश जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर लगाई रोक

आई-पैक रेड मामले में ममता सरकार को बड़ा झटका...

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पिछले दिनों आई-पैक के दफ्तर हुई ईडी रेड का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ईडी ने बंगाल पुलिस अधिकारियों पर ममता सरकार की मदद करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है और कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर अगली सुनवाई तक रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया है। अदालत ने सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की जांच में दखल नहीं दिया जा सकता है।

कोलकाता में 8 जनवरी को आई-पैक रेड मामले में ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से दो हफ्तों के भीतर जवाब मांगा और कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर हैं। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ईडी के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी है। ईडी ने 8 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस के आईटी हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था।

इंडिया-ईयू एफटीए पर 27 जनवरी को लगेगी मोहर....यह करार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की हार

नई दिल्ली। एक ओर जहां डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ की धौंस जमाकर अपनी शर्तों पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील को करना चाहते हैं, लेकिन भारत सरकार ने अपनी रणनीति पर आगे बढ़कर बिना किसी की शर्तों के आगे झुके एक के बाद एक कई देशों से ट्रेड डील करता जा रहा है। हाल ही में ओमान और न्यूजीलैंड के बाद अब यूरोपीय यूनियन के साथ भी भारत का फ्री ट्रेड एग्रीमेंट फाइनल होने के करीब है।

रिपोर्ट्स के अनुसार 27 जनवरी को इस पर अंतिम मुहर भी लग सकती है। इस बड़ी डील को लेकर जानकर ट्रंप पर निशाना साधते हुए नजर आए हैं। एक आर्थिक जानकार ने पोस्ट कर लिखा है कि, ये खबर साबित करती है कि अमेरिकी ही अंतिम रूप से हारा है।

यूरोपीय यूनियन 27 जनवरी को भारत के साथ अपने अब तक के सबसे बड़े व्यापार समझौते को औपचारिक रूप दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस डील पर साइन करने के लिए ईयू के टॉप अधिकारी नई दिल्ली आने वाले है। रिपोर्ट में खास बात ये है कि इंडिया-ईयू एफटीए में एग्रीकल्चर सेक्टर को दूर रखा गया है। बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अटकने में अहम मुद्दा कृषि और डेयरी प्रोडक्ट हैं। इसमें बताया गया कि उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूरोपीय संसद के सदस्यों को बंद कमरे में बताया कि समझौते पर इस महीने हस्ताक्षर हो जाएंगे और इसमें कृषि शामिल नहीं है। इस लेकर यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ समझौते पर साइन के लिए भारत यात्रा पर आएंगे।

ट्रेड डील को लेकर आई बड़ी खबर के बाद आर्थिक जानकार ने इस समझौते के अंतिम पड़ाव पर पहुंचने पर डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि, कृषि क्षेत्र में बिना किसी समझौते के फाइनल होने जा रही इस डील से अमेरिकी राष्ट्रपति को यह संदेश जाता है कि भारत कृषि या डेयरी जैसे अपने मूल हितों पर कभी समझौता नहीं करेगा। यह होने जा रही डील संदेश है कि भारत अपने मूल हितों के साथ समझौता नहीं करेगा, फिर चाहे न्यूजीलैंड हुआ करार हो या फिर फ्रांस के साथ राफेल डील और जर्मनी के साथ पनडुब्बी सौदा, जो भारतीय सामान के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक को खोलने का प्रयास है।

जानकार ने कहा कि भारत के ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ हुए हालिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में 99 प्रतिशत भारतीय सामानों के आयात पर जीरो टैरिफ हो जाता है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक पेशेवर की तरह खेल रहा है और ट्रंप के हाई टैरिफ का मुकाबला कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, रक्षा वैज्ञानिकों कर दिखाया...

एंटी-स्टील्थ रडार ग्रिड बनेगा सुरक्षा कवच

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते साल 15 अगस्त को लालकिले से मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा की थी। उनकी घोषणा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पैदा हुई परिस्थितियों के हिसाब से थी। क्योंकि, इस ऑपरेशन में भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया था, लेकिन फिर भी भविष्य में अपने एयर डिफेंस को और मजबूत करने का काम जारी रखना है। भारतीय रक्षा वैज्ञानिकों की ओर से क्षेत्र में की गई वही कोशिश रंग लाने लगी है। एंटी-स्टील्थ रडार ग्रिड उसी का परिणाम है, जिसकी नजरों से बच निकलना अत्याधुनिक पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट के लिए भी आसान नहीं होगा।

मॉडर्न वॉरफेयर के लिए स्टील्थ फाइटर जेट, अत्याधुनिक और स्टील्थ फाइटर ड्रोन और लॉन्ग रेंज प्रिसिजन वेपन सबसे ज्यादा घातक हथियार हैं। भारत एक तरफ इसतरह के अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों को अपने ही देश में बनाकर या विदेश से मंगवाकर जुटाने की कोशिशों में जुटा है। दूसरी ओर दुश्मनों से होने वाले इसतरह के हथियारों के हमले से देश की सुरक्षा और भी जरूरी है। स्टील्थ प्लेटफॉर्म बनाए ही इसीलिए जाते हैं, ताकि उन्हें रडारों से पकड़ पाना नामुमकिन हो जाए। लेकिन, भारतीय वैज्ञानिकों ने इसका भी तोड़ निकाल लिया है।

एंटी-स्टील्थ रडार ग्रिड तैयार करना भारतीय एयर डिफेंस के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। इसका मकसद अत्याधुनिक स्टील्थ प्लेटफॉर्म और लो ऑब्जर्वेबल एरियल प्लेटफॉर्म का जल्द से जल्द पता लगाकर जवाबी कार्रवाई के लिए कॉम्बैट फोर्स को अलर्ट करना है। इस एयर डिफेंस ग्रिड के लिए पैसिव कोहेरेंट लोकेशन रडार (पीसीएलआर) का इस्तेमाल किया गया है, जो एंटी-स्टील्थ रडार ग्रिड की रीढ़ है।

एंटी-स्टील्थ रडार ग्रिड की लेयर में काम करता है। डिटेक्शन की कमियों को दूर करने के लिए इसके सेंसर अलग-अलग फ्रिक्वेंसी बैंड पर काम करते हैं। मौजूदा वीएचएफ सर्विलांस रडार बड़े इलाके की निगरानी के लिए हैं। लॉन्ग लेंज लो लेवल रडार उसकी गहराई पर नजर रखने के लिए, जबकि वोसटोक-डी औसत को मजबूती दे के लिए।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति की जब्त

नई दिल्ली। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए छत्तीसगढ़ में 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ एजेंसी ने ये कार्रवाई की। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच पर आधारित है। यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय था। जब्त की गई संपत्तियों में अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय से प्राप्त संपत्तियां और निवेश शामिल हैं।

ईडी की जांच में पता चला है कि महादेव सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म प्रमोटरों, पैनल संचालकों और एजेंटों के सुनियोजित नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा था। काली कमाई को फर्जी खातों, बेनामी खातों और कई स्तरों के वित्तीय लेनदेन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग किया जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुनाफे का बड़ा हिस्सा 70 से 75 फीसदी मुख्य प्रमोटरों को मिलता था, जबकि शेष हिस्सा एजेंटों और उप-एजेंटों में बांटा जाता था।

ये लोग सट्टेबाजी के संचालन, अकाउंट्स के प्रबंधन और डिजिटल और सोशल मीडिया चैनलों के जरिए प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध रकम को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए कई बैंक खातों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। अब तक ईडी ने कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और हजारों करोड़ के वित्तीय लेन-देन की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में 2600 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

कोई ओटीपी या लिंक नहीं, अब आपकी आवाज़ खाली कर देगी आपका बैंक अकाउंट, बात करना पड़ेगा महंगा

मुंबई। पिछले कुछ सालों के दौरान सायबर धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं। अब तक आपने ओटीपी और लिंक पर क्लिक करके बैंक अकाउंट खाली होने के मामले सुने होंगे। लेकिन, अब धोखाधड़ी का एक नया तरीका सामने आया है। दरअसल आप दिन में कई बार फोन उठाते हैं। डिलीवरी फोन, बैंक, ऑफिस या अनजान नंबरों से कॉल आना आम बात है। साइबर धोखेबाज अब इसी आदत का फायदा उठा रहे हैं। आपसे सामने से कॉल पर एक सवाल पूछा जाता है और आप बिना सोचे-समझे उस सवाल का जवाब हां में दे देते हैं। यह आसान सा जवाब, कई मामलों में, एक बड़ी समस्या की शुरुआत होता है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ धोखाधड़ी वाले कॉल लंबी बातचीत के लिए नहीं होते, बल्कि सिर्फ़ एक साफ़ आवाज़ का सैंपल लेने के लिए होते हैं। इस रिकॉर्ड की गई आवाज़ का इस्तेमाल बाद में वॉइस-बेस्ड वेरिफिकेशन सिस्टम में आपकी पहचान वेरिफाई करने के लिए किया जाता है। जैसे-जैसे बैंकिंग, कस्टमर सर्विस और दूसरी डिजिटल सेवाओं में वॉइस-बेस्ड पहचान ज्यादा आम होती जा रही है, इस तरह की धोखाधड़ी का खतरा भी बढ़ रहा है। इस स्कैम का पैटर्न आसान है। एक अनजान नंबर से कॉल आता है। कॉलर पूछता है, क्या यह आप हैं? या क्या आपको आवाज़ सुनाई दे रही है? कई लोग इन सवालों का जवाब हां में देते हैं। कॉल कुछ ही सेकंड में खत्म हो जाता है। आपको लगता है कि कॉल सामान्य था। उनकी आवाज़ का एक छोटा सा हिस्सा पहले ही रिकॉर्ड हो चुका होता है।

एआई-बेस्ड वॉइस-क्लोनिंग टूल कुछ सेकंड की रिकॉर्डिंग से किसी की भी आवाज़ की नकल करके एक डिजिटल आवाज़ बना सकते हैं। इसका इस्तेमाल करके, धोखेबाज बैंकों या दूसरी सेवाओं को वॉइस सहमति देने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में, पीड़ितों को इसका पता तब चलता है जब वे अपने बैंक स्टेटमेंट में कोई अनजान ट्रांज़ेक्शन या सर्विस एक्टिवेशन देखते हैं।

वंशानुगत मछुआरों के मतस्याखेट पर गैर मछुआरों का कब्जा, 2 बरस से सुनवाई नहीं!!

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

मत्स्य खेत का प्राथमिक अधिकार मछुवारों के पास है जो विभिन्न जलाशयों से मत्स्य खेटकर ,अपने जीवन का निर्वहन करते हैं। लेकिन लालबर्रा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुछ मछुवा समितियो में गैर मछुआरे घुस गए हैं।जो विभिन्न पदों पर पदस्थ होकर मतस्यखेट का काम कर रहे हैं।जिससे समिति से जुड़े वंशानुगत मछुवारों का रोजगार छिन गया है, और मछुवारे रोजगार की तलाश में दर -बदर भटकने के लिए मजबूर है। वही गैर मछुवारों ने मछुआ समिति पर ही अपना कब्जा जमा लिया है। ऐसा आरोप लगाते हुए लालबर्रा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली राजीव गांधी मछुआ समिति बोरी, अंत्योदय मालगोंदी समिति और टेका?ी जलाशय मछुआ समिति से जुड़े मछुवारों ने गुरुवार को मत्स्य कार्यालय बालाघाट और विधायक अनुभा मुंजारे के सरकारी आवास पहुचकर एक ज्ञापन सौंपते हुए उनकी 3 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। जिसमें उन्होंने सभी मछुआ समितियो से गैर मछुवारों के कब्जे को हटाने, वंशानुगत मछुआरों को मत्स्यखेट से रोजगार प्रदान करने, कार्यक्षेत्र विसंगति को दूर करने और भोपाल संचालक से आए आदेश के तहत मत्स्यखेट का अधिकार वंशानुगत मछुवारों को दिए जाने की मांग की। जिसमें उन्होंने मामले की कई बार शिकायत करने,और ज्ञापन सौंपने पर भी समस्या का निराकरण न होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए कार्यवाही के नाम पर अधिकारियों पर, गुमराह किए जाने का आरोप लगाया है। तो वहीं उन्होंने जल्द से जल्द मामले का निराकरण न होने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

पिछले 2 वर्षों से कार्यालयो के काट रहे चक्कर, नही हो रही सुनवाई

उक्त मांग को लेकर मत्स्य कार्यालय पहुंचे मछुवारों ने बताया कि वे सभी वंशानुगत मछुआ ढीमर परिवार से है।जो मत्स्याखेट कर अपना व अपने परिवार का पालन-पोषण करते है,उनके पास इसके अलावा आय का कोई अन्य स्त्रोत नहीं है। विगत 2 वर्षो से हम सभी वंशानुगत ढीमर मछुआरा परिवार के व्यक्ति निरंतर मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग के समक्ष अपनी समस्याओं के लेकर भूख हडताल, आंदोलन कर चुके है,किंतु आज दिनांक तक हमारी जायज मांगो को विभागीय अधिकारी कर्मचारियों द्वारा अनसुना किया गया है।

कार्यक्षेत्र कार्यक्षेत्र विसंगतियों को किया जाए दूर

मछुवारों ने बताया कि लालबर्रा ब्लाक अंतर्गत संचालित प्राथमिक मत्स्य सहकारी समितियों का कार्यक्षेत्र विसंगतिपूर्ण है, स्थानीय मछुआरो एवं प्राथमिक समितियों ने कार्यक्षेत्र संशोधन कर निकटवर्ती/समीपवर्ती ग्रामों को समिति में जोडे जाने का पत्र सहकारिता विभाग एवं मत्स्य विभाग को प्रस्तुत किया जा चुका है। दोनो ही विभागों को उच्च विभागों से इस संदर्भ में पत्र प्राप्त हो चुके है।लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। टेकाडी, पांडरवानी एवं मालगोंदी समितियों के कार्यक्षेत्र विभाजन स्थानीय वायोबिलिटी एवं क्षेत्रीय भौगोलिक स्थिति के विपरीत है।इसलिए हमारी मांग है कि मत्स्य समितियों के विसंगतिपूर्ण कार्यक्षेत्र में संशोधन कर निकटवर्ती / समीपवर्ती ग्रामों को जोड़े जाने की कार्यवाही तत्काल की जावे।

समितियो से तत्काल हटाए जाए गैर मछुआरे

ज्ञापन लेकर पहुंचे मछुवारों ने बताया कि म0प्र0 मत्स्य नीति 2008 में स्पस्ट प्रावधान है कि मत्स्य समितियों में सर्वप्रथम प्राथमिकता वंशानुगत मछुआरो को दिया जाना है।लेकिन उनके यहां मत्स्य समितियों में अन्य जाति वर्ग के फर्जी बिचौलिये सदस्यों द्वारा वंशानुगत मछुआ जाति के व्यक्तियों को समिति से बेदखल कर अपना कब्जा जमाया गया है। इस सबंध में अन्य जाति वर्ग के फर्जी सदस्यों एवं एक परिवार के एक से अधिक सदस्यों को हटाये जाने के लिए ब्लाक स्तरीय समिति की रिपोर्ट जिला स्तरीय छानबीन समिति को 3 माह पूर्व प्रेषित की जा चुकी है किंतु आज दिनांक तक जिला स्तरीय निष्कासन/छानबीन समिति की बैठक तक आहूत नहीं की गई है।जिससे जांच रिपोर्ट लंबित है।हमारी मांग है कि त्वरित बैठक आयोजित कराकर, अन्य जाति वर्ग के फर्जी सदस्यों का निष्कासन किया जाए। ताकि वंशानुगत मछवारो को इसका लाभ मिल सके।

समिति में की जाए प्रशासक की नियुक्ति, गैर मछुवारों पर करे कार्यवाही

ज्ञापन में मछुवारों ने बताया कि प्राथमिक राजीव गांधी मत्स्य सहकारी समिति बोरी में अन्य जाति वर्ग के गैर-मछुवारा अध्यक्ष बनकर बैठा है।जो तानाशाही एवं हेय भावना रखते हुये समिति से वंशानुगत मछुआरों को बेदखल करने का काम कर रहा है।पूर्व में किए गए पत्राचार से यह स्पस्टत: प्रतीत होता है कि यह वर्ग अपनी मनमानी कर वंशानुगत मछुआरो को समिति से हटाये जाने हेतु कुत्सित प्रयास कर रहा है।उन्होंने बताया कि इस समिति में अन्य जाति वर्ग के गैर-मछुआ सामान्य जाति के 59 सदस्य है एवं मूल जाति सिंगरोड को छिपाकर कहार/ ढीमर / मांझी का प्रमाण पत्रधारी है इन्हे तत्काल हटाया जाना चाहिए।वही समिति में तत्काल प्रशासक नियुक्त कर मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करनी चाहिए।

तो सड़कों पर उतरकर करेंगे आंदोलन

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान वंशानुगत मछुवारे अनूप महाले और सुरेंद्र चौधरी सहित अन्य ने सँयुक्त रूप से बताया कि विभिन्न मछुआ समितियो में गैर मछुआरों के प्रवेश करने और विभिन्न पदों पर आसीन होने से वंशानुगत ढीमर समाज के लोगों का रोजगार छिन गया है।हम मत्स्यखेट नहीं कर पा रहे हैं और रोजगार के लिए उधर भटक रहे हैं।दूसरी जाति वर्ग के लोगों ने ढीमर मछुआ समितियो में कब्जा कर लिया है इसीलिए हम अपने हक अधिकारों की मांग को लेकर पिछले दो वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं लेकिन हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।अभी 5 महा पूर्व शिकायत करने पर एक ब्लॉक समिति का गठन किया गया था,जिसका काम मत्स्य सहकारी समितियो से जुड़े फर्जी सदस्यों व अन्य जाति वर्ग के सदस्यों को समितियो से हटाने का था। उस ब्लाक समिति ने जांच कर अपनी रिपोर्ट बनाकर जिला अधिकारियों को भेज दी है। लेकिन जिला स्तर से इस मामले की जांच के लिए अब तक किसी समिति का गठन नहीं किया गया है। जिससे वंशानुगत मछवारे बेरोजगार हो चुके हैं। लालबर्रा क्षेत्र में लगभग सभी समितियो में गैर मछुवारों का कब्जा है। हम पिछले 2 वर्षो से आवेदन निवेदन आंदोलन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।अधिकारी लोग भी कार्यवाही के नाम पर हमें गुमराह कर रहे हैं अब हमें ऐसा लगने लगा है कि हमें इस मामले में जानबूझकर परेशान करने का काम किया जा रहा है।इसीलिए आज हमने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा है। यदि जल्द से जल्द हमारी यह मांगी पूरी नहीं की जाती, तो ढीमर समाज द्वारा सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

जैन प्रीमियर लीग अपने निर्णायक दौर में सेमीफाइनल और फाइनल आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 9 जनवरी से शुरू हुई जैन प्रीमियर लीग अब अपने निर्णायक और सबसे रोमांचक चरण में पहुंच चुकी है। लीग चरण के मुकाबलों के समापन के साथ ही टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा और रोमांच अपने चरम पर नजर आ रहा है। लगातार हो रहे मुकाबलों ने जहां खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को उजागर किया है, दर्शकों के बीच भी क्रिकेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में प्रतिदिन दिन एवं रात्रि में चार-चार मुकाबले आयोजित किए जा रहे थे। बाद में प्रतिदिन पांच मुकाबले देर रात तक कराए गये। इससे टूर्नामेंट की गति तेज हुई और खेल प्रेमियों को लगातार रोमांचक मुकाबले देखने का अवसर मिला। लीग चरण के दौरान टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ी, कुछ टीमें अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने के कारण बाहर होती चली गईं, जबकि कई टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की और सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफलता हासिल की।

जैन प्रीमियर लीग (जेपीएल) के तहत 14 जनवरी को खेले गए मुकाबलों में रोमांच अपने चरम पर रहा। दिनभर चले मैचों में जहां कुछ मुकाबले एकतरफा रहे, वहीं कुछ मैचों में दर्शकों को कांटे की टक्कर देखने को मिली। दिन का पहला मुकाबला पद्मेश पैंथर्स और सिंघाई शाइनिंग स्टार्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सिंघाई शाइनिंग स्टार्स की टीम ने निर्धारित ओवरों में 140 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पद्मेश पैंथर्स की टीम 10 ओवर में 105 रन ही बना सकी, जिसके चलते सिंघाई शाइनिंग स्टार्स ने यह मुकाबला जीत लिया। दूसरे मैच में जैन राइजर्स और बिग बुल इलेवन आमने-सामने रहे। जैन राइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 141 रन बनाए। जवाब में बिग बुल इलेवन की टीम जैन राइजर्स के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और महज 73 रन पर सिमट गई। इस तरह जैन राइजर्स ने आसान जीत दर्ज की। तीसरा मुकाबला शीतल लग्जुरिया और कलर्स एमपी-50 के बीच खेला गया। शीतल लग्जुरिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 71 रन बनाए, जबकि कलर्स एमपी50 की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 62 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में शीतल लग्जुरिया ने जीत हासिल की। चौथा मैच डी.आर. राइडर्स और राइजिंग अशोका के बीच खेला गया। राइजिंग अशोका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 101 रन बनाए। जवाब में डी.आर. राइडर्स की टीम मात्र 66 रन ही बना सकी, जिससे राइजिंग अशोका ने यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। दिन का पांचवां मुकाबला अर्पण सुपर किंग्स और सिंघाई शाइनिंग स्टार्स के बीच खेला गया। सिंघाई शाइनिंग स्टार्स ने 111 रन बनाए, जिसके जवाब में अर्पण सुपर किंग्स की टीम 104 रन तक ही पहुंच सकी। इस करीबी मुकाबले में सिंघाई शाइनिंग स्टार्स ने जीत दर्ज की।

15 जनवरी को भी देर रात तक चले मुकाबले

15 जनवरी को भी जैन प्रीमियर लीग के तहत पांच मुकाबले खेले गए। इनमें वारासिवनी सुराना वॉरियर्स और कलर्स एमपी-50 के बीच खेले गए मैच में कलर्स एमपी-50 ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 172 रन बनाए, जबकि सुराना वॉरियर्स की टीम 50 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में कलर्स एमपी-50 ने बड़ी जीत हासिल की। दूसरे मुकाबले में केशर एग्रो और बिग बुल इलेवन आमने-सामने रहे। केशर एग्रो ने 107 रन बनाए, जिसके जवाब में बिग बुल इलेवन की टीम 105 रन तक ही पहुंच सकी। इस रोमांचक मुकाबले में केशर एग्रो ने 2 रन से जीत दर्ज की। इसके अलावा अरिहंत लायंस बनाम राइजिंग अशोका, डी.आर. राइडर्स बनाम जैन राइजर्स और अर्पण सुपर किंग्स बनाम शीतल लग्जुरिया के बीच मुकाबले देर रात तक चलते रहे ।

आज होंगे निर्णायक मुकाबले, सेमीफाइनल और फाइनल

जैन प्रीमियर लीग अपने सबसे निर्णायक पड़ाव पर पहुंच चुकी है। 16 जनवरी को प्रतियोगिता के सबसे अहम मुकाबले सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे, जिनमें टूर्नामेंट के विजेता का निर्णय होगा। लगातार रोमांचक मुकाबलों के बाद अब शेष बची टीमें खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं। आयोजन समिति ने खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में मैदान पर पहुंचकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन करें। समिति का कहना है कि दर्शकों की उपस्थिति और समर्थन से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और मुकाबले और अधिक रोमांचक बनते हैं।

आवश्यकता है

माइक्रो कम्पयुटर में

- कम्प्युटर टीचस - 03 पद
- कम्प्युटर ऑपरेटर - 02 पद
- स्टेनो टीचस - 02 पद
- टैली टीचस - 01 पद
- चपरासी - 02 पद
- लाइब्रेरियन - 01 पद

पता-माइक्रो कम्प्युटर
SBI ATM के सामने वाली गली
भटेरा रोड, बालाघाट
मो. 9407311752, 9399009557

आम सूचना

मैं मानसिंह पिता श्री ब्रजलाल परते अध्यक्ष आदिवासी समूह ग्राम वाराटोला।

आम जनता को सूचित करता हूँ कि, ग्राम वारा तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नं. 546/3 रकबा 1.015 हेक्टे0 भूमि में से 0.464 हे0 (1.15 एकड़) भूमि जिस पर ग्राम वारा के आदिवासी समाज का पुरातन काल से अत्यधिक प्राचिन बड़ादेव पुजा स्थल एवं भगवान बिरसामुंडा की प्रतिमा चबुतरा स्थापित है। आदिवासी समाज के बड़ादेव पुजा स्थल एवं भगवान बिरसामुंडा की प्रतिमा स्थापित हेतु बने चबुतरा के स्थान पर म. प्र. शासन के द्वारा जनपद पंचायत भवन का निर्माण करने का प्रयास कर रही है, जो कि पूर्णत गलत होकर ग्राम वारा के आदिवासी समाज समूह के लोकहित के विपरित है, जिस कारण से वारा के आदिवासी समाज समूह के लोकहित व उनकी धार्मिक आस्था पर संकटापन्न उत्पन्न हो गया है। अत: आदिवासी समाज समूह के पदाधिकारी एवं सदस्यो व अन्य के द्वारा लोकहित में हितबद्ध व्यवहार वाद त्वरित प्रस्तुत किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में कोई अन्य व्यक्ति इससे प्रभावित होकर प्रस्तुत किये जा रहे व्यवहार वाद में संयुक्त होना चाहता है तो वह मुझसे तत्काल 2 दिन के अंदर सम्पर्क करे एवं लिखित सहमति दे तथा मेरे व अन्य व्यक्तियों के द्वारा जो दावा प्रस्तुत किया जावेगा उसका प्रारूप इस प्रकार होगा:-

सक्षम न्यायालय:- न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 02 वारासिवनी

व्य.वा.क्र. वर्ष 2026

मानसिंग पिता श्री ब्रजलाल परते अध्यक्ष आदिवासी समूह ग्राम वाराटोला व अन्य......................................वादीगण

विरूद्ध

मध्य-प्रदेश शासन श्रीमान कलेक्टर महोदय बालाघाट व अन्य........................प्रतिवादीगण

<u>वादीगण निम्नानुसार अनुतोष की मांगनी करता है-</u>

अ. यह कि ग्राम वारा तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नं. 546/3 रकबा 1.015 हेक्टे0 भूमि में से 0.464 हे0 (1.15 एकड़) भूमि (विवादित भूमि) को ग्राम वारा के आदिवासी जनसमुदाय के बड़ादेव पुजा स्थल एवं भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल की भूमि होने की घोषणा जारी की जावे।

ब. यह कि उक्त वर्णित भूमि में से 0.464 हे0 भूमि पर बड़ादेव पुजा स्थल एवं भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल की भूमि पर (विवादित भूमि) जनपद पंचायत भवन का निर्माण करने से सदा सर्वदा के लिये निषेधित किया जावे एवं उक्त भूमि को ग्राम वारा के आदिवासी समुदाय की भूमि आरक्षित किये जाने की आज्ञापक निषेधाज्ञा प्रतिवादियों के विरूद्ध जारी की जावे। तत्काल रोका जावे या निर्माण होने पर उसका संचालन रोका

स. अन्य अनुतोष जो न्यायालय उचित समझे दिलाया जावे।

वारासिवनी
तारीख 15-01-2026

प्रेषक
मानसिंह पिता श्री ब्रजलाल परते
अध्यक्ष:- आदिवासी समूह ग्राम वाराटोला
9617501982

In The Court Of Pranesh Kumar Pran, Principal District and Session Judge, Balaghat

<u>Presiding Officer- प्राणेश कुमार प्राण</u>

<u>आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 10/25 संरक्षण तथा प्रतिपाल्य अधिनियम</u>

<u>प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00034/2025</u>

1. शहादत खान पिता अब्दुल अजीज खान निवासी वार्ड नंबर 4 बैहर रोड बालाघाट मप्र
2. श्रीमति फरजाना खान निवासी वार्ड नंबर 4 बैहर रोड बालाघाट म प्र
3. कुमारी आयत उम्र 7 वर्ष पिता शब्बीर खान

....**आवेदकगण**

विरूद्ध

4. मो. शब्बीर खान पिता अब्दुल अजीज खान निवासी वार्ड नंब 10 बालाघाट
5. तबस्सुम खान पति शब्बीर खान निवासी वार्ड नंब 10 बालाघाट
6. आम जनता

....**अनावेदकगण**

Process Id- 18/2025
पेशी तारीख:-16/02/2026

प्रेषिती-
(1) <u>आम जनता पता- आम जनता</u>

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण ने संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1946 की धारा 10/25 के अंतर्गत स्वयं को पुत्री कु. आयत खान का संरक्षक एवं प्रतिपाल्य घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदकगण ने पुत्री आयत खान उम्र 07 वर्ष को अनावेदक क 1 मो शब्बीर खान एवं अनावेदक क 2 श्रीमति तबस्सुम खान की संतान होना बताया है। आवेदकगण की कोई संतान न होने से एवं अनावेदकगण सगे रक्त संबंधी होने से अनावेदकगण की पुत्री कु0 आयत उम्र 07 वर्ष को संरक्षता में प्राप्त करना चाहते हैं अत: आवेदकगणों को कु. आयत खान का संरक्षक घोषित किया जावे जिससे कि वह आवेदकगण की संपत्ति के संबंध में वैद्य उत्तराधिकारी बनी रहे।

अत: यदि किसी व्यक्ति को आवेदिका क्र 3 कु. आयत खान उम्र 07 वर्ष के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 16/02/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायाधीश
प्रधान जिला न्यायाधीश
प्राणेश कुमार प्राण
बालाघाट (म.प्र.)

न्यायालय नायब तहसीलदार उकवा तहसील परसवाडा जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र. 0063/ड-154 (1) / वर्ष 2025-26
मौजा खुरसुड रै. तहसील परसवाडा

<u>ईश्तेहार</u>

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम खुरसुड रै. तहसील परसवाडा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका निर्मला पिता दिपसिंह जाति गोंड निवासीग्राम खुरसुड रै. तहसील परसवाडा जिला बालाघाट के द्वारा आवेदन पत्र मे उल्लेख कर बताया है कि अपने स्वयं निर्मला पिता दिपसिंह की जन्मतिथि 06.07.1984 को ग्राम खुरसुड रै. में जन्म होने से जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्रस्तुत किया।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को इस संबंध मे कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो वह अपनी लिखित दावा आपत्ति नियत पेशी दिनॉक 16/01 / 2026 के पूर्व अपने अभिभावक या स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी दिनॉक भुगत जाने के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा जारी किया गया है।

जारी दिनॉक 02/01/2026
नियत दिनॉंक 16/01/2026

नायब तहसीलदार
उकवा

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0039/8-154 (1)/ वर्ष 2025-26
साकिन: सेवती प.ह.नं. 70
रा.नि.म. सेवती तहसील किरनापुर

<u>समाचार पत्र प्रकाशन</u>

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक खुमराज पित्ता चैनलाल जाति बिंझवार निवासी ग्राम सेवती तहसील जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपने माताजी विमलाबाई टेकाम की मृत्यु दिनाक 25/10/2006 को मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है. कि वे निश्चित दिनाक 15/01/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनाक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 02/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

टिटवा में मोटरसाइकिल फिसलने से 4 घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली चरेगांव चौकी के ग्राम टीटवा बस स्टैंड समीप, एक मोटरसाइकिल फिसलने से मोटरसाइकिल में सवार कुल 4 युवक- युवती घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है, घायलों में ग्राम टीटवा निवासी 19 वर्षीय अजीत पिता कैलाश पन्द्रे, उसी मोहल्ले में रहने वाले 20 वर्षीय अजय पिता संतोष मेश्राम, ग्राम समनापुर निवासी 18

वर्षीय युवती अनुराधा पिता महेश ठवरे और माहेश्वरी उर्फ नेहा पिता महेश ठवरे के नाम का समावेश है। जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

समनापुर से टीटवा लौटते वक्त हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टीटवा के एक ही मोहल्ले में रहने वाले युवक अजीत पन्द्रे और अजय मेंश्राम कक्षा 12वीं की पढ़ाई करते हैं,जिनकी पहचान समनापुर निवासी अनुराधा और महेश्वरी ठवरे से थी, बताया गया कि अनुराधा समनापुर में कक्षा 12 वी छात्रा है, जबकि महेश्वरी उर्फ नेहा कक्षा 12 वी पढ़ाई करने के बाद घर पर कपड़े सिलने का काम करती है।जानकारी के अनुसार ग्राम टीटवा निवासी दोनों युवक एक मोटरसाइकिल में सवार होकर किसी काम से ग्राम समनापुर गए थे, जहां से दोनो युवतियों को साथ लेकर वे एक ही मोटरसाइकिल पर बैठकर वापस ग्राम टीटवा वापस आ रहे थे।अभी वे टीटवा बस स्टैंड के समीप ही पहुँचे थे कि गोलाई में उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई,जहाँ मोटरसाइकिल फिसलने से उसमें सवार चारो युवक -युवती सड़क पर गिर कर घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतो से हरकत में पुलिस अमला

शहर भर में चेकिंग, बालाघाट पुलिस ने फिर कसा हेलमेट नियमों पर शिकंजा,दिन भर चली शहर में ताबड़तोड़ कार्यवाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सड़क दुर्घटनाओं के लगातार बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए बालाघाट पुलिस ने हेलमेट अभियान को और अधिक सख्त कर दिया है। इसी क्रम में 15 जनवरी की सुबह से ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया और बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई। दिनभर चली इस कार्रवाई से शहरभर में हलचल बनी रही।बिना हेलमेट आवागमन करने वाले वाहन चालक पुलिस को देखकर रास्ता बदलते और बचते नजर आए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह अभियान जागरूकता के साथ-साथ सख्ती के माध्यम से सड़क हादसों में कमी लाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बालाघाट में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि पर रोक लगाई जा सके।

बीते कुछ महीनों से बालाघाट जिले में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार हेलमेट अभियान चलाया जा रहा है।नवंबर और दिसंबर माह में इस अभियान को विशेष प्राथमिकता देते हुए दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक किया गया था। इस दौरान पुलिस द्वारा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन चालकों से अपील की गई कि वे अपनी और अपने पीछे बैठने वाले की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई थी। पुलिस प्रशासन ने दिसंबर माह से दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए भी हेलमेट अनिवार्य किए जाने की घोषणा की थी।अभियान के शुरुआती प्रभाव के चलते बड़ी संख्या में लोगों ने हेलमेट पहनना शुरू कर दिया, जिसके बाद कुछ समय के लिए पुलिस की सख्ती में भी आंशिक कमी देखी गई। आमजन में यह संदेश गया कि अब नियमों का पालन आवश्यक हो गया है। वर्ष 2026 की शुरुआत में सामने आई एक रिपोर्ट ने पुलिस और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी।रिपोर्ट में यह सामने आया कि बालाघाट जिले में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों का आंकड़ा फिर से बढ़ गया है। इसी को गंभीरता से लेते हुए बालाघाट पुलिस ने हेलमेट अभियान को एक बार फिर पूरी सख्ती के साथ लागू करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में 15 जनवरी को सुबह से ही शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों और व्यस्त इलाकों में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। दोपहिया वाहन चालकों को रोककर हेलमेट पहनने की समझाइश दी गई, बिना हेलमेट वाहन चला रहे लोगों पर नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान कई वाहन चालक पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए रास्ता बदलते या वापस लौटते नजर आए। कार्रवाई के बीच कुछ लोगों ने पुलिस की सख्ती पर नाराजगी भी जताई और इसे असुविधाजनक बताया, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में जान गवाने वालों की संख्या को देखते हुए यह सख्ती आवश्यक है। उनका मानना है कि यातायात नियमों का पालन और हेलमेट का उपयोग ही दोपहिया वाहन चालकों के लिए सुरक्षा का सबसे प्रभावी साधन है। दिनभर चली इस कार्रवाई के चलते हेलमेट अभियान शहरभर में चर्चा का विषय बना रहा।शाम तक सड़कों पर पहले की तुलना में अधिक संख्या में लोग हेलमेट पहने हुए नजर आए, जिससे यह संकेत मिला कि पुलिस की सख्ती का असर एक बार फिर आमजन पर दिखाई देने लगा है।

शहर भर में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है - वैषाली सिंह

इस पूरे मामले को लेकर जब नगर पुलिस अधीक्षक वैषाली सिंह से दूरभाष पर चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों पूर्व पुलिस द्वारा हेलमेट अभियान को सख्ती के साथ लागू किया गया था। उस दौरान बड़ी संख्या में लोगों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित हो गई थी। हाल के दिनों में कार्रवाई में कुछ ढील दिए जाने के चलते फिर से कई दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट आवागमन करने लगे थे। नगर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए पुलिस ने एक बार फिर हेलमेट अभियान को पूरी सख्ती के साथ लागू करने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य से शहर भर में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि वाहन चालक यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करें और दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें, तो दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है। नगर पुलिस अधीक्षक वैषाली सिंह ने आमजन से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों का पालन करें और वाहन चलाते समय स्वयं एवं पीछे बैठने वाले व्यक्ति दोनों के लिए हेलमेट का उपयोग सुनिश्चित करें।

स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश के लिये भिड़ण्त आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नेहरू स्पोर्टिंग क्लब एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 51वीं स्वर्गीय नारायणसिंह मेमोरियल ऑल इंडिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है। टूर्नामेंट के पांचवें दिन गुरुवार, 15 जनवरी को चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनके बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों के नाम तय हो गए। पहले क्वार्टर फाइनल में बीएसएफ जालंधर ने कड़े मुकाबले में एससीआर बिलासपुर को पराजित किया। दूसरे मुकाबले में साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता ने इम्फाल को शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह बनाई। तीसरे क्वार्टर फाइनल में कैनरा बैंक बैंगलुरू ने लखनऊ की टीम को हराया, जबकि चौथे मुकाबले में सदर्न कमांडेंट बैंगलुरू ने आरडब्ल्यूएफ बैंगलुरू को मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 16 जनवरी को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मैच 17 जनवरी, शनिवार को आयोजित किया जाएगा।

ऑल इंडिया स्तर के इस हॉकी टूर्नामेंट को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हर दिन बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान पर पहुंचकर मुकाबलों का आनंद ले रहे हैं, जिससे मैदान में खेल उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। गुरुवार को टूर्नामेंट के तहत पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला सुबह 10.30 बजे बीएसएफ जालंधर और एससीआर बिलासपुर के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुकाबला शुरू से अंत तक बेहद रोचक रहा और निर्धारित समय तक दोनों टीमों ने 3-3 गोल कर बराबरी बनाए रखी। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट के माध्यम से परिणाम तय किया गया, जिसमें बीएसएफ जालंधर ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरा क्वार्टर फाइनल साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता और इम्फाल के बीच खेला गया। इस मुकाबले में कोलकाता की टीम ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और 3-1 गोल से जीत हासिल की। मैच के दौरान

गोल की एक अहम स्थिति में इम्फाल के गोलकीपर द्वारा फाउल किए जाने पर कोलकाता को पेनल्टी मिली, जिसे खिलाड़ी ने सफलता पूर्वक गोल में तब्दील किया। तीसरा मुकाबला लखनऊ और कैनरा बैंक बैंगलुरू के बीच हुआ, जिसमें कैनरा बैंक की टीम ने बेहतरीन तालमेल और गति के साथ खेलते हुए 4-2 गोल से जीत अपने नाम की। गुरुवार का चौथा और अंतिम क्वार्टर फाइनल मुकाबला सदर्न कमांडेंट बैंगलुरू और आरडब्ल्यूएफ बैंगलुरू के बीच खेला गया। पहले हाफ में आरडब्ल्यूएफ बैंगलुरू ने शानदार मैदानी गोल कर 1-0 की बढ़त बनाई, लेकिन दूसरे हाफ में सदर्न कमांडेंट बैंगलुरू ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट में सदर्न कमांडेंट बैंगलुरू ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सभी मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फेंटा कंपनी की ओर से कवर सहित हॉकी स्टिक भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुवार को खेले गए मुकाबलों के दौरान अतिथियों के रूप में कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती, दिनेश बढ़ई, दीपक श्रीवास्तव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल धुवारे, सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप, आनंद कोछड़, राधेलाल दौने, रमेश राऊत और मानक बर्वे उपस्थित रहे।

आज होंगे सेमीफाइनल मुकाबले

टूर्नामेंट के छठवें दिन 16 जनवरी, शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल दोपहर 1 बजे कैनरा बैंक बैंगलुरू और साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता के बीच खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल बीएसएफ जालंधर और सदर्न कमांडेंट बैंगलुरू के बीच आयोजित होगा।

नोनसा में पिता और बड़े भाई ने छोटे भाई पर किया हमला

खेती के हिस्से बटवारे को लेकर मारपीट में अर्जुन घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नोनसा में, खेती के हिस्से बंटवारे को लेकर हुए एक विवाद में युवक के पिता और बडे भाई ने हमला कर छोटे भाई को घायल कर दिया।कथित तौर पर बैल गाड़ी की उभारी से किए गए इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए युवक का नाम ग्राम नोनसा निवासी 32 वर्षीय अर्जुन पिता गोरेलाल भल्लारे बताया गया है।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

मेरे खेत क्यो आते हो कहने पर पिता भाई ने की मारपीट

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नोनसा निवासी गोरेलाल बल्लारे के तीन पुत्र है।जिसमें बड़ा पुत्र कैलाश चिकित्सक है, जबकि बलराम और अर्जुन खेती बाड़ी का काम संभालते हैं। बताया गया कि गोरे लाल ने पूर्व में अपने तीनों बेटे के हिस्से में खेत का बंटवारा कर दिया था।जिसके चलते अर्जुन बल्लारे के पक्ष में करीब 3 एकड़ भूमि का हिस्सा आया था जिस पर वह खेती-बाड़ी कर अपना गुर्जर बसर करता है। बताया गया कि जब वह खेत में लगी फसल में पानी चलाने के लिए खेत गया था।तब उसके पिता गोरेलाल और भाई बलराम खेत मे अर्जुन के पास आए और खेती के बंटवारे को लेकर बात चीत करने लगे, अर्जुन ने कहा कि जब मुझे 3 एकड़ का हिस्सा दे दिए हो तो इस खेत में मत आया करो, इस बात पर उनके बीच विवाद हो गया और उनके बीच तू- तू ,मैं-मैं शुरू हो गई।जहा तू- तू ,मैं-मैं से शुरू हुआ यह विवाद जल्द ही हाथापाई में बदल गया और उनके बीच झगड़ा होने लगा। इस दरमियान बाप बेटे ने मिलकर से अर्जुन भल्लारे की पहले तो हाथ मुक्कों से पिटाई की फिर बाद में कथित रूप से बैलगाड़ी की उभारी से हमला कर अर्जुन को घायल कर दिया।उस मारपीट में घायल अर्जुन को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

नेशनल कराते चैंपियनशिप में महादेव कराते फिटनेस एकेडमी के 20 खिलाड़ियों जीता मैडल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। यूनाइटेड शोतोकॉन कराते एसोसिएशन इंडिया (यू.एस इंडिया) द्वारा पिछले दिनों नगर में आयोजित नेशनल कराते चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महादेव कराते फिटनेस एकेडमी के 20 खिलाड़ियों मैडल जीतकर जिले का नाम रौशन किया है।एकेडमी के मुख्य कोच राकेश वरकड़े के नेतृत्व में प्रतियोगिता में उतरी इस टीम के 20 खिलाड़ियों ने इस राष्ट्रीय कराते चैंपियनशिप में

भाग लेकर कड़े मुकाबले में शानदार पदक अपने नाम किये। जिसमे तनिष्का टेकाम, अंश रंगारे, सनाया खान, आयुष घोरमारे, अभिज्ञा गजबिये, मीत डोंगरे, अग्र राहंगडाले ने गोल्ड मेडल हांसिल किया।तो वही 4 साल की सबसे छोटी खिलाड़ी शिफा, के अलावा ,हर्षिल वर्मा, लक्की चौरागडे, गर्व बनवाले, वेदिता गजभिए, दिव्या टेंगाहे, चंदना घोरमारे, जय पटले,ने सिल्वर मेडल हांसिल करने में कामयाबी प्राप्त की।इसी तरह अर्जुन उराडे ,ओजस हरिनखेड़े, दीप्ति पटले, दृष्टि बागडे, जय पटले, ने ब्राउज़ मेडल हांसिल किया।

अंतराष्टीय प्रतियोगिता देश का प्रतिनिधित्व करेंगे जिले के खिलाड़ी

बताया गया कि इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ी आगामी 7 और 8 फरवरी को हैदराबाद में आयोजित अंतराष्टीय कराते प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।जिससे जिले के खिलाड़ियों को अंतर्राष्टीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।एकेडमी के मुख्य प्रशिक्षक सेसाई राकेश वरकड़े महिला प्रशिक्षक देविका घोरमारे एवं जॉनसन स्कूल के डारेक्टर नवीन बक्शी, प्रवीन बक्शी, प्रिंसिपल मैडम, शैली बक्शी , पूनम बक्शी, एवं जॉनसन स्कूल के सभी शिक्षकगण लिटिल स्टेप स्कूल प्रिंसिपल राहुल रंगारे एवं पूजा मैडम सभी अभिभावकगण राजेश वर्मा, पिंकी वर्मा, राजेंद्र चौरागडे, संगीत चौरागडे,मनोज बनवाले, रिंकी बनवाले, सभी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की है।

शंकरपिपरिया में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम में युवक से की गई मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शंकर पिपरिया में एक युवक पर तीन लोगों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक को हाथ-बुक और ब्लेड से मारकर घायल कर दिये। घायल युवक राज बिसेन, पिता ठानी लाल बिसेन, उम्र 17 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। बीती रात यह घटना आपसी रंजिश के चलते उस समय हुई, जब यह युवक अपने गांव में आयोजित छत्तीसगढ़ी नृत्य कार्यक्रम देखने गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज बिसेन कक्षा बारहवीं का छात्र है। जिसकी गांव के ही कुछ युवकों से आपसी रंजिश बनी हुई थी। 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर गांव में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। रात्रि 1:00 बजे राज बिसेन छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखने के लिए गया था। तभी आपसी रंजिश के चलते भीम अमन पन्द्रे राजेंद्र पन्द्रे सहित अन्य लोगों ने राज बिसेन को अश्लील गालियां देते हुए उस पर हमला कर उसे हाथबुक्के से मारपीट किया तो वहीं पर अमन ने पर ब्लेड से वार कर दिया। ब्लेड का वार राज बिसेन के बाये गले के ढोडी में लगने से खून निकले लगा।मारपीट में राज बिसेन को अंदरूनी चोटे आई। बीच बचाव के बाद राज बिसेन अपने साथियों के साथ रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा। खैरलांजी पुलिस ने राज बिसेन को दूसरे दिन 12 बजे थाने आने की सलाह दी। जिसके बाद राज बिसेन अपने साथियों के साथ इलाज करवाने के लिए प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा।जिला अस्पताल पुलिस ने राज बिसेन का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना खैरलांजी भिजवा दी है। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर खैरलांज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

खेलो एमपी यूथ गेम्स अंतर्गत टेबल-टेनिस खिलाड़ियों का चयन कल

चयनित खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिला टेबल टेनिस बालाघाट अध्यक्ष इंजीनियर इकबाल मंसूरी ने प्रेसविज्ञप्ति जारी कर बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स अंतर्गत टेबल टेनिस बालक बालिका अंडर 19 खिलाड़ियों का चयन 17 जनवरी को सुबह 11 बजे मुलना स्टेडियम बालाघाट में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी 17 जनवरी सुबह 10 बजे तक मुलना स्टेडियम में लव पटेल के पास अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। उन्होंने बताया कि इस अंतिम ट्रायल में जिले के खिलाड़ियों के साथ साथ विकासखंड के खिलाडी भी जिला स्तरीय चयन ट्रायल में भाग ले सकते हैं।इसके लिए खिलाड़ी मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना और आयु का 19 वर्ष से कम होना अनिवार्य है।बताया गया कि जिला स्तरीय चयन के लिए जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी बालाघाट द्वारा तकनीकी समिति श्रीमती कंचन महाजन और सम्यक जैन को नियुक्त किया है वही प्रभारी अध्यक्ष जिला टेबल टेनिस बालाघाट इंजीनियर इकबाल मंसूरी को नियुक्त किया है।चयनित खलाडियो को संभाग स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु भेजा जाएगा।इस अवसर पर जिला टेबल टेनिस बालाघाट सचिव आदित्य पंडित सहित जिला स्तरीय चयन ट्रायल में सभी सदस्य भानु प्रताप चौधरी, तपेश असाटी, देवेंद्र सिंह चंदेल, अजय गुप्ता, श्रीमती अर्चना पाठक, रवि शर्मा, विजय गुप्ता, श्रीमती नूरजहां, रिंकू मिश्रा, अजय यादव, लव पटेल नगपुरे ने भी सभी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने व चयन प्रक्रिया के लिए उपस्थित रहने की अपील की है।

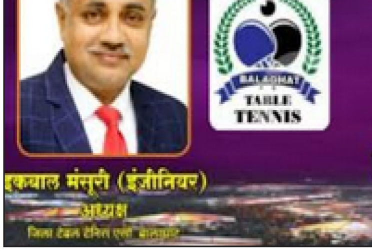

आस-पास की खबरें

किसान कांग्रेस के लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष बने मुनेन्द्र ठाकरे

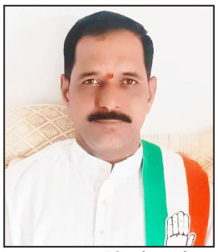

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी और किसान कांग्रेस के संगठन विस्तार के तहत ग्राम सेलवा निवासी मुनेन्द्र ठाकरे को किसान कांग्रेस का लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भुरू पटेल की अनुशंसा पर की गई है। विदित हो कि मुनेन्द्र ठाकरे की पार्टी के प्रति निष्ठा और पिछले वर्षों में किये गये जमीनी कार्यों को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है। इस नियुक्ति पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जननायक राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान की सहमति प्राप्त हुई है। साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के अध्यक्ष संजय उईके ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। वहीं नवनियुक्त किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन करते हुए कांग्रेस की रीति-नीतियों को ब्लॉक के हर गांव और घर तक पहुंचाएंगे, किसानों के हित में काम किया जायेगा। मुनेन्द्र ठाकरे के किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष बनने पर हर्ष व्यक्त करने वालों में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम भोयर, पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, धर्मेन्द्र ढांडे, वरिष्ठ कोंग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा, मधुसूदन शर्मा, रवि अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अनिल शर्मा, नारायणसिंह परिहार, राकेश डहरवाल, ढालसिंह बिसेन, गुरूप्रसाद बिसेन, आनंद बिसेन, दीपक तोमर, मनीष कुशवाहा, कमल शांडिल्य, बेनीराम चौड़े, जाहिद खान, गोविन्द पटले, ओमप्रकाश बिसेन, देवराज ठकरेले, नेतलाल तिवड़े, गणपत तरवरे, चित्रसेन रहांगडाले, गुलाब चौधरी, बालकृष्ण बिसेन, ईश्वरदयाल रहांगडाले, प्रेमकुमार नामदेव, संतोष पंचेश्वर, कृष्ण टेंभरे, मूलचंद रहांगडाले, शैलेंद्र धुर्वे, दिनेश पंचेश्वर, मंगलप्रसाद क्षीरसागर, संतोष पांडे सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल है।

हाई स्कूल मार्ग पर प्रस्तावित कॉम्पलेक्स निर्माण स्थल का भी लिया जायजा

एसडीएम कार्तिकेय ने किया लालबर्रा नगर का औचक निरीक्षण

बस स्टैंड, यात्री प्रतिक्षालय की गंदगी पर जताई नाराजगी, अतिक्रमणकारियों को दी सख्त चेतावनी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा नगर मुख्यालय की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने और अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से गुरूवार को अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्तिकेय जायसवाल ने प्रशासनिक अमले एवं पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ नगर का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम श्री जायसवाल ने स्थानीय बस स्टैण्ड, विश्राम गृह, बस स्टैण्ड के सामने थाने के बाजू में बने सामुदायिक भवन, हाई स्कूल मार्ग पर प्रस्तावित काम्पलेक्स निर्माण स्थल सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। साथ ही बस स्टैण्ड के सामने सामुदायिक भवन में अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को अपना अतिक्रमण हटाने। वहीं बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय में फैली गंदगी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जनपद पंचायत सीईओ श्री मंडलोई को जल्द साफ-सफाई एवं रंग-रोगन कर बेहतर व्यवस्था बनाने निर्देशित किया है और शासकीय भवन पर अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों को भी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये है।

विश्रामगृह एवं बस स्टैण्ड में लगे अनाधिकृत होर्डिंग्स को हटवाया

अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल ने निरीक्षण की शुरूआत विश्रामगृह से की। इस दौरान एसडीएम ने विश्राम गृह के सामने एवं परिसर व बस स्टैण्ड यात्री प्रतिक्षालय में लगे अनाधिकृत होर्डिंग्स को देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हे तत्काल हटाने और विश्राम गृह में अनावश्यक रूप से बाहरी लोगों के बैठने पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाये जाने के निर्देश दिये है। वहीं एसडीएम के निर्देश के बाद पांढरवानी पंचायत की मदद से तत्काल अनाधिकृत होर्डिंग्स को हटा दिया गया है। जिसके बाद बस स्टैंड और यात्री प्रतीक्षालय के निरीक्षण के दौरान चारों ओर फैली गंदगी और बदहाली को देखकर एसडीएम ने जनपद पंचायत सीईओ को कड़े लहजे में कहा कि यात्री प्रतीक्षालय की सफाई व्यवस्था तत्काल सुधारी जाये ताकि आम जनता को असुविधा न हो। वहीं बस स्टैण्ड के सामुदायिक भवन में अतिक्रमण कर दुकान संचालित करने वालों को एसडीएम ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि जो दुकानदार थाने के बाजू में बने सामुदायिक भवन के नाम पर बाहर अतिक्रमण फैलाये हुए है। वे अपनी दुकानें या तो मूल आवंटित बस स्टैंड में रोकी गई स्थान पर करें या फिर अपना अतिक्रमण हटा लें। स्वें छा से अतिक्रमण न हटाने की स्थिति में प्रशासनिक कार्यवाही करने की बात कही गई। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के साथ नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, सीईओ चंदरसिंह मंडलोई, खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी, पांढरवानी सरपंच अनीस, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, तूफान गुप्ता, नितिन साखला, पटवारी शिवलाल अडमे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से किसान के मकान में लगी भीषण आग, 150 बेठ पैरा जलकर खाक

हजारों रूपये का हुआ नुकसान, ग्रामीण और पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में गुरूवार की सुबह एक मकान में भीषण आग लग गई। इस आगजनी में किसान अशोक नगपुरे के मकान में रखा लगभग 150 बैट पैरा जलकर राख हो गया, जिससे उन्हें हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। वहीं प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार को प्रात: करीब 10 बजे खुरपुड़ी निवासी अशोक नगपुरे के पक्के मकान से अचानक धुआं उठते देख परिजनों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वहीं धुआं उठता देख परिवार के सदस्य आनन-फानन में घर से बाहर निकले और शोर मचाया। जिसके बाद ग्रामीणजनों को आग लगने की जानकारी लगने एवं मकान से धुआं निकलते देख ग्रामीणजन एकत्रित हुए और अपनी साहस का परिचय देते हुए मकान के अंदर रखी अन्य कीमती सामग्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिसके बाद पुलिस को आगजनी की जानकारी दी गई और ग्रामीणां ने निजी मोटर पंपों की मदद से पानी की बौछार कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो पड़ोस के अन्य मकान भी इसकी चपेट में आ सकते थे। वहीं पुलिस को आगजनी की जानकारी मिलने पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचे और आग बुझाने में ग्रामीणों को सहयोग प्रदान किया। इस तरह से शार्ट सर्किट से पक्के मकान में आग लगने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं इस आगजनी से पीड़ित किसान अशोक नगपुरे को काफी नुकसान हुआ है जिन्होने शासन-प्रशासन से उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

अस्पताल में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन, सर्वसमाज ने दर्ज करवाई सहभागिता

62 यूनिट हुआ रक्तदान, जागरूक नागरिकों में रक्तदान को लेकर दिखा उत्साह

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति के तत्वाधान में गुरूवार को रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। वहीं आयोजित इस रक्तदान शिविर में मुस्लिम समुदाय सहित सर्व समाज की एकजुट सहभागिता ने इस आयोजन को यादगार बना दिया। आयोजित रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के द्वारा रक्तदान देने पहुंचे लोगों की बीपी, सुगर की जांच की गई और 62 लोगों ने रक्तदान किया है। इस रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्तदान कर सर्व समाज ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाकर एक मिशाल पेश किया है। वहीं रक्तदान शिविर में एकत्रित 62 यूनिट रक्त सरकारी ब्लड बैंक की टीम को सौंपा गया है, ताकि जरूरतमंद मरीजों और आपातकालीन स्थिति में लोगों की जान बचाई जा सके। डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर पूर्ण सावधानी के साथ रक्तदान शिविर को संपन्न करवाया। वहीं सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति ने इस रक्तदान शिविर में 100 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा था किन्तु समय-सीमा के कारण कार्यक्रम दोपहर 3 बजे समाप्त करना पड़ा। इसके बावजूद समिति ने 62 यूनिट रक्त सफलतापूर्वक संग्रह कर यह साबित कर दिया कि लालबर्रा सेवा और संवेदना में सबसे आगे है।

थाना प्रभारी ने 3 माह में दूसरी बार किया रक्तदान

थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने मात्र तीन माह के भीतर दूसरी बार रक्तदान कर समाज के सामने मिसाल पेश की। उनके इस कदम से युवाओं और आम नागरिकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। वहीं मुकेश पिपलोद ने नौवीं बार रक्तदान कर निरंतर मानव सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाया। इस रक्तदान शिविर में मुस्लिम समाज के 50 एवं अन्य समाजों के 12 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर सहभागिता निभाई है। साथ ही समिति के द्वारा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया और लोगों से रक्तदान करने की अपील भी की है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान किसी धर्म या समाज का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का कार्य है। लालबर्रा ने आज यह साबित कर दिया कि जब समाज एकजुट होता है, तो सेवा इतिहास बन जाती है। साथ ही यह भी कहा कि शीघ्र ही अगला रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा, जिसमें शेष इ छुक रक्तदाताओं को शामिल किया जायेगा। रक्तदाताओं का सम्मान करते समय पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मनीराम भोयर, श्री सोनी, अफसर कुरैशी (जामा मस्जिद अध्यक्ष), जुनैद रिजवी, इमरान कुरैशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बालाघाट ब्लड बैंक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा के बीएमओं डॉ रितु धुर्वे, श्यामा काटेकर, चंचल प्रदाम, मनीषा मसकरे, शिवानी खांडेकर, सुरेश पवार, योगेश सार्वे, सरिता सार्वे, सरिता साकुरे, अनिता मानेश्वर, सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति के संस्था अध्यक्ष सलमान कुरैशी, उपाध्यक्ष राशिद खान, सचिव वासित खान, संयुक्त सचिव मतीन रजा, सदस्य अनिस खान, संस्था सदस्य मोहसिन खान, मोहसिन कुरैशी सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

इन्होने किया रक्तदान

रक्तदान शिविर में थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, जैनुल मंसूरी, इरशाद खान, एजाज खान, अरबाज खान, मिर्जा शब्बीर बेग, अरशद खान, शेख नदीम, फरहान खान, जिशान रजा, दानिश खान, शैजान शेख, अयान खान, नावेद खान, सलीम खान, सुभाष वरकड़े, खलील कुरैशी, शरफराज हन्फी, समीर खान, अरहान अख्तर, शाहिल कुरैशी, अशफाक कुरैशी, नसीरउल्ला, दीपक श्रीवास, दिनेश श्रीवास, शकील कुरैशी, मो. सुहैल, मो. इजराइल, तौसीफ खान, तसलीम कुरैशी, जावेद खान, मनीष बघेल, राहुल कौशल, हेमंत शुक्ला, अमित जैन, सचिन कुर्वे, विपेन्द्र मारवाड़ी, इम्तियाज खान, अकील खान, मोहित भगत, आसिफ कुरैशी, संजीव राव, भागचंद परिहार, अनिल पंचेश्वर, तबरेज खान, फिरोज खान, इमरान कुरैशी, इरफान खान, शादाब खान, कैलाश मेहरबान, विजय बिसेन सहित अन्य रक्तदाता ने रक्तदान कर सहभागिता दर्ज की है।

बुनियादी मुद्दों पर विफल रही भाजपा-कांग्रेस - इंद्रविक्रम सिंह

आम आदमी पार्टी का म.प्र. जोड़ो अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में आम आदमी पार्टी का 15 जनवरी को मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं प्रदेश कोर कमेटी सदस्य इन्द्रविक्रम सिंह के मुख्य आतिथ्य, पूर्व जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल, ब्लाक अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भारत माता, डॉ. भीमराव अंबेडकर, भगत सिंह के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित इस मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने उपस्थितजनों को पार्टी की नीति-रीति से अवगत करवाकर मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी प्रदान की और सभी को संगठित होकर काम करने कहा गया। वहीं मंच में उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मुद्दों को लेकर काम कर रही है ताकि प्रदेश की जनता को उसका लाभ मिल सके। लेकिन वर्तमान की भाजपा सरकार सिर्फ वादे कर रही है उसे पूरा नही कर रही है इसलिए हमारी पार्टी के द्वारा पूरे प्रदेशभर के 54 कोर कमेटी मेंबर्स की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम चला रही है और इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की धान के 3100 रूपये प्रति क्विंटल खरीदने के किसानों के हक और अधिकारों आंदोलन, सिंचाई हेतु 24 घंटे बिजली आपूर्ति, युवा बेरोजगारों में बढ़ती बेरोजगारी, पंचायतों के कम किये अधिकार और स्थानीय समस्याओं पर सरकार का ध्यान आकर्षित करवाने का काम किया जा रहा है। साथ ही सरकार को उनके द्वारा चुनाव के पूर्व किये गये वादे को याद दिलवाकर उसे पूरा करने की मांग को लेकर समय-समय पर आंदोलन भी किया जाता है। साथ ही उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा गया कि सभी संगठित होकर जनहितैषी मुद्दे को लेकर पार्टी के पदाधिकारी-कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर उन्हे जागरूक करने का कार्य करें और पार्टी की नीतियों से अवगत करवाकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की बात कही। श्री वरकड़े ने कहा कि जिस तरह से हमारे देश के क्रांतिकारी भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित अन्य महापुरूषों ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। उसी तरह हमारे नेता अरविंद केजरीवाल ने भी अपना जीवन देश हित के लिए समर्पित किया है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच चुका था तब हमारे अन्ना हजारे जी और केजरीवाल जी के द्वारा उसके खिलाफ आवाज उठाई। साथ ही यह भी कहा कि हमारे बालाघाट जिले में जातिगत राजनीति होती है, जिनकी संख्या ज्यादा है उन्हीं के लोग निर्वाचित होकर सदन में पहुंच जाते हैं। जब तक ईमानदार व्यक्ति सदन में नहीं पहुंचेगा तब तक इस क्षेत्र का विकास संभव नहीं है। चर्चा में आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्य और प्रदेश कोर कमेटी के सदस्य इंद्रविक्रम सिंह ने बताया कि पार्टी प्रदेश भर में जनसंपर्क के माध्यम से एक सकारात्मक राजनीतिक विकल्प के रूप में उभर रही है, क्योंकि भाजपा और कांग्रेस शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर विफल रही हैं। साथ ही यह भी बताया कि दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के लिए रोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण को पार्टी का मुख्य एजेंडा है। भाजपा सरकार चुनाव में किये गये वादे को पूरा नही कर पा रही है जिससे किसान परेशान है। श्री सिंह ने बताया कि आप आगामी निकाय और पंचायत चुनावों में मजबूती से अपने प्रत्याशी उतारेगी और इस मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान के माध्यम से अपनी जड़ों को मजबूत कर आने वाले चुनावों में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को संगठित होकर काम करने कहा गया है।

ये रहे उपस्थित

मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिव जायसवाल, रजनीश नायडू, सुरेशसिंह कारे, अनिल ब्रम्हे, मस्तराम डाहारे, फिरोज नियाजी, रामचंद्र सिहोरे, भोलाराम सराटे, अरूण लानगे, मजहर अली, रमन शुक्ला, आरिफ अली, विनोद पारधी, सखाराम सराटे, दिनेश बघेले, रेमन लिल्हारे, शिवशंकर यादव, दयाराम दमाहे, प्रीतम लिल्हारे, दुर्गाप्रसाद कटरे, संदीप तुरकर, गोरेलाल राहंगडाले, दिलीप वराडे, प्रदीप नागेश्वर, संतोष अहिगारे, रक्षेंद्र बिसेन, गौरीशंकर नगपुरे, बसंत मोहारे, रामाजी पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रशासन द्वारा धान नहीं लगाने के आदेश से किसान आक्रोशित

रबी धान फसल लगाने को लेकर किसान चिंतित नहर बनी समस्या

रिजनल रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

सितेकसा बांध से आने वाली राजीव सागर परियोजना नहर के टेल के ग्राम खापा के किसान बहुत ज्यादा चिंतित है। क्योंकि प्रशासन ने रबी में धान लगाने से मनाकर दिया है वहीं कम पानी वाली फसलों के लिए पानी देने के लिए कहा गया था। उक्त क्षेत्र में गेहूं ,चना पर्याप्त रूप से फसल नहीं हो पाती है धान की फसल एक विकल्प है जिसमें लागत निकालने की संभावना बनी रहती है। परंतु वह लगाने से मना करने पर किसानों ने धान की बुवाई नहीं की शासन के आदेश को मानते हुए कुछ किसानों ने गेहूं,चना बुवाई कर दिया। परंतु नहर के पानी ने खेतो में लगे गेहूं चना बीज को पूरा खराब कर दिया है। जिससे किसानो की लागत तो खराब हुई तो वहीं अब वह खेत में पानी होने से दूसरी फसल भी नहीं लग पा रहा है। राजीव सागर नहर से कटंगी को पर्याप्त पानी देने की बात कहते हुए वहां के किसानों पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। जिससे खापा के किसानों में प्रशासन और उसके आदेश को लेकर आक्रोश बना हुआ है।

किसानों का खेत में गेहूं चना हुआ खराब

वारासिवनी क्षेत्र कृषि प्रधान है जहां सर्वाधिक लोगों की जीविका का साधन एक मात्र कृषि है। वह भी धान उत्पादक क्षेत्र है जिस पर प्रशासन के द्वारा रबी में धान नहीं लगाने को लेकर निर्देश दिया गया है की पर्याप्त पानी नहीं दे पाएंगे। ऐसे में किसान भारी चिंता में डूबे हुए हैं थे कि वह अब कौन सी फ सल लगाये क्योंकि चना और गेहूं की फसल लगाने पर लागत तक नहीं निकाल पाती है। वह फसल पर्याप्त भी नहीं होती है ऐसे में शासन प्रशासन के कहे अनुसार किसान बड़ी दुविधा में थे। उनके द्वारा रबी में धान की बुवाई नहीं की गई कुछ किसान थे जिन्होंने खेतों में गेहूं चना की बुवाई कर दी की खेत खाली नहीं रहेगा और नहर में भी पानी नहीं मिलने वाला है। परंतु बीते १५ दिनों से अधिक का समय हो गया है राजीव सागर नहर परियोजना के द्वारा भरकर पानी नहर में छोड़ा गया है। जो खेत नाली के माध्यम से खेतों में घुस गया है वहीं सीपेज से पहले से भूमि में नमी बनी हुई है। जिसके चलते गेहूं और चने का बीज सड़ कर खराब हो गया है। जिसमें किसानो को लागत का नुकसान हुआ है और अब वह रबी की धान भी बुवाई नहीं कर पा रहा है। ऐसे में किसानों के सामने बड़ी विडंबना खड़ी हो गई है कि अभी पानी दिया है अंतिम समय में पानी देगा या नहीं। जिसको लेकर किसानों में शासन प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है कि जब इस प्रकार का पानी देना था तो धान पर क्यों रोक लगवाया गया।

राजीव सागर बांध का पानी वारासिवनी क्षेत्र को क्यू नही कटंगी को देना क्या उचित है-बिट्टू

किसान बिट्टू पारधी ने बताया कि खेतों में शासन ने गेहूं ,चना लगाने कहा है जबकि हमारा क्षेत्र नामी भरा है। हम यहां धान लगा सकते हैं परंतु राजीव सागर नहर हमें पानी नहीं देने के लिए बोला है। तो अब शासन बताएं कि हम क्या लगाए शासन ने आदेश देने के बाद भी नहर में पानी दिया गया है। हमारे यहां खेती के ऊपर नहर है सीपेज से नमी बनी रहती है धान लगा सकते है। जिसे मनाकर दिए तो हमने भी नहीं लगाया कि धान में जो अंतिम पानी समस्या बनता है वह मिलेगा या नहीं। जबकि कटंगी में धान को पानी दे रहे हैं ८६ किलोमीटर की यह नहर में आखिरी गांव खापा है और यह सबसे बड़ी किसानी का क्षेत्र है। इस नहर के लिए कटंगी के किसान बता रहे हैं कि उन्हें रबी लगाने के लिए बोला गया है बाकी यहां के लोगों को मना कर दिया गया है। इस प्रकार तुगलकी आदेश और फ रमान जारी किया गया है जो खापा, बोदलकसा ,बांसी, अंसेरा ,बकेरा के लिए है। इन्होने गांव में कोई विचार किया ना ग्रामीणों से पूछताछ की गई ना बैठक हुई और वस्तु स्थिति भी नहीं पता की गई केवल फ रमान जारी कर दिया है।

धान की फसल के लिये देना चाहियें पानी गेंहू की फसल के लिये नही - देवीप्रसाद

सरपंच देवी प्रसाद गौतम ने बताया कि नहर के अधिकारियों ने कहा था कि ज्यादा पानी नहीं देंगे तो हमने धान नहीं लगाया। गेहूं ,चना हमें लगाने के लिए कहा गया पर हम बरसों से फ सल ले रहे हैं गेहूं चना की उपज हमारे यहां उतनी नहीं होती है। अच्छे से गेहूं लगाएंगे तो चार से पांच क्विंटल होता है लागत भी नहीं निकलती है। धान में २० क्विंटल धान होती है पूरा खर्चा निकल जाता है यह जो पानी देने के लिए मना किया गया उसे किसानों में आक्रोश है। यह आक्रोश इस बात का भी है कि नहर आएगा कटंगी के किसानों को मना नहीं किया गया है नहर दे रहे हैं वारासिवनी की क्या गलती है। इसमें अभी हमारे यहां किसान खरीफ से निकला है रबी में गेहूं चना डाले हैं १५ दिन से नहर इतना आ रहा है कि पूरे खेत में पानी है और ज्यादा नमी होने से भी खराब हो गया है। पहले पानी देने मना किया अब व्यर्थ में पानी बहा रहे है वह भी इतना कि लोगों का गेहूं चना खराब हो गया।

नहर बंद नहीं हो रही है लगी हुई फसल खराब हो गई-शिवप्रसाद

किसान शिवप्रसाद नेवारे ने बताया की राजीव सागर नहर में खापा टेल पर है यहां के किसानों ने जमीन शासन को दी की नहर की सुविधा होगी। पानी आएगा हमारे बाल बच्चों को खेती के लिए अच्छा होगा। लेकिन यहां पानी समय पर देते नहीं है रबी में धान पकती है अभी तो इन्होंने धान लगाने से मना कर दिया। गेहूं ,चना बोने के लिए कहा हमने नहर नहीं आएगा करके गेहूं चना की बुवाई कर दी की पानी कब मिलेगा। परंतु इतना पानी आया कि नहर बंद नहीं हो रही है एक फिट पानी उछल रहा है जो भी बोया था वह सड़ गया है। खाली खेत पड़ा हुआ है अब वहां कुछ लगा भी नहीं पा रहा हूं शासन बताएं कि अब क्या करूं।

धानीटोला में ९ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/बुदबुदा। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबुदा के धानीटोला में १५ जनवरी को ९ दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव का समापन किया गया। यह श्रीराम कथा महोत्सव ६ से १५ जनवरी तक श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में हर्षउल्लास के साथ आयोजित किया गया। जिसमें जबलपुर से पधारे कथावाचक राष्ट्रीय प्रवक्ता ओमप्रकाश महाराज के द्वारा प्रतिदिन १२ बजे से शाम ६ बजे तक संगीतमय कथा का वाचन किया गया। जिसमें अंतिम दिन १५ जनवरी को कथा विश्राम उपरांत पूजा अर्चना हवन पूजन करने के बाद महाआरती कर महाप्रसादी का वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। यह ६ जनवरी को ९ दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव का प्रारंभ शोभायात्रा निकाल कर किया गया। जिसमें हनुमान मंदिर से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल मंदिर प्रांगण पहुंची। जहां शोभायात्रा का समापन कर श्री राम कथा का प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रतिदिन व्यास आसन पर विराजित कथावाचक ओमप्रकाश महाराज के द्वारा संगीतमय कथा का वाचन किया गया। जिसमें शिव पार्वती संवाद शिव पार्वती विवाह श्रीराम जन्म महोत्सव श्रीराम विवाह एवं सीया स्यवंबर श्रीराम वनगमन चित्रकुट महिमा दशरथ स्वर्गवास भरत मिलाप श्रीराम सुग्रीव मित्रता श्री रामराज्य तिलक विषय को लेकर विस्तार पूर्वक कथा प्रवचन के माध्यम से सुनाई गई। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर कथा का मग्न होकर श्रवण किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल, समाज सेवी मनीष मिश्रा के द्वारा कथा महोत्सव में उपस्थित होकर कथावाचक महाराज का शाल श्रीफल से सम्मान कर कथा श्रावण कर नगर सहित क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि बनाए रखने की कामना ईश्वर से की गई। जहां १४ जनवरी को कथा विश्राम कर १५ जनवरी को पूर्णाहुति प्रसाद व महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें प्रातः से विभिन्न पूजा अर्चना करने के बाद हवन एवं पूर्णाहुति की गई। तत्पश्चात महा आरती कर महाप्रसादी का वितरण प्रारंभ किया गया।

ईश्वर की कृपा से संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन ग्रामीणों के द्वारा आयोजित किया गया -डॉ योगेन्द्र

पूर्व विधायक डॉ.योगेंद्र निर्मल ने कहा की ईश्वर की कृपा से संगीतमय श्रीराम कथा एवं रुद्रयज्ञ अभिषेक का पुनित आयोजन ग्रामीणों के द्वारा आयोजित किया गया हैं। इसमें जबलपुर से आये कथा वाचक ओमप्रकाश महाराज व्यास आसन से संगीतमय मधुर कथा अपनी रसमयी ललित अमृत वाणी से सुना रहे हैं की सभी भक्तो का उध्दार हो। इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में होना चाहिए धर्ममय वातावरण बना रहता है यह जो कार्यक्रम किया गया है इसके आयोजकों की हम सराहना करते हैं और चाहते हैं कि ऐसे कार्यक्रम लगातार होते रहे। ताकि हमारी जो पीढ़ी है उसे सत्य मार्ग दिखाया जा सके और जो गलत रास्ते पर चल रहे हैं उन्हें सही रास्ते पर लाया जा सके।

राम को मर्यादा पुरूषोत्तम इसलिये कहा जाता है कि श्रीराम का आचरण ही मर्यादा से पूर्ण था-मनीष

वहीं समाज सेवी मनीष मिश्रा ने कहा कि ग्राम धानीटोला में ६ जनवरी से १५ जनवरी तक श्रीराम कथा का आयोजन ग्रामीणजनो के सहयोग से किया गया है । जो सौभाग्य का विषय है कि ग्राम में ऐसे आयोजन होते रहना चाहियें। ऐसे आयोजनो से ग्राम के हर व्यक्ति धर्मलाभ लेकर सत्य के मार्ग पर चलता है और आने वाले पीढ़ि को भी सत्य के मार्ग पर चलने का रास्ता दिखा सकते है। श्रीराम को मर्यादा पुरूषोत्तम इसलिये कहा जाता है कि श्रीराम का आचरण ही मर्यादा से पूर्ण था। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के द्वारा महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया गया। इस आयोजन मे समस्त ग्रामवासी ग्राम धानीटोला बुदबुदा का सराहनीय योगदान रहा।

जंगल के साथ जानवरों की सुरक्षा भी हमें करना है-प्रदीप

रमरमा में आयोजित हुआ अनुभूति कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के द्वारा वारासिवनी सामान्य परिक्षेत्र के अंतर्गत १५ जनवरी २०२६ को अनुभूति कार्यक्रम रमरमा वृत्त के महादेव पहाडी रमरमा वन कक्ष क्रमांक ४५८ में आयोजित किया गया। जिसमें मैं भी बाघ, हम है बदलाव, हम है धरती के दूत थीम पर जानकारियों से शासकीय विद्यालय कटंगझरी, नैतरा, सिर्रा, बडगांव एवं टेकाडी के कक्षा ९ वीं से ११ वीं के कुल १२६ छात्र छात्राओं को वन क्षेत्र में ट्रेकिंग सहित वनों के महत्व एवं अन्य जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य डूलेन्द्र ठाकरे की मौजूदगी में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैतरा, टेकाडी, कटंगझरी, सिर्रा ,बडगांव से आये लगभग १२६ छात्र छात्राओं को अनुभूति कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को वन भ्रमण के साथ साथ ट्रेकिंग, वन्यप्राणियों के पगमार्क एवं विष्ठा आदि से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनर्स ज्ञानचंद शर्मा,प्रेरक भवानीप्रसाद बिसेन वनरक्षक, सुनील मेरावी वनरक्षक के द्वारा विद्यार्थियों को वनों एवं वन्यभप्राणियों के महत्व से परिचित कराया गया । मानव वन्यप्राणी सह अस्तित्व, पारिस्थितिक तंत्र की क्रियाशीलता, वन्यकप्राणी सुरक्षा, संवहनीय जीवन शैली, मिशन लाईफ वन अस्तित्व से मानव अस्तित्वर की सम्भाावयता जैसे महत्वीपूर्ण विषयों एवं अवधारणाओं से छात्र-छात्राओं को सरल एवं व्यवहारिक माध्यामों से अवगत कराया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि जंगल के अंदर आकर जंगल और जंगली जानवरों के बारे में करीब से जानना और अनुभव करना ही अनुभूमि कार्यक्रम है । आज आप लोग यहां आये है यहां का वातावरण कैसा है जंगल घूमा और जो अनुभव किया वह जीवन में याद रहेगा । यहां विभिन्न प्रकार के पेड पौधे, पक्षी वन प्राणी पाये जाते है हमे इनकी सुरक्षा करना जरूरी है । जंगल और जानवर एक दूसरे से जुडे हुए है इसलिए सरकार के द्वारा वन और वन्य प्राणियों के सुरक्षा और संवर्धन के लिए अनेक प्रयास करती है । कुछ दिनों पूर्व सरकार ने बाहर से चीता बुलवाया था क्योंकि हमारे देश में चीते विलुप्त हो गये थे । कुछ लोग जंगल काटने और वन्य प्राणियों के शिकार करने का प्रयास करते है जो र्प्यावरण के लिए गलत है पेड पौधे हमें हमेशा आक्सीजन देते है और हमारे द्वारा छोडी गई कार्बन डाईआक्साईड को अवशोषित करते है। जंगल और वन्यप्राणियों को बचाना होगा नही तो धरती जल जायेगी ।

बच्चों को हुई अनुभूति

कार्यक्रम में जंगल पर जानकारी एकत्र करने निकले बच्चो के दलों को वन विभाग के विभिन्न क्षेत्रों में वन्य प्राणियों की उपस्थिति के साक्ष्य मिले जिसे वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा बच्चों को दिखाया गया । जिसे देखकर बच्चे रोमांचित हुए। जिसमें टेकाडी लोहारा शासकिय विद्यालय से आये एक छात्र ने बताया कि मैं आज अनुभूति कार्यक्रम के माध्यम से वन एवं वन्य प्राणियों से जुडी अनेक बातें सीखने मिला है ।वन एवं वन्य प्राणी हमारे समाज एवं अस्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है हमे वनों एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा करना चाहिए ।आज वन एवं वन्यप्राणियों के बारे में इतने करीब से जानकर अनुभूति हुई । वहीं नैतरा विद्यालय के छात्र ने बताया कि हमे इस कार्यक्रम के माध्यम से आज वनों और वनों में रहने वाले पशु पक्षियों के सम्बंध में बहुत कुछ नया सीखने को मिला है ।

प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों ने दिया पुरूस्कार

अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत अनुभूति ब्रोसर एवं फील्ड विजिट में छात्र-छात्राओं से जो जानकारी साझा की गई उन्ही अवधारणाओं पर आधारित एक क्विज का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल एवं जिला पंचायत सदस्यी डूलेंद्र ठाकरे के द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

आरओबी वारा का अधिकारियों के साथ प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण

लालबर्रा मार्ग के रेल्वे ट्रेक पर भी ओवर ब्रिज बनाने की प्रक्रिया होगी शुरू-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर की सीमा पर रेल्वे ट्रेक के उपर आरओबी के वारा का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने निरिक्षण कर कार्य एंजेसी को समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किये। इस समय एसडीओ पीडब्लूडी अर्जून सनोडिया, कार्य एंजेसी के प्रमुख सिद्वार्थ जायसवाल उपस्थित रहे। आरओबी वारा का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम समय में सतत रूप से शुरू है। वर्तमान में अंतिम दो स्लैब का निर्माण कार्य शेष बचा है। वहीं रेल्वे की ओर से गुजरात राज्य से १६ सौ टन की बेहद बडी क्रेन मशीन अपना कार्य कर रही है। फ्लाई ओवर के शेष हिस्से के ७३० टन के गडर को बाजू के स्थल पर असेंबल किया जा रहा है। इस कार्य के पूर्ण होते ही देड माह के भीतर भारी भरकम गडर को बडी क्रेन से फ्लाई ओवर में जोड दिया जायेगा। गौरतलब है की इस कार्य के पूर्ण होते ही जिला मुख्यालय के मुख्य मार्ग मे दिन में दस बार रेल्वे ट्रेक में बेरियर बार बार बंद होने की तकलीफ से जनता को छूटकारा मिल जायेगा। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आरओबी वारा में प्रदेश के सबसे चौड़े गडर को स्थापित किया जा रहा है। इस कार्य के पूर्ण होते ही नगर के लालबर्रा रोड़ रामदेव बाबा मंदिर की क्रांसिग पर भी इसी तरह के बडे आरओबी के लिये प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। हमने ८ बडे व्रहद पूलो को पिछले कार्यकाल में स्वीकृत कराया था। जिसमें से तीन में आवागमन शुरू हो गया है। बाकि शेष बचे पूल में नवंबर २६ तक कार्य पूर्ण होने जा रहा है। श्री जायसवाल ने कहा की नया साल २०२६ आवागमन के विषय में एक नयी क्रांति साबित होंगा। ८ पूल और आरओबी वारा, आरओबी शेरपार, आरओबी गर्रा के शूरू होते ही क्षेत्रवासीयों को समय और धन की बचत होते देखी जायेगी। यह विकास कार्य हम नयी पीढी को समर्पित कर रहे है। हमने पिछले कार्यकाल में ही ५५ बडी सड़को का निर्माण कराया है। और वर्तमान में डोंगरमाली से घोटी १४ किंमी की डबल लेन सड़क का कार्य भी तीव्र गति से शुरू करा दिया गया है। श्री जायसवाल ने कहा की हमने ग्राम से ग्राम की दूरीयों को पूरी तरह खत्म कर दिया है। खंडवा पूल, रामपायली बिठली पूल और बुदबुदा नदी टोला पूल का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष बचे पूलो का कार्य भी नवंबर २६ तक पूर्ण होने की तैयारी तेज गति से शुरू है। यह हमारी ड्रांईग और समय सीमा पर ध्यान में रखकर महानगरो की तर्ज पर विकास कार्य संपादित करने की पहचान है। इस विकास कार्यो के कारण ही युवाओ को जंहा रोजगार मिलने की संभावनायें बलवती हो गयी है। वहीं मार्गो के किनारे के किसानो की जमीन सैकडा से हजारो रूपये रूकैवर फिट हो गयी है यह चौतरफा विकास का परिणाम है। अब हमारे क्षेत्र से किसी भी दिशा में बारहमासी किसी भी विधानसभा क्षेत्र व राज्यो में जाने के आवागमन उपलब्ध हो जायेगे। श्री जायसवाल ने कहा की पिछले कार्यकाल और इस कार्यकाल में विकास कार्यो की गति में जमीन आसमान का फर्क है। चुनावी परिणाम ने क्षेत्र व क्षेत्रवासीयों का बडा नुकसान कर दिया है। आगे के समय में जनता उन्हे फिर से आर्शीवाद देगी तो इस नुकसानी की भरपाई ब्याज सहित अवश्य की जायेगी।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

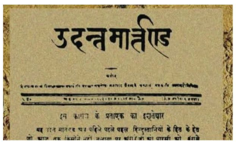

सुरक्षा की फिक्र और ज़िन्दगी की जद्दोजहद

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अत्यधिक व्यस्तता के बीच आनलाइन सामान पहुंचाने का कारोबार न केवल रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के लिए एक बड़े बाजार की शक्ल ले चुका है। खासकर कोविड महामारी के बाद से इसमें जबरदस्त उछाल आया है और अब मांग पर हर तरह के उत्पाद मिनटों में घर पर पहुंच जाते हैं। मगर तत्काल सामान पहुंचाने की होड़ में इस कार्य से जुड़े कर्मियों पर आनलाइन कंपनियों के दबाव और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं। सामान पहुंचाने के दौरान सड़क हादसों में मौत हो जाने की देश भर में कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब दस मिनट में सामान पहुंचाने से संबंधित कंपनियों के दावों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। सवाल है कि आखिर सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा? क्या संबंधित कंपनियों की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने कर्मियों की सुरक्षा और बेहतरी की फिक्र करे ?

बीते वर्ष के के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2025 को घर पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों ने हड़ताल का आह्वान कर अपनी दिक्कतों की तरफ देश, समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। कुछ अरसे से आनलाइन बाजार की यह कह कर हिमायत की जा रही है कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और उपभोक्ताओं को भी अपनी पसंद के सामान की खरीदारी का आसान विकल्प मिल गया है। साथ यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को अपने कार्य की अवधि खुद तय करने की आजादी है। मगर, क्या वास्तव में उन्हें काम करने की आजादी है? निर्धारित समय के भीतर सामान पहुंचाने और प्रतिदिन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव कई बार उन्हें मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक तकलीफ भी देता है। इस दबाव में सड़क पर तेज रफ्तार में दोपहिया वाहन चलाने से हर समय जान का जोखिम बना रहता है। ऐसे में दस मिनट में सामान पहुंचाने के वादों पर रोक लगाना निहायत जरूरी हो गया था।

नीति आयोग की वर्ष 2022 की एक रपट के अनुसार, वर्ष 2020 में देश भर में आनलाइन मांग पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की संख्या करीब 77 लाख थी और यह आंकड़ा 2030 तक 2.35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे यह बात तो स्पष्ट है कि आनलाइन बाजार के कारोबार से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन साथ ही संबंधित कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में कर्मियों की सुरक्षा और काम के दबाव का संकट भी पैदा हुआ है। कहा जा रहा है कि सरकार के आदेश के बाद आनलाइन कंपनियों ने अपने मंच से दस मिनट में सामान पहुंचाने का दावा हटा लिया है। मगर इस तरह की कोशिशें फिर से किसी दूसरे रूप में न हों, इसके लिए सरकार की ओर से एक निगरानी तंत्र बनाने की जरूरत है। सरकार को संबंधति आनलाइन मंचों के साथ मिलकर यह कोशिश करनी होगी कि श्रमशक्ति का यह हिस्सा सुरक्षित वातारण में विकास और सामाजिक गतिशीलता की सीढ़ी बने और उनके अधिकारों की भी रक्षा हो सके।

अथ ईरान कथा : जैसी करनी वैसी भरनी

आज आम ईरानी सिर्फ आर्थिक कुप्रबंधन और भ्रष्टा चार के खिलाफ ही नहीं, बल्कि एक ऐसे शासन का भी विरोध कर रहे हैं, जो अपने लोगों को खाना खिलाने के बजाय यहूदी दुश्मन के खिलाफ जिहाद करना चाहता है। ईरान की बर्बादी में इसकी यहूदी विरोधी राजनीति बड़ी भूमिका निभाएगी।

ईरान की सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए जा रहे नारों में यह नारा खास है: 'न गाजा, न लेबनान, ईरान के लिए मेरी जान।' यह सिर्फ वहां के शासन की विदेश नीति को नकारना नहीं है, बल्कि इस बात की याद दिलाता है कि यहूदी-विरोध की नीति अंततः यहूदी-विरोधी को ही खत्म कर देती है।

ब्रेट स्टीफंस
द न्यूयॉर्क टाइम्स

1979 की ईरानी क्रांति के बाद से, इस शासन को यहूदियों से एक खास तरह की नफरत रही है। इस्राइल के प्रति गहरी नफरत उसी का नतीजा है। इस शासन का बुनियादी राजनीतिक ग्रंथ, अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी की 'यहूदियों का शासन', यहूदी-विरोध से भरा हुआ है। जैसे: 'शुरुआत से ही, इस्लाम के ऐतिहासिक आंदोलन को यहूदियों से निपटना पड़ा है, क्योंकि उन्होंने ही सबसे पहले इस्लाम विरोधी दुष्प्रचार शुरू किया था।' ईरान के मौजूदा नेता, अयातुल्ला अली खामनेई खुले तौर पर नरसंहार को नकारते हैं। हालांकि, ईरान आधिकारिक तौर पर अपने कम होते यहूदी समुदाय को बर्दाश्त करता है, पर ज्यादातर ईरानी यहूदी खतरनाक हालात में देश छोड़कर भाग गए हैं। ईरान की विदेश नीति स्वतंत्रतापूर्वक इस्राइल विरोधी भावनाओं को यहूदी विरोधी भावनाओं से मिलाती है। इसने हिज्बुल्लाह का समर्थन किया है, जिसने इस्राइल को खत्म करने की कसम खाई है, और चार दशकों में अरबों डॉलर खर्च किए हैं। इसने दूर से यहूदी विरोधी आतंकवादी हमलों का आदेश दिया है, जिसमें 1994 में ब्यूनस आयर्स में एक यहूदी सांस्कृतिक केंद्र पर बमबारी भी शामिल है, जिसमें 85 लोग मारे गए थे। इसने हमास को हथियार और प्रशिक्षण दिया, साथ ही यमन के हूतियों को बैलिस्टिक मिसाइलें भी दी हैं। इसने नरसंहार से इन्कार करने वालों का एक सम्मेलन और यहूदी विरोधी कार्टून प्रतियोगिताएं आयोजित करके बार-बार अंतरराष्ट्रीय नाराजगी मोल ली है। इस सरकार ने परमाणु हथियार बनाने के लिए आवश्यक चीजों को इक ?ट्ठा करने में भी दशकों बिताए। इसका एक मकसद खुद को रोकना और आत्मरक्षा था। दूसरे मकसद का पता पूर्व राष्ट्रपति अयातुल्ला अली अकबर हाशमी रफसंजानी के 2001 के एक भाषण में किए गए इस डरावने लागत लाभ विश्लेषण से चलता है 'इस्राइल में एक परमाणु बम का इस्तेमाल करने से कुछ भी नहीं बचेगा, लेकिन इस्लामी दुनिया में सिर्फ नुकसान होगा।'

यह सब शायद तब समझ में आता, अगर ईरान और इस्राइल के बीच पुराने झगड़े या जमीनी विवाद होते। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। ईरान उन पहले मुस्लिम बहुल देशों में से था, जिसने इस्राइल को मान्यता दी थी, और जब शाह सत्ता में थे, तब यरूशलेम और तेहरान के बीच करीबी रिश्ते थे। एंटी-डिफेमेशन लीग द्वारा प्रकाशित सर्वे के अनुसार, आज भी आम ईरानी लोग दूसरे पश्चिम एशियाई देशों के लोगों की तुलना में यहूदियों के प्रति काफी कम नफरत रखते हैं। मौजूदा सरकार का यह जुनून पूरी तरह से इस्लामी विचारधारा का

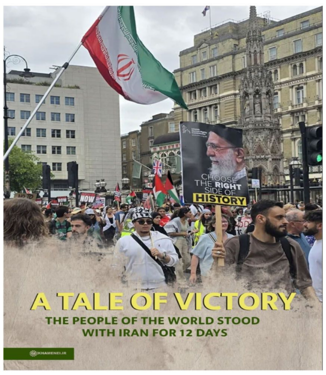

नतीजा है, न कि राष्ट्रीय हित का। यही उस सरकार विरोधी नारे की जड़ है। इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने आसमान छूती महंगाई और गिरती मुद्रा के बीच अपने ज्यादातर नागरिकों को हर महीने सिर्फ सात डॉलर का भत्ता देकर प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की। फिर भी, उसी सरकार ने हिजबुल्ला को फिर से अपनी ताकत बनाने में मदद करने के लिए करीब एक अरब डॉलर भेजे, और अपने परमाणु कार्यक्रम पर खास रियायत देने से मना कर दिया, जिससे यूरोपीय प्रतिबंध लग गए तथा अर्थव्यवस्था और कमजोर हो गई। आम ईरानी सिर्फ आर्थिक कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के खिलाफ ही विद्रोह नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे एक ऐसे शासन के भी खिलाफ हैं, जो अपने लोगों को खाना खिलाने के बजाय यहूदी दुश्मन के खिलाफ लगातार जिहाद करना चाहता है।

वर्षों तक, इस नीति की क्रूरता इसकी सफलता के पीछे छिपी रही, क्योंकि ईरानी प्रॉक्सी पूरे पश्चिम एशिया में मजबूत हो गए और यहूदी देश के चारों ओर आग का एक तथाकथित घेरा बना लिया। लेकिन सात अक्तूबर, 2023 के हमलों के बाद, इसराइल ने गाजा, बेरूत्त, दमिश्क, सना और आखिर में तेहरान में उस घेरे को सुनियोजित ढंग से खत्म कर दिया, जिसके आसमान पर जून में 12 दिन की लड़ाई के दौरान इस्त्राइली वायु सेना का दबदबा रहा। एक ही झटके में, इसने इस्राइल को खत्म करने की कोशिशों में लगे ईरान के दशकों के निवेश को मिट्टी और राख में मिला दिया। इसने ईरानी लोगों के सामने सरकार की सैन्य नाकामी और लाचारी को उजागर कर दिया और उन्हें याद दिलाया कि मुस्लिम देशों के लिए एक अलग रास्ता भी है-जैसे कि संयुक्त अरब अमीरात की तरह वे खुशहाल हो सकते हैं, इस्राइल के साथ शांति से रह सकते हैं, वह भी फारसी खाड़ी के ठीक दूसरी तरफ।

सरकार की कमजोरी को देखते हुए ही जान-माल के बढ़ते नुकसान के बावजूद ईरान के लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। अब तक सरकार विरोधी प्रदर्शनों करीब 2,500 लोगों की जान जा चुकी है, जैसा कि खुद सरकार ने बताया है, हालांकि यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। ईरान के नेताओं को लगता है कि उनका शासन खत्म होने वाला है, इसीलिए वे विरोध प्रदर्शनों का जवाब क्रूरता और कूटनीतिक लचीलेपन से दे रहे हैं। हो सकता है कि यह कुछ समय के लिए काम कर जाए। लेकिन जब यह शासन खत्म होगा, जो देर-सबेर जरूर होगा, तो इसकी यहूदी विरोधी राजनीति इसकी बर्बादी में एक बड़ी भूमिका निभाएगी। यह देखते हुए कि खुमैनी और खामनेई का इरादा क्या था, यह एक ऐतिहासिक विरोधाभास है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी है यहूदियों पर फारसियों का एहसान तब से है, जब साइरस महान ने 2,564 साल पहले बेबीलोन की गुलामी खत्म कर यहूदियों को सियोन वापस लौटाया था।

ऐसे समय में, जब यहूदी विरोधी राजनीति को व्यापक समर्थन मिल रहा है, यह एक बड़ा सबक है। यहूदी विरोधी भावना कई कारणों से बुरी है, लेकिन यह मूर्खतापूर्ण भी है, क्योंकि यह भयानक साजिशों के सिद्धांत को बढ़ावा देती है; राष्ट्रीय नाकामियों के लिए जिम्मेदारी लेने के बजाय बलि का बकरा ढूंढती है; और एक मेहनती तथा पढ़े-लिखे अल्पसंख्यक समुदाय को बदनाम करती व दबाती है।

जिन समाजों ने अपने यहूदी समुदायों को देश से निकाल दिया या उन पर अत्याचार किया, स्पेन से लेकर रूस और अरब दुनिया तक, वे सभी लंबे समय तक पतन के शिकार हुए। यही बात आज के ईरान के लिए भी सच है। ऐसा हमेशा नहीं रहना चाहिए। एक ऐसा शासन, जिसने यहूदियों पर अपनी ही बुराई थोपने की कोशिश की, उसे जल्द ही अपने किए की सजा मिल सकती है। और ईरानी लोग, जो एक व्यक्ति के तौर पर अपनी आजादी का फिर से दावा करते हैं, वे एक राष्ट्र के तौर पर अपनी समझदारी भी वापस पा सकते हैं।

-जीन-पॉल सार्त्र

यदि अर्थ पहले से तय होता, तो मनुष्य केवल एक मशीन होता। अर्थहीनता ही उसे यह साहस देती है कि वह अपने कर्मों, संघर्षों और प्रतिबद्धताओं के माध्यम से स्वयं अर्थ रचे।

भविष्य के शिल्पकार आप स्वयं हैं

क्या हो सकता था-इस पर पछतावा करना ऊर्जा की बर्बादी है, क्योंकि मनुष्य का सत्य अतीत की संभावनाओं में नहीं, बल्कि उसके किए गए कर्मों में बसता है। मनुष्य स्वतंत्रता को विरासत में नहीं पाता, बल्कि वह स्वतंत्रता के खुले आकाश में जन्म लेता है और वहीं पलता-बढ़ता है। यह स्वतंत्रता कोई उत्सव नहीं, कोई आरामदेह उपहार नहीं, बल्कि एक अपरिहार्य अवस्था है-ऐसी अवस्था, जिससे पलायन असंभव है।

जैसे ही मनुष्य इस संसार में प्रवेश करता है, उसी क्षण से वह अपने हर निर्णय, कर्म और मौन की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा लेता है। वह यह नहीं कह सकता कि परिस्थितियों ने उसे बाध्य किया, क्योंकि बाध्यता भी एक चुनाव है और मौन एक निर्णय। मनुष्य पहले अस्तित्व में आता है और फिर, अपने कर्मों की लौ से, स्वयं को परिभाषित करता है। उसके लिए कोई पहले से लिखा हुआ अर्थ नहीं, कोई तयशुदा नियति नहीं, जो उसे यह बताए कि उसे क्या होना चाहिए। वह जो करता है, वही बनता है, क्योंकि उसका लक्ष्य जन्म से निर्धारित नहीं होता; वह अपने कर्मों के माध्यम से उसे गढ़ता है। उसका हर चुनाव निजी नहीं रहता, बल्कि वह मानवता के लिए भी एक उद्घोष बन जाता है कि मनुष्य कैसा हो सकता है और उसे कैसा होना चाहिए। यही स्वतंत्रता मनुष्य को भयभीत करती है और इसीलिए वह चाहता है कि कोई नियम, कोई ईश्वर, कोई व्यवस्था उसके निर्णयों का बोझ उठा ले, पर सत्य यह है कि ऐसा कोई सहारा नहीं है। जब मनुष्य यह स्वीकार कर लेता है कि उसके पास कोई बहाना नहीं, कोई ऊंची सत्ता नहीं, जिसे दोष दिया जा सके, तब वह अपने नग्न अस्तित्व के सामने खड़ा होता है और वहीं से चिंता जन्म लेती है। पर यह चिंता कमजोरी नहीं, चेतना का प्रमाण है और यह उस गरिमा की घोषणा है, जो केवल जागरूक मनुष्य को प्राप्त होती है। अक्सर वह कहता है, 'मैं तो ऐसा ही हूं' या 'परिस्थितियां ऐसी थीं', अथवा 'समाज ने मुझे ऐसा बना दिया।' लेकिन यह खुद से ही छलावा है, क्योंकि हर क्षण उसके पास चुनने की शक्ति है, और उस शक्ति से इन्कार करना भी एक चुनाव है। जीवन अपने आप में अर्थहीन है और यही उसकी सबसे बड़ी संभावना है। यदि अर्थ पहले से तय होता, तो मनुष्य केवल एक मशीन होता, निर्देशों पर चलने वाली वस्तु। पर अर्थहीनता ही उसे यह साहस देती है कि वह अपने कर्मों, अपने संघर्षों और अपनी प्रतिबद्धताओं के माध्यम से स्वयं अर्थ रचे। मनुष्य अकेला है, पर यह अकेलापन निराशा नहीं, बल्कि यह सृजन का स्थल है। इसी अकेलेपन में वह स्वयं को रचता है, स्वयं को ऊंचा उठाता है। वह जो चुनता है, वही बनता है और यही उसकी गरिमा है कि बिना किसी गारंटी, बिना किसी अंतिम सत्य के, फिर भी वह अर्थ चुनने का साहस करता है। जीवन का अर्थ दिया नहीं जाता, बल्कि जीवन का अर्थ बनाया जाता है। और यह जिम्मेदारी किसी और की नहीं, केवल हमारी है।

सूत्र - परिस्थितियों का बहाना न बनाएं

मनुष्य स्वतंत्रता के साथ नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की जिम्मेदारी के साथ जन्म लेता है। हर निर्णय, हर मौन, हर कदम उसका खुद का चुनाव है। परिस्थितियां बहाना हो सकती हैं, पर कारण नहीं। अर्थ हमें खोजने नहीं, रचने होते हैं। अवसर है। जो हम चुनते हैं, वही बनते हैं। अकेलापन अभिशाप नहीं, बल्कि आत्म-सृजन का आधार है।

मुद्दा

क्या ऐसा ही होगा नया बंगाल

-विमल रॉय

कोलकाता हाईकोर्ट ने बुधवार को आई पैक पर ईडी की छापेमारी के मामले में तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि आठ जनवरी को ईडी ने आई पैक के दफ्तर पर छापेमारी के दौरान कुछ कतागजात जब्त कर लिए थे, जबकि सुनवाई में जांच एजेंसी ने इससे इन्कार किया। अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी।

दरअसल हाल ही में, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का रौद्र अवतार सामने आया है। एसआईआर के जरिये घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया और सीबीआई ईडी के फिर से सक्रिय होने से उनका गुस्सा चरम पर है। विधानसभा चुनाव में बस कुछ महीने बचे हैं और उनके विद्रोह की लपटों में मान, मर्यादा, नैतिकता, कानून सब

बंगाल की राजनीति आज सवालों के कटघरे में है कि क्या सत्ता के लिए कानून, न्याय और नैतिक मर्यादा से समझौता किया जा सकता है?

मुद्दे कुछ झुलस रहे हैं। आई पैक पर आठ जनवरी के ईडी के छापे से दीदी ने जैसे आपा ही खो दिया। वह सड़कों पर हैं, उनके नेता भी दिल्ली 'हिला' रहे हैं। नया नारा है 'जोतोई कोरो हमला, आबार जीतबे बांग्ला।' नौ जनवरी को कलकत्ता हाईकोर्ट में तृणमूल से जुड़े वकीलों व कार्यकर्ताओं के हंगामे की वजह से जस्टिस शुभ्रा घोष ईडी की याचिका पर सुनवाई टालने पर मजबूर हो गई। इधर, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने भी तुरंत मामले पर सुनवाई करने से इन्कार कर किया। परिणामस्वरूप ईडी को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा है। हम यह तो नहीं कह सकते कि जज भी डर गए हैं, पर सोचिए, मुख्यमंत्री से जुड़े या किसी भी दूसरे संवेदनशील और गंभीर मामलों में यही 'रणनीति' अपनाई जाए, तो कौन जज सुनवाई करेगा और कैसे न्याय मिल पाएगा? बंगाल में सरकारी कर्मचारी बकाया डीए मांग रहे हैं। नौकरियां जाने से युवा सड़कों पर हैं। क्या देश व राज्य के मनीषियों ने ऐसे बंगाल की कल्पना की थी? किसी ने सोचा था कि

सीमा पार कर आने वाले लोगों को धीरे-धीरे यहां के संसाधनों पर कब्जा करने की छूट मिल जाएगी और मूल निवासी खुद को दोयम दर्जे का समझने लगेंगे? भला हो एसआईआर का, जिसने बता दिया कि कहां-कहां घुसपैठियों को बंगाल में बस्तियां बसाने की जगह दी गई थी। वे झुग्गियां ही सत्ताधारियों की 'राष्ट्रविरोधी' करतूत का सबसे पुख्ता सबूत हैं। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि उद्योग लगाने से लेकर मारवाड़ियों, लाल गमछा बांधे दिन-रात पसीना बहाने और चिमनियों को जिंदा रखने वाले भोजपुरियों, या पीढ़ियों से बसे प्रवासी हिंदी भाषी अचानक बाहरी हो जाएंगे? महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य कहे जाने वाले बंगाल में एक के बाद एक हिंसक वारदातों का निदान या बचाव का एकमात्र उपाय क्या यही बताया जाएगा कि लड़कियां रात आठ बजे के बाद घर से बाहर न निकलें? किसी ने सोचा था कि झूठ-फरेब, गाली-गलौच, लड़ाने-भिड़ाने, लाठी-गोली, हिंसा-आगजनी राज्य का 'राजनीतिक दर्शन' बन जाएगा? ममता बनर्जी की हल्ला बोल राजनीति की झलक देश की जनता तबसे देख रही है, जब वे विपक्ष में थीं। मई 2011 में सत्ता संभालने के कुछ महीने बाद उन्होंने भवानीपुर पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर दंगा-आगजनी के आरोपी दो तृणमूल कार्यकर्ताओं को छुड़ा लिया था। यही पहला संदेश था पुलिस को, कि हमारे कार्यकताओं व हितों की रक्षा आपका पहला दायित्व है। कोयला घोटाले में सीबीआई ने नवंबर, 2020 में प्राथमिकी दर्ज की, और मनी लॉन्ड्रिंग से तार जुड़ने पर ईडी ने जांच शुरू ही। पर तृणमूल इस बात से ज्यादा नाराज है कि इतने समय तक निष्क्रिय रहने के बाद ईडी ने विधानसभा चुनाव नजदीक देखकर भाजपा के इशारे पर यह कार्रवाई की है। हैरत की बात है कि खबर पाकर मुख्यमंत्री खुद आई पैक के मालिक प्रतीक जैन प्रतीक के घर गईं और वहां से फाइलें, मोबाइल और लैपटॉप लेकर चलती बनीं। उनके साथ सादे पोशाक में आई स्थानीय पुलिस ने ईडी वालों के हाथ से कागजात छीन लिए। अगर केंद्रीय बलों ने संयम से काम नहीं लिया होता, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी और तथाकथित तृणमूल 'सिपाहियों' के हाथों ईडी वालों का वही हश्र होता, जो संदेशखाली के कुख्यात शाहजहां के घर पर छापे के दौरान हुआ था।

जन्म दिन पर विशेष

संघर्ष से सत्ता तक : दलित अस्मिता की सबसे मुखर राजनीतिक आवाज

भले ही आज उनका राजनीतिक सूरज ढलान पर हो, लेकिन उत्तर प्रदेश और दलित राजनीति के इतिहास में उनका स्थान अमिट है

मायावती भारतीय राजनीति की उन शख्सियतों में हैं, जिन्होंने हाशिये से सत्ता के शिखर तक का सफर तय किया। उत्तर प्रदेश में कभी अपराधियों की शामत बनकर उभरी, तो देश भर में दलित समाज की सबसे प्रभावशाली और मुखर राजनीतिक आवाज के रूप में पहचानी गईं। उनकी राजनीति ने सामाजिक न्याय को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि सत्ता का हथियार बनाया। मायावती की कहानी सत्ता की नहीं, सशक्तिकरण की कहानी है। एक साधारण दलित परिवार की लड़की का चार बार मुख्यमंत्री बनना भारतीय लोकतंत्र की असाधारण उपलब्धि है। भले ही आज उनका राजनीतिक सूरज ढलान पर हो, लेकिन उत्तर प्रदेश और दलित राजनीति के इतिहास में उनका स्थान अमिट है।

कांशीराम से जुड़ाव

मायावती के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया, जब वे बहुजन आंदोलन के पुरोधा कांशीराम से मिलीं। कांशीराम ने उनकी राजनीतिक क्षमता और आत्मविश्वास को जल्दी पहचान लिया। एक प्रसिद्ध किस्सा है, कांशीराम ने युवा मायावती से पूछा जीवन में क्या बनना है? मायावती ने जवाब दिया- आईएएस। तब कांशीराम ने कहा, आईएएस अधिकारी खुद सत्ताधारी नेताओं का आदेश मानते हैं इसलिए उन्हें ऐसा नेता बनना चाहिए जो इन अधिकारियों को नियंत्रित कर सके और सत्ता में आकर व्यवस्था बदल सके। इसके बाद मायावती

राजनीति में आ गईं। कांशीराम ने मायावती को शिष्या और अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाया। यह भारतीय राजनीति में असाधारण घटना थी, एक पुरुष नेता द्वारा एक दलित महिला को नेतृत्व सौंपना।

यूपी की पहली महिला सीएम बनी

28 वर्ष की उम्र में मायावती 1984 में बसपा से जुड़ी और 11 साल बाद 1995 में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बन गईं। वे न सिर्फ यूपी की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं, बल्कि दलित समाज से आने वाली पहली मुख्यमंत्री भी थीं। इसके बाद वे 1997, 2002 और 2007 में फिर मुख्यमंत्री बनीं। खासकर 2007 का पूर्ण बहुमत उनका सबसे बड़ा राजनीतिक शिखर माना जाता है, जब बसपा ने 'सर्वजन रणनीति' के जरिए 'ब्राह्मण-दलित' गठजोड़ बनाया।

बेहतर कानून-व्यवस्था ही पहचान

मायावती की सबसे बड़ी पहचान कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण से बनी। अपराधियों पर सख्ती, माफिया नेटवर्क पर कार्रवाई और प्रशासनिक अनुशासन ने उन्हें सख्त सीएम की छवि दी। दलितों के सम्मान और प्रतीकों को उन्होंने सत्ता के केंद्र में रखा। दलित अफसरों को आगे बढ़ाया और सामाजिक न्याय की भाषा को प्रशासनिक निर्णयों से जोड़ा।

राजनीतिक कौशल और स्टाइल

मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान है कठोर अनुशासन और केंद्रीकृत नियंत्रण। पार्टी में असहमति की गुंजाइश बेहद सीमित रही। उनकी शैली भावनात्मक नहीं, बल्कि सख्त और आदेशात्मक रही। वे मंच से कम बोलती हैं, लेकिन जब बोलती हैं तो संदेश सीधा और स्पष्ट होता है। राजनीतिक सौदेबाजी, सत्ता संतुलन और विरोधियों को चौंकाने की कला में उन्हें माहिर माना जाता है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दाल मिलों की लेवाली से गुरूवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार तेजी के रहे। चने में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा देखा गया। तिलहनों में बाजार बने रहे। किराना बाजार में व्यापार ठंडा रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में दाल मिलों की लेवाली से भावों में तेजी की स्थित रही। तुअर में बढ़िया माल 7300 रू. प्रति क्विंटल बिक गये। चने में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सुस्त-सुस्त रही। तिलहनों में बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में कारोबार विशेष का अभाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4070, खोपरा गोला 310-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2540, सोया साल्वेंट 1260-1265, सोया रिफाइंड 1310-1320, कपास्या 1240, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1335,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4900-5000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5750-5800, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6800-6900, तुअर महाराष्ट्र 7400-7600, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 266500, चॉंदी (99) 266000, टंच 265500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 144500,

भू-आर्थिक टकराव और सशस्त्र संघर्ष सबसे बड़े जोखिम- रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। स्विट्ज़रलैंड में आयोजित होने वाली वार्षिक बैठक से पहले, विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2026 जारी की। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया एक नाजुक मोड़ पर है, जहां व्यापार, वित्त और टेक्नॉलजी को प्रभाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट के लिए दुनिया के 1,300 वैश्विक दिग्गज और विशेषज्ञों का सर्वेक्षण किया गया। इसमें पाया गया कि भू-आर्थिक टकराव और सरकारों के सशस्त्र संघर्ष 2026 में सबसे बड़े जोखिम माने जा रहे हैं। आधे उत्तरदाता अगले दो वर्षों में एक अशांत या तूफानी दुनिया की आशंका व्यक्त कर रहे हैं, जो पिछले साल की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है।

नगर निगम चुनावों के चलते घरेलू शेयर बाजार बंद

इक्विटी, डेरिवेटिव्स, करेंसी और कमोडिटी मार्केट बंद, 16 से फिर खुलेगा बाजार

मुंबई।एजेंसी। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों के कारण गुरुवार 15 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार पूरी तरह बंद हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने इस संबंध में संशोधित सर्कुलर जारी कर निवेशकों को जानकारी दी। सर्कुलर के अनुसार आज सभी सेगमेंट्स में ट्रेडिंग और सेटलमेंट गतिविधियां स्थगित रहीं। एक्सचेंजों ने स्पष्ट किया कि इस दिन शेयर बाजार में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बोरोविंग से जुड़ा कोई भी कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा करेंसी और कमोडिटी बाजार भी बंद रहे। बीएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स में भी 15 जनवरी को कोई ट्रेडिंग

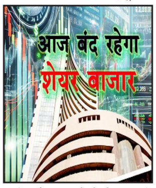

नहीं हुई। एक्सचेंजों ने यह भी जानकारी दी कि जो इक्विटी डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट पहले 15 जनवरी 2026 को एक्सपायर होने वाले थे, उन्हें एक दिन पहले यानी 14 जनवरी 2026 को ही एक्सपायर कर दिया गया। इससे निवेशकों को समय रहते अपनी पोजीशन समायोजित करने का मौका मिला। शेयर बाजार में नियमित कारोबार अब शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 से दोबारा शुरू होगा। इसके बाद बाजार की अगली आधिकारिक छुट्टी 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर रहेगी। भारतीय शेयर बाजार सामान्य तौर पर सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुला रहता है, जबकि प्री-ओपन सेशन सुबह 9:00 से 9:15 बजे तक होता है। शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहता है। गौरतलब है कि वर्ष 2026 में वीकेंड को छोड़कर भारतीय शेयर बाजारों में कुल 16 ट्रेडिंग छुट्टियां निर्धारित की गई हैं, जिनमें राष्ट्रीय और प्रमुख धार्मिक त्योहार शामिल हैं।

तेल कंपनियों का तीसरी तिमाही में प्रदर्शन मजबूत रहने की संभावना

नई दिल्ली।एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भारत की प्रमुख तेलशोधन और विपणन कंपनियों का प्रदर्शन मजबूत रहने की उम्मीद है। सरकारी तेल कंपनियों का जीआरएम इस तिमाही 10 से 13 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना है, जबकि पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर था। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का जीआरएम 13.4 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो

पिछले साल 10.4 डॉलर था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने के कारण पेट्रोल और डीजल जैसे रिफाइंड उत्पादों पर विपणन मुनाफा भी बढ़ा। इस तिमाही में औसत मुनाफा पेट्रोल के लिए 7.38 रुपये और डीजल के लिए 5.25 रुपये प्रति लीटर रहा। ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 63.1 डॉलर प्रति बैरल रही, जो सालाना आधार पर 10.9 डॉलर और तिमाही आधार पर 5 डॉलर कम है। तेल उत्पादों की घरेलू खपत बढ़ने से कंपनियों की बिक्री मजबूत रही। एलपीजी सिलिंडर की बिक्री पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 3 सरकारी तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर किया है। इससे तेल कंपनियों के प्रदर्शन को और समर्थन मिलेगा।

बैंक और एनबीएफसी स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें- आरबीआई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को निर्देश दिया कि वे पूरी तरह स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें। इस प्रणाली में ग्राहक को शिकायत दर्ज करने और उसकी समीक्षा के लिए आंतरिक लोकपाल (आईओ) और उप-लोकपाल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज़, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक या एनबीएफसी द्वारा आंशिक रूप से हल

या पूरी तरह अस्वीकार की गई शिकायतें स्वत: आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी। आईओ को इन शिकायतों की समीक्षा के लिए कम से कम 10 दिन दिए जाएंगे। जिन मामलों में आरबीआई, एनपीसीआई या कार्ड नेटवर्क के दिशानिर्देशों में समय-सीमा तय है, उनका समाधान उसी के अनुसार किया जाएगा। अन्य मामलों में शिकायत प्राप्ति के 20 दिन के भीतर समीक्षा पूरी करनी होगी। क्रेडिट सूचना कंपनियों से जुड़ी शिकायतों के लिए समय सीमा 25 दिन रखी गई है। आईओ कार्यालय जनता से सीधे शिकायतें नहीं देखेगा, बल्कि केवल उन शिकायतों पर विचार करेगा जिन्हें बैंक पहले जांच चुका हो और जिन्हें आंशिक समाधान या खारिज किया गया हो। आरबीआई का यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में ग्राहक शिकायतों के त्वरित निपटान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ेगी और बैंक/एनबीएफसी की जवाबदेही मजबूत होगी।

मेष- आज आपको अपनी आय और व्यय में बजट बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके खर्चे अधिक रहेंगे, जिसके चक्कर में आप कुछ सेविंग भी खर्च कर सकते हैं। आप किसी दिखावे के चक्कर में ना पड़े, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ेगी और आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। बॉस आपके काम से काफी खुश होंगे। आप अपने सरकारी मामलों को लेकर थोड़ा परेशान तो रहेंगे, लेकिन फिर भी आपके काम आसानी से पूरे होंगे।

वृषभ- आज आपकी कार्यकुशलता बेहतर रहेगी। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा और नौकरी में भी आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। आप जिस काम में हर डालेंगे, उसमें आपको अच्छा फल मिलेगा। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो उसे भी आप उतारने की कोशिश में लगे रहेंगे। प्रॉपर्टी को लेकर आप कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। भाई बहनों से यदि किसी बात को लेकर कहासुनी चल रही थी, तो उसे भी दूर करने की कोशिश करें।

मिथुन- आज आपको अपने कामों को थोड़ा ध्यान से निपटाने की आवश्यकता है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। राजनीति में आपकी अच्छी छाप रहेगी। आपके जन समर्थन में इजाफा होगा। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए आय के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी बात को लेकर तनाव रहेगा। आप किसी पारिवारिक मामले को दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको दूसरों के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा और बिजनेस को लेकर आप कोई टेंशन न लें। पार्टनरशिप भी आपकी बेहतर रहेगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके सामने आज कुछ मनचाहे खर्च आएंगे, जो आपकी राह में कांटे बनेंगे। आपको घर परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। पिताजी के सेहत को लेकर आपको पूरा ध्यान देना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा, तभी उन्हें किसी काम में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है।

कन्या- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखना होगा। माता-पिता का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिलेगा और आप पर मौसम का भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए आप स्वस्थ को प्राथमिकता दें। कहीं घूमने-फिरने जाने के लिए आप प्लानिंग कर रहे थे, तो वह पूरी हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए लिए बढ़िया रहने वाला है। आपका धन यदि कही फंसा हुआ था, तो वह आपको मिल सकता है। बिजनेस को लेकर आपकी कोई बड़ी डील फाइनल होगी, जिसको लेकर आप लंबे समय से परेशान थे, तो आप अपनी संतान को कुछ नयी चीज दिला सकते हैं और उनको कहीं घूमने भी जाएंगे।

वृश्चिक- आज आपको कोई बात सोच समझकर बोलनी होगी। आप किसी अजनबी की बातों पर भरोसा ना करें, नहीं तो आपके बेवजह के लड़ाई-झगड़े बढ़ सकते हैं। आप अपनी संतान की नौकरी को लेकर यदि परेशान थे, तो आपकी वह चिंता भी दूर होगी। आपको माताजी से किए हुए वादे को पूरा करना होगा, नहीं तो वह नाराज हो सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए आप अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी से कोई बात सोच समझ कर बोलनी होगी। बड़े बुजुर्गों की सेहत को लेकर आप थोड़ा सचेत रहें। आप अपने घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं, जिसमें परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा। रहन सहन के स्तर में सुधार आएगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। आप संतान की पढ़ाई-लिखाई को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आप अपनी माताजी से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर सलाह मशवरा कर सकते हैं। आप किसी नए वाहन की खरीदारी करेंगे, जो आपके लिए अच्छी रहेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आपका धन लंबे समय से कहीं अटका हुआ था, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है और आप किसी परिजन के घर मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधानी से करना होगा, नहीं तो कोई चोट चपेट भी लग सकती है।

मीन- आज आपको परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आपके मन में काम को लेकर नये-नये आईडिया आएंगे, जिन्हें आप तुरंत बिजनेस में लगाए और आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को नजर अंदाज नहीं करना है। आपको कोई महत्वपूर्ण काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

शब्दजाल - 8142

शब्दजाल में दस 'वृक्षों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	हु	मे	रि	द	इ	शी	श	म	ट	र्जी
का	म	क	ची	ड़	जी	ने	शि	दे	ड़	अ
ब	पी	जा	ह	र	ग	बा	द	व	प	शो
ला	ग	ए	ई	जा	भ	ब	ल	दा	लि	क
सा	ग	वा	न	जी	ह	ला	कि	र	प	म
पी	इ	वि	मो	ग	ब	र	ग	द	गी	स
न	प	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	त
क	रि	ल	र	य	र	प	नी	म	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	गु	ल	मो	ह	र
बां	स	सा	ए	न	स	मे	व	क		ल

बरगद, पीपल, नीम, अशोक, गुलमोहर, आम, शीशम, देवदार, चीड़, सागवान

शब्दजाल - 8141 का हल

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	श
स	स	प	का	को	ह	रा	झे	ल	म	प
मि	त	स	व	वे	वा	ज	ध	रा	श	दु
श	आ	ल	ग	म	री	ना	तू	वी	झ	प
न	ल	ला	ज	दि	म	गो	ती	ना	घ	य
क	व	चि	ना	ब	प	दा	ज	ती	व	मु
श	एं	वा	ई	द	ब	व	डू	ए	श	ना
मी	ड	ल	फू	ल	औ	री	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	व्या	स	री	द
वि	ज	अ	ब्र	म्ह	पु	त्र	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7086

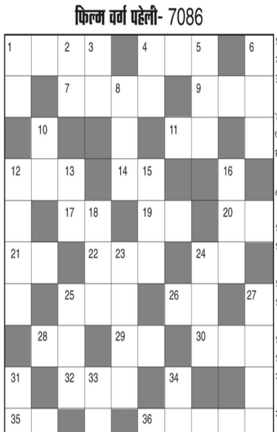

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 7085

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मकर में
चंद्र	धनु में
मंगल	मकर में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मकर में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मकर	06.37 बजे से
कुंभ	08.27 बजे से
मीन	10.00 बजे से
मेष	11.31 बजे से
वृष	13.11 बजे से
मिथुन	15.09 बजे से
कर्क	17.22 बजे से
सिंह	19.38 बजे से
कन्या	21.50 बजे से
तुला	00.01 बजे से
वृश्चिक	02.16 ब.से
धनु	04.32 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 16 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 22.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल अहोरात्र।
योग ध्रुव 21.07 बजे को समाप्त।
करण गर 09.22 बजे तदनन्तर वणिज 22.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 58'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872591
जूलियन दिन 2461056.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: अनोखा पुरस्कार

खलीफा उमर ईमानदारी और सादगी में यकीन करते थे। उनका हुक्म था कि चोगा बनाने के लिए शाही भंडार से सभी लोगों को एक समान कपड़ा दिया जाए। खुद उन्हें भी उससे अलग न रखा जाए। इस हुक्म का कड़ाई से पालन हो। एक बार वह भाषण दे रहे थे। भाषण के दौरान उन्होंने लोगों से पूछा, 'क्या आप लोग हमारे सभी हुक्म मानेंगे?' सभी लोगों ने हाथ उठा कर सहमति जाहिर की, मगर एक महिला ने हाथ नहीं उठाया। खलीफा ने उससे पूछा, 'क्या तुम मेरा हुक्म नहीं मानोगी?' उस महिला ने कहा, 'कभी नहीं।' खलीफा ने पूछा, 'क्यों?' उसने कहा, 'मैं आप का हुक्म कैसे मान सकती हूं, जब आप ने खुद ही अपने आदेश का उल्लंघन किया है।' खलीफा ने कहा, 'मैं कुछ समझा नहीं।' महिला बोली, 'आप देख लीजिए। आप इतना लंबा चोगा पहने हुए है जबकि मेरे पति का चोगा घुटनों तक ही आता है। इससे जाहिर है कि आप ने शाही भंडार से अपने हिस्से से ज्यादा कपड़ा लिया है।' खलीफा की समझ में कुछ नहीं आया कि क्या कहें। तभी उनके बेटे ने खड़े होकर कहा, 'इसमें खलीफा दोषी नहीं हैं। उन्होंने ज्यादा कपड़ा नहीं लिया है। उनका चोगा बड़ा हो, इसलिए मैंने अपने हिस्से का थोड़ा कपड़ा उन्हें दिया है। देखिए मेरा चोगा सबसे छोटा है।' यह सुन कर महिला बोली, 'मुझसे गलती हुई। मुझे माफकिया जाए।' लेकिन वहां बैठे लोग कहने लगे कि खलीफा का अपमान करने वाले को सख्त से सख्त सजा दी जाए। उनकी बातें सुन खलीफा ने कहा, 'इस महिला ने कोई गलत काम नहीं किया है। यहां जितने लोग बैठे हैं, उनमें एक यही है जिसमें बेखौफहोकर अपनी बात कहने की हिम्मत है। यह महिला मुल्क की अमूल्य धरोहर है। मैं उसके साहस को सलाम करता हूं। आज ऐसे ही लोगों की जरूरत है।' महिला को सजा देने की बात करने वालों के सिर शर्म से झुक गए।

सूडोकु नवताल- 7395

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7394 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8610

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैंदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. यमराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. द्वेष, ईर्ष्या-4
8. तमीज, तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती (उर्दू-2)

शब्द पहेली -8609 का हल

	त	ला	क		ह	म	रा	ज
म			म	ह	क			रु
ना		श	त		ला	ल		र
ना	म	क	र	ण		की	म	त
	लि		ता		म		का	
अ	न	ल		मा	न	क	र	ना
रा		ह	र		मो	ल		ब
ज			ज	ग	ह			ना
क	रा	मा	त		क	ल	श	

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी में कुम्हार समाज ने ईंट भट्ठों के खिलाफ खोला मोर्चा

अवैध ईंट भट्ठों के खिलाफ एसडीएम व तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में गैर-कुम्हार व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों के खिलाफ कुम्हार समाज ने अब संगठित विरोध शुरू कर दिया है। समाज के सदस्यों ने एसडीएम एवं तहसीलदार लांजी को एक ज्ञापन सौंपकर इन भट्टों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र के विभिन्न गांवों, कस्बों और टोलों में कुम्हार समाज के अलावा अन्य लोग धड़ल्ले से ईंट भट्टे चला रहे हैं, जो शासन के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। कुम्हार समाज का कहना है कि शासन के नियमानुसार केवल कुम्हार समाज के लोग ही ईंट निर्माण का व्यवसाय कर सकते हैं। अन्य व्यक्ति यदि स्वयं के उपयोग के लिए ईंट बनाते हैं तो अधिकतम 25 हजार ईंट तक सीमित हैं और उनका व्यापार नहीं कर सकते। लेकिन इन अवैध संचालकों द्वारा प्रतिवर्ष 1 से 2 लाख ईंट बनाकर बाजार में बेची जा रही हैं, जिससे कुम्हार समाज के पारंपरिक व्यवसाय को भारी नुकसान हो रहा है। ज्ञापन में आगे बताया गया कि इन भट्टा संचालकों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, खनिज विभाग और तहसील कार्यालय से कोई अनुमति नहीं ली है। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि शासन को राजस्व का भी भारी नुकसान हो रहा है। कुम्हार समाज ने मांग की है कि इन अवैध ईंट भट्टों पर सख्त कार्रवाई की जाए, बकाया राजस्व की वसूली की जाए और केवल शासन के नियमों के अनुसार ही संचालन की अनुमति दी जाए। समाज ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी भी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कुम्हार समाज संगठन लांजी द्वारा अवैध संचालकों के खिलाफ उग्र आंदोलन छेड़ दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने से पहले नगर के मंडई टेकरी स्थित मां काली मंदिर प्रांगण में कुम्हार समाज संगठन की एक सामाजिक बैठक आयोजित की गई, जहां इस मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इसके बाद संगठन के अध्यक्ष पवन कश्यप के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल तहसील कार्यालय पहुंचा और एसडीएम एवं तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से पवन सीतमलाल कश्यप (अध्यक्ष), पवन हरिशंकर कश्यप (उपाध्यक्ष), शिव कुमार कश्यप (सचिव), राम कश्यप, दिलीप प्रजापति, संतोष कश्यप, भुनेश कश्यप, वीरेंद्र कश्यप, कोया कश्यप, निखिल प्रजापति, धनंजय कश्यप, रमन प्रजापति, किशोर प्रजापति, मनीष कश्यप, लोकेश पाटर, सनी कश्यप, दिनेश प्रजापति, रमेश प्रजापति, श्रवण प्रजापति, डीलेश्वर कश्यप, कृष्ण कुमार कश्यप, सौरभ कश्यप, मिथुन कश्यप, शंकर कश्यप, अश्विनी कश्यप सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

बोरड़ी में ओपन कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

क्रीडा मण्डल बंधगांव महाराष्ट्र ने मरार टोला महाराष्ट्र को हराकर जीता प्रथम पुरस्कार

पद्मेश न्यूज। लांजी। मकर संक्रांत के पावन अवसर पर विगत कई वर्षो से ग्राम बोरड़ी में क्षेत्र की प्रसिद्ध ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन न्यू आजाद क्लब बोरड़ी के द्वारा किया जाता आ रहा है। इस वर्ष भी इसी परंपरा को जारी रखते हुये मकर संक्रात के पावन अवसर पर 13 एवं 14 जनवरी को ओपन कबड्डी प्रतियोगिता माँ शीतला माता मंदिर प्रांगण मे आयोजित की गई जिसमें क्षेत्रीय सहित पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ की कबड्डी टीमो ने प्रतिभागिता की गई। प्रतियोगिता का समापन 14 जनवरी को विधायक राजकुमार करहिे एवं पूर्व विधायक रमेश भटेरे के मुख्यातिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विजय मस्करे, खेमराज मच्छिरके, सुखमत धनराज चौधरी, चैतराम महिश्वरे, धर्मभूषण बनौठे, सुभाष सहारे, सुखदास मण्डले, विलास चौरे, रमेश लिल्हारे, ओमप्रकाश सोमनकर, दौलत चौधरी, मोतीदास लिल्हारे, एस के मडामे सहित अन्य आमंत्रित अतिथियो की उपस्थिती में किया गया। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार करहिे एवं रमेश भटेरे के द्वारा टॉस करवाया गया जहां कबड्डी टीमो ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुये क्रीडा मण्डल बंधगांव महाराष्ट्र ने मरार टोला महाराष्ट्र को हराकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाकर प्रतियोगिता की विजेता बनी जहां आयोजन समिति के द्वारा तथा उक्त अतिथियो के हस्ते प्रथम पुरस्कार 10 हजार रूपये तथा उपविजेता मरार टोला महाराष्ट्र को 5 हजार रूपये तथा तृतीय पुरस्कार बापड़ी टीम को 3 हजार रूपये प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम के अध्यक्ष शिवराम रतोने,पुरनलाल लिल्हारे, तीरथ दास लिल्हारे, भरतलाल बागड़े, धनराज नोगड़े, दिनेश बागड़े, मोतीदास लिल्हारे, सहदेव सोलंकी, ताराचंद लिल्हारे, टेकदास लिल्हारे सहित अन्य सदस्यो एवं ग्रामीण के सहयोग से उक्त प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता को लेकर विधायक राजकुमार करहिे एवं पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने भरपुर प्रशंसा करते हुये कहा कि ग्राम बोरड़ी के न्यू आजाद क्लब के द्वारा विगत 26 वर्षो से परपंरानुसार इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जो कि प्रशंसनीय है। आपके द्वारा विजेता एवं उपविजेता सहित सभी टीमों प्रतियोगिता में सहभागिता के लिये बधाई प्रेषित की गई। सभी खिलाड़ियो के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। आयोजन समिति के द्वारा आमंत्रित सभी अतिथियों, सहयोग कर्ताओ एवं प्रदेश सहित महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ राज्यो से आई टीमो का तथा ग्राम वासियों का आभार व्यक्त कर धन्यवार प्रेषित करते हुये अग्रिम वर्ष के लिये भी टीमों का आमंत्रित किया। कबड्डी प्रतियोगिता के समापन के पश्चात ग्राम मे मण्डई मेले का आयोजन हुआ जहां रात्रि कालीन छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच की प्रस्तुती की गई जिसका ग्रामीणो ने भरपूर आनंद प्राप्त किया।

आजीविका मिशन की दीदियों ने किया पतंग महोत्सव का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। आजीविका मिशन समूह की दीदीयों के द्वारा हमेशा से क्षेत्र में नवाचार को बढावा दिया गया है। साथ ही इन समूहों के द्वारा अपने अपने ग्रामो में ऐसे ऐसे कार्य किये गये है जो कि आज महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बन चुका है। और समूह की दीदीयों ने बता दिया है। इसके अतिरिक्त समूह की दीदीयाॅ हमारी संस्कृति परंपराओ को भी जीवित रखते हुये अपने ग्रामो, क्षेत्रो में त्यौहारों पर भी उत्कृष्ट आयोजन कर प्रत्येक त्यौहार मनाती आ रही है। इसी त्यौहारों की कड़ी साल का पहला सबसे बड़ा पर्व मकर संक्रांत जहां सुर्य देव उत्तरायण होते है। इसी पर्व पर देश विदेश में पतंग महोत्सव का उमदा आयोजन होता। इसी पतंग महोत्सव का आजीविका मिशन के सहयोग से समूह की दीदीयों के द्वारा क्षेत्र के प्रसिद्ध वारी मेले में आयोजन किया गया जहां दीदीयों ने अपने हाथों से पतंगे बनाई, तथा आकाश में उडाते हुये पतंग महोत्सव का भरपूर आनंद प्राप्त किया। पतंग बाजी के इस आयोजन को लेकर निश्चित तौर पर समूह की दीदीयों को अपना बचपन याद आ गया। बतादे कि मकर संक्रांत पर्व पर प्रत्येक घरो में तील गुड़ सहित अनेको साग पकवान व्यंजन बनाये जाते है तथा महाराष्ट्र में कहावत भी तील गुड घ्या गोड़- गोड़ बोला, इसी कहावत को चरिताथ करते हुये समूह की दीदीयों के द्वारा घरो तील से बनु लड्डू बरफी, तील पापड़ी आदि लाकर एक दुसरे को खिलाया गया तथा देश की संस्कृति का परिचय दिया गया। वहीं समूह की दीदीयों के द्वारा वारी मेले में कुछ दुकाने भी लगाई गई जिसमे पर्स की दुकान, कैन्टीन, मनीहारी, सहित अनेको दुकाने जो कि दीदीयों के द्वारा स्वयं सामग्री तैयार कर उनकी दुकाने मेले में लगाई गई। समूह की दीदीयों के द्वारा सभी संकुल स्तरीय संगठनों के मध्य पतंगबाजी एवं तील गुड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त संपूर्ण कार्यक्रम में आजीविका मिशन के पदाधिकारियों, कर्मचारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ जिनके मार्गदर्शन से कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन किया गया। इस दौरान आजीविका मिशन विकास खण्ड प्रबंधक राजाराम परते, सहायक प्रबंधक सुनीता चन्ने,अतीत फुलमारी, कुशन मटाले, दीपेन्द्र रंगारे, निकुंज इनव सहित ग्राम संगठन से दीदीयाॅ उपस्थित रही।

एसडीएम ने किया धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण

किसानों से चर्चा कर जानी समस्याएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगभग सभी धान खरीदी केन्द्रो में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अंतिम चरणो मे है। कुछ ही किसान क्षेत्र में बचे होंगे जिनकी धान खरीदी की जानी है जो कि आगामी 20 जनवरी तक ही अपनी धान समर्थन मूल्य पर विक्री कर सकते है। 20 जनवरी के बाद धान खरीदी बंद हो जायेगी। इन्ही अंतिम चरणो में व्यवस्थाओं का जायेजा लेने केन्द्रो का निरीक्षण करने लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार धान खरीदी केन्द्रो का निरीक्षण कर रहे है। जिसके तहत वे 15 जनवरी को मोहझरी धान खरीदी केन्द्र में पंहुचकर केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने धान उपार्जन की वर्तमान स्थिति, किसानों को दी जा रही सुविधाओं, तौल प्रक्रिया, स्लॉट बुकिंग व्यवस्था तथा अभिलेखों की गहनता से समीक्षा की।

निरीक्षण के समय केंद्र में मौजूद किसानों से चर्चा कर एसडीएम ने उनकी समस्याओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहां कि शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी का कार्य शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वर्तमान में कुछ केंद्रों पर बारदाना (बोरियों) की कमी की समस्या सामने आई है। साथ ही परिवहन एवं भंडारण को लेकर भी कुछ व्यावहारिक कठिनाइयाँ हैं, जिनके समाधान हेतु संबंधित एजेंसियों से समन्वय कर प्रक्रिया जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समस्या अस्थायी है और शीघ्र ही इसका निराकरण कर लिया जाएगा।

इनका कहना है

धान खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के पश्चात एसडीएम कमल चंद सिंहसार से चर्चा की गई तो आपने बताया कि विगत दो दिनों से धान खरीदी केंद्र प्रभारियों द्वारा बारदाना की अत्यधिक कमी की जानकारी दी जा रही है। बारदाना सप्लायर से सतत संपर्क में हैं और जल्द ही सभी केंद्रों में पर्याप्त बारदाना उपलब्ध कराया जाएगा। जिन केंद्रों में कमी है, वहां निकटवर्ती धान खरीदी केंद्रों से बारदाना उपलब्ध कराकर खरीदी कार्य निरंतर जारी रखा जाएगा।

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ग्राम मोहझरी धान खरीदी केंद्र में स्लॉट बुकिंग कराने वाले किसानों की संख्या अधिक रही है, जिससे धान खरीदी की मात्रा में वृद्धि हुई है। परिवहन को लेकर फिलहाल कोई गंभीर समस्या नहीं है। एफसीआई द्वारा जिला स्तर पर भंडारण क्षमता को लेकर बैठक भी आयोजित की गई है, जिससे पर्याप्त स्थान की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी।

एसडीएम ने केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि किसानों के साथ समन्वय बनाए रखें तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि धान खरीदी के अंतिम चरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमलचंद सिंहसार
अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
लांजी

भारत माता पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर

बालिकाओं के अधिकारों और सुरक्षा पर विशेष फोकस

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर की कार्य योजना के तहत तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के न्यायाधीश/सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में 15 जनवरी 2026 को भारत माता पब्लिक स्कूल, लांजी में एक विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रीतम शाह, न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, व्यवहार न्यायालय तहसील विधिक सेवा समिति लांजी ने छात्रों को राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने घटते लिंग अनुपात, लैंगिक समानता के महत्व, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, पास्को एक्ट (बालकों का यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम), शिक्षा एवं स्वास्थ्य में बच्चों के अधिकार, साइबर क्राइम तथा किशोर न्याय अधिनियम जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। शिविर का उद्देश्य युवा पीढ़ी को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना था, ताकि वे सुरक्षित और समान समाज का निर्माण कर सकें। कार्यक्रम में विधिक जागरूकता के साथ-साथ स्कूल कैंपस में फन एंड फूड एक्टिविटीज़ और एक साइंस एग्जिबिशन भी आयोजित किया गया। श्रीमान प्रीतम शाह ने एग्जिबिशन का निरीक्षण किया और छात्रों को उनकी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच तथा नवाचारी विचारों को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए। यह शिविर समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर बच्चों और बालिकाओं को विधिक सहायता एवं जागरूकता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। मध्य प्रदेश विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, जो समाज में कानून के प्रति विश्वास बढ़ाने और अधिकारों की रक्षा में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने इस आयोजन की सराहना की और आशा व्यक्त की कि ऐसे शिविर भविष्य में भी जारी रहेंगे।

गुजरी सब्जी मंडी में बने शौचालय साफ सफाई के अभाव में बजबजा रहीं गंदगी

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद द्वारा सालेटेकरी मार्ग स्थित फुले सब्जी मंडी में व्यापारियों और आने-जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए लाखों रुपये खर्च कर महिला एवं पुरुषों के लिए 6 कमरों का आधुनिक मूत्रालय एवं शौचालय ब्लॉक का निर्माण किया गया था। यह सुविधा मंडी में आने वाले सैकड़ों लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होनी चाहिए थी, लेकिन पर्याप्त सफाई के अभाव में यहां गंदगी फैली हुई है और बदबू से हालात बदतर हो गए हैं। फुले सब्जी मंडी संघ के सदस्यों ने बताया कि वे समय-समय पर नगर परिषद को शौचालय की सफाई संबंधी शिकायतें दर्ज कराते रहे हैं। शिकायत मिलने पर कभी-कभार सफाई कर्मचारी भेजकर साफ-सफाई कराई जाती है, लेकिन नियमित सफाई नहीं होती। मंडी संघ के अनुसार, नगर परिषद ने यहां नियमित सफाई कर्मचारी की नियुक्ति भी की है, फिर भी उदासीनता के कारण व्यवस्था धराशायी पड़ी है। व्यापारियों का कहना है कि लाखों की लागत से बने इस शौचालय ब्लॉक का उपयोग अब मुश्किल हो रहा है। गंदगी के कारण लोग परेशान हैं और स्वास्थ्य को खतरा भी मंडरा रहा है। सब्जी मंडी के कारोबारियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मांग की है कि शौचालय की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि सुविधा का वास्तविक लाभ मिल सके। स्थानीय लोगों और व्यापारियों की शिकायत है कि ऐसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा को बनाकर छोड़ देने से बेहतर है कि उसकी देखभाल और रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। नगर परिषद से जल्द कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि फुले सब्जी मंडी में स्वच्छता बहाल हो सके।

नन्सरी दो मुहान त्रिवेणी संगम में मकर संक्रांति पर दो दिवसीय भव्य मेला संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवलगांव से सटे महाराष्ट्र सीमा पर स्थित ग्राम नन्सरी के प्रसिद्ध दो मुहान त्रिवेणी संगम घाट पर मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 14 एवं 15 जनवरी को दो दिवसीय वृहद मेला श्रद्धा, उल्लास एवं आस्था के साथ पूर्ण हुआ। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु, दर्शनार्थी एवं पर्यटक संगम तट पर पहुंचे और पवित्र स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। यह स्थान अपनी अनुपम विशेषता के लिए जाना जाता है, जहां बड़ी बाघ नदी, छोटी बाघ नदी एवं वारीधाम की ओर से आने वाली झरन नदी का त्रिवेणी संगम होता है। धार्मिक मान्यताओं एवं पुराणों के अनुसार तीन नदियों का ऐसा संगम अत्यंत पवित्र माना जाता है तथा यहां स्नान से पुण्य लाभ की प्राप्ति होती है। विगत कई वर्षों से यहां पारंपरिक रूप से मकर संक्रांति पर यह मेला आयोजित किया जाता रहा है। 14 जनवरी को प्रात:काल से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों ने विधि-विधान से संगम में स्नान किया, पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। दिनभर मेले में चहल-पहल बनी रही। रात्रि में छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 15 जनवरी को भी मेले का उत्साह जारी रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक घाट पर पहुंचे। कई परिवारों ने संगम तट के समीप पिकनिक मनाई, भोजन तैयार किया और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों में खास उत्साह दिखाई दिया। मेले में लगी अस्थाई दुकानों, खिलौनों एवं खान-पान के स्टॉलों पर जबरदस्त भीड़ रही। बच्चों एवं युवाओं ने पारंपरिक पतंगबाजी का भी जमकर आनंद लिया।

यात्री बस की चपेट में आई बाइक

बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम करीब 06 बजे के आस-पास कटंगी से सिवनी की ओर जा रही यात्री बस और विपरीत दिशा से आ रही बाइक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर नहलेसरा की ओर जाने वाले रास्ते के पास मोड़ाई पर हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक चालक ने लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाते हुए सीधे बस को टक्कर मार दी। बस चालक ने इस हादसा को रोकने की हरसंभव कोशिश की किंतु सफल नहीं हो पाया और बाइक बस के नीचे बाई ओर के टायर में आकर समा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार उछलकर सड़क के किनारे जाकर गिर गए। सड़क हादसे के बाद बस चालक और परिचालक दोनों ही मौके से फरार हो गए और चंद मिनट में ही घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही डायॅल 112 मौके पर पहुंची। आरक्षक मनोज पटेल ने घायलों को डॉयल 112 से नजदीक के सरकारी अस्पताल कटंगी पहुंचाया। जहां घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। मिली जानकारी अनुसार अरी रोड़ वेज की यात्री बस क्रमांक एमपी 22 जेडएफ 9263 से बाइक क्रमांक एमपी 50 जेडजी 7753 की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार निकेश तामेश्वर और एवन तामेश्वर दोनों निवासी अंसेरा गंभीर रूप से घायल हुए है। बताया जा रहा है कि दोनों ही युवक अपने परिवार के लोगों के साथ अंबा माई धाम आए हुए थे। दर्शन के बाद परिजन घर चले गए थे और यह दोनों युवक जन्मदिन की पार्टी के लिए चले गए थे। शाम करीब 06 बजे अंसेरा की ओर लौट रहे थे और हादसे का शिकार हो गए। हादसे के बाद बस में सवार सभी यात्रियों में हड़कंप मच गया। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर बस एंजेट घटनास्थल पर पहुंचने। उन्होंने सभी यात्रियों को विश्वास में लिया और अन्य एक यात्री बस के जरिए यात्रियों को सिवनी की ओर रवाना किया गया। वहीं यात्री बस और बाइक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस घटना की शिकायत मिलने पर जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 जनवरी को करेंगे लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरण

बालाघाट जिले की 3.44 लाख बहनों को मिलेंगे 50.12 करोड़ रुपये

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 16 जनवरी को नर्मदापुरम जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहना योजना की राशि हितग्राही महिलाओं के खातों में अंतरित करेंगे। इस अवसर पर बालाघाट जिले की 3 लाख 44 हजार 172 लाड़ली बहनों को जनवरी माह की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। जिले की लाड़ली बहनों के खातों में कुल 50 करोड़ 12 लाख रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाड़ली बहन को 1500 रुपये की राशि प्राप्त होगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने बताया कि लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी पहल है। इस योजना से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपनी पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ आत्मनिर्भर बन रही हैं।

प्रशासन ने बताया कि राशि का अंतरण प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और लाभ सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुंचेगा।

लाड़ली बहना योजना के माध्यम से प्रदेश सहित बालाघाट जिले की महिलाओं को निरंतर आर्थिक संबल मिल रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

वारी में जारी पंचायती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत वारी में 6 जनवरी से 15 जनवरी तक आयोजित पंचायती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन वारी वारियर्य क्रिकेट क्लब वारी के द्वारा आयोजित किया गया तथा जिसका अंतिम मुकाबला 15 जनवरी को भानेगांव ईलेवन स्टार एवं यंग स्टार वारी के मध्य खेला गया जहां भानेगांव ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुये आसानी यंग स्टार वारी को हराकर प्रतियोगिता की सिरमौर बनी।

रानी स्टेडियम, वारी में खेले गए इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वारी यंग स्टार ने निर्धारित 7 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर मात्र 31 रन ही बना सकी और भानेगांव इलेवन स्टार को 32 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भानेगांव इलेवन स्टार की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तीसरे ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबले में आसान जीत दर्ज की।

यह प्रतियोगिता वारी वारियर्स क्रिकेट क्लब वारी के तत्वावधान में स्व. शिव भाई बिसेन एवं स्व. दिनेश भाई मातरे की स्मृति में आयोजित की गई। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, अजय अवसरे (उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत लांजी), देवेंद्र खोंगल (पूर्व जनपद अध्यक्ष) तथा ऋषि पटेल (सरपंच, वारी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीना सुधीर दशरिया, उपसरपंच मन्नूलाल आचरे, झनकलाल कावरे, रेखलाल कावरे मुख्य संरक्षक वारी मंदिर, डॉ. सुधीर दशरिया, दिलीप जामरे, महारूदास मातरे, दयालाल उइके, शिवराम खरे, अमरनाथ पटले, धनीराम इनवाती, रामदास खरे, मनीराम मातरे, धनराज मराठे, सरवन बिसेन, बारेलाल चौधरी, टीसी पांचे, सुनऊ खरे सहित अनेक, गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. अमर जामरे एवं समस्त समिति सदस्यों तथा संरक्षण मंडल डॉ. धर्मभूषण बनौठे, विश्वनाथ किरमे, नारायण पन्द्रे के सहयोग से प्रतियोगिता का सफल संचालन किया गया। आयोजन समिति ने समस्त अतिथियों, खिलाड़ियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया है।

किरनापुर मे आज से ऑल इंडिया वालीबॉल टूर्नामेंट का भव्य आगाज़

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब किरनापुर के तत्वावधान मे किरनापुर महोत्सव का तीन दिवसीय वालीबॉल टूर्नामेंट का भव्य आगाज़ आज शुक्रवार 16 जनवरी 2026 से किया जा रहा हैं। इस टूर्नामेंट आयोजन को लेकर आयोजक समिति द्वारा संपूर्ण तैयारियां पूर्ण की जा रही है।वही इस दौरान टूर्नामेंट मे देश के विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध टीमे शामिल हो रही हैं। इस संबंध मे टूर्नामेंट समिति उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने जानकारी मे बताया कि ऑल इंडिया वालीबॉल

टूर्नामेंट विगत 23 वर्षों से सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब के तत्वावधान मे किरनापुर महोत्सव के रूप मे मनाया जाता हैं।इस टूर्नामेंट को सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने मे सभी ग्रामवासियों का अमूल्यनीय सहयोग मिलता है। जिसके कारण अनवरत 23 सालों से टूर्नामेंट हो रहा है। और वर्ष 2026 मे 16,17 एवं 18 जनवरी 2026 को तीन दिवसीय वालीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए बजट की व्यवस्था, खिलाडियों के लिए मैदान, आवास एवं भोजन व्यवस्था सुचारू रूप से सम्पन्न की जाती है। देश के विभिन्न 14 राज्यों से टीमें इस टूर्नामेंट मे शामिल होते रही है और इस मर्तबा भी 12 से 13 टीमें अलग अलग राज्यों से पहुंच रही है। जिसके लिए भाई संजू चौधरी और अजय मर्सकोले लगातार टीमों से संपर्क कर रहे हैं। मैदान मे इस अवसर पर तैयारियों का जायजा लेने के दौरान टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ नन्हें बहेकार, उपाध्यक्ष मुकेश चौहान,सचिव शिव तारन, कोषाध्यक्ष संजय चौधरी,आर पी श्रीवास्तव, लखन यादव, डी डी मेश्राम,मंगल प्रसाद रैकवार, जे.पी.रामटेके,अजय मर्सकोले, मोनू अली,कमलेश चौधरी, चंद्रप्रकाश राहंगडाले,अनिल चापेकर, बंटी अर्जुनवार,अंकुश पचभैया, राकेश बोरकर, अहद ताजर, शुभम शेंडे,दीपक भालाधरे, सुमित रहेकवार, अंकुश गोस्वामी,पीयूष शर्मा, अमोल पचभैया सहित अनेक सदस्यगण एवं वालीबॉल खिलाड़ियों की मौजूदगी रही।

मकर संक्रांति पर गांगुलपारा जलाशय में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता, नौका विहार का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रति वर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी बालाघाट विकासखंड अंतर्गत गांगुलपारा जलाशय के समीप जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं अनुपमा एजुकेशन सोसायटी के सहयोग से, प्रकतम ग्राम पर्यटन विकास समिति केरा एवं ग्राम पंचायत टेकाड़ी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना रहा। इसी कड़ी में पिपरटोला छोटी झील में पर्यटकों के आकर्षण हेतु नौका विहार (बोटिंग) की भी शुरुआत की गई, जिससे क्षेत्र में पर्यटन संभावनाओं को नया आयाम मिला है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजा लिल्हारे रहे। इस अवसर पर श्रीमती भूमि गेडाम (समन्वयक), अनुपमा एजुकेशन सोसायटी के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। इन 16 टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों के बाद प्रथम स्थान सोशल क्लब ';' ने प्राप्त किया जिन्हे 07 हजार रुपए की राशि एवं प्रमाण पत्र के साथ पुरुस्कृत किया गया। इसी के साथ द्वितीय स्थान सोशल क्लब 'भाई' ने प्राप्त किया जिन्हें 4500 रुपए की राशि पुरुस्कार के रूप में प्रदान की गई तथा तृतीय स्थान जयभारत, गोंडिटोला ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन की सराहना की गई। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यटन और स्थानीय विकास को भी गति देते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे, जिससे आयोजन सफल एवं यादगार बन गया।

कांद्रीखुर्द का ग्राम पंचायत भवन हो गया जर्जर

पदमेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कांद्रीखुर्द भवन अत्यंत जर्जर हो चुका है, भवन की दीवारों पर जगह-जगह क्रेक आ चुके है। तो वंही बारिश में भवन की छत से लगातार पानी टपकता है जिससे पंचायत में जनसुनवाई और बैठक कार्य प्रभावित होते है। जीर्ण - शीर्ण जोखिमपूर्ण पंचायत में कामकाज करना कर्मचारियों एवं ग्रामीण नागरिकों के लिए खतरे से खाली नहीं है। कभी भी गंभीर दुर्घटना होने का खतरा मंडराते रहता है।ग्राम पंचायत कांद्रीखुर्द के ग्रामीणों ने बताया कि यह भवन अत्यंत अंदर से जर्जर है। बारिश के समय छत से लगातार पानी टपकता है ,दीवारों पर जगह-जगह क्रेक है। ग्राम पंचायत भवन निर्माण वर्ष 2009 हुआ है। भवन निर्माण अत्यंत कमजोर होने के कारण भवन जगह-जगह से घटिया निर्माण की पोल खोल रहा है। ग्राम पंचायत भवन के जर्जर होने का मतलब है कि इमारत टूटी-फूटी पुरानी होने से वे रहने लायक नहीं है।ब्रेक बर्ड ग्रांड फंड की राशि से भवन निर्माण लोकार्पण वर्ष् 12/12/ 2009 में हुआ था। जर्जर भवन होने के कारण ग्रामीणजनो द्वारा शासन प्रशासन से नई पंचायत भवन की मांग ग्राम कांद्रीखुर्द को प्रदाय किए जाने की मांग की गई है ।

नेशनल प्रतियोगिता में भरवेली के 4 कराते खिलाड़ी ब्लैक ब्लैट से सम्मानित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। हाल ही नगर में सम्पन्न हुई नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में भरवेली क्षेत्र के कराते खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए।आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाडियों ने 9 स्वर्ण, 3 रजत

और 1 कांस्य पदक जीतकर न केवल जिले का, बल्कि क्षेत्र का भी नाम रोशन किया।स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में तनुश्री पनारिया, मिली चक्रवर्ती, साधना रावते, वंशी उइके, पलक कुशराम, उज्ज्वल धोमने, दक्ष गुप्ता, केतन मरकाम, सत्यम विश्वकर्मा के नाम का शमावेश है तो वही सिया काटरे, सोनाली कठौते,आदित्य मरथे, ने इस प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया है।इनके अलावा अदिति ठवरे ने कांस्य पदक हासिल कर जिले का नाम बढाया है।बताया गया कि बीती शाम आयोजित एक कार्यक्रम में भरवेली कराते क्लास के चार खिलाडय़ियों के 4 खिलाड़ी, सिया कटरे, शौर्यजीत दीप, आदर्श बिसेन, और अथर्व बहेकर को ब्लैक बेल्ट से सम्मानित किया गया। यह उनके लगातार अभ्यास और अनुशासन का परिणाम है।खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने सभी खिलाडय़िों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीते 14 स्वर्ण पदक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में प्रथम बार गुरुकुल कराते एकेडमी बालाघाट एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजन समिति के मार्गदर्शन में प्रथम ओपन राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन 11 एवं 12 जनवरी को वेध लॉन, बालाघाट में किया गया। इस प्रतियोगिता में उड़ीसा, झारखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश सहित कुल पांच राज्यों के लगभग 375 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन, मार्गदर्शन एवं पुरस्कार वितरण हेतु मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, किरणभाई

त्रिवेदी, उपाध्यक्ष योगेंद्र बिसेन, गजेंद्र भारद्वाज, रमाकांत डहाके सहित नगर पालिका बालाघाट के पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के संयोजक झनेंद्र कटरे रहे।

खेल और युवा कल्याण विभाग के कराते प्रशिक्षक सजिंद्र कृष्णन ने बताया कि ओपन राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता में जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र मुलना स्टेडियम के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण, 1 रजत एवं 3 कांस्य पदक प्राप्त किए है। इस उपलब्धि के साथ बालाघाट, मध्य प्रदेश की टीम ने सर्वाधिक स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता खिलाडय़िों में शिवाय वासनिक, सीरत भगत, अविका बघेल, मानस अविनाशी, सत्यम बर्वे, वेदांत बोडबे, अद्विक बोपचे, उन्नति मारबद, सैयद आहिल अली, मेघ बिसेन, दिव्यांशी बिसेन हुसैन, आदित्य राणा, ध्रुवांक असाटी एवं सवेरश जजपाले शामिल रहे। तिव्शा सोमनकर ने रजत पदक तथा उर्वित बघेल, आदित्य राणा एवं अन्वी बघेले ने कांस्य पदक अर्जित किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, शैलेंद्र यादव, ओहिल्या कन्हार, कमल तिलासे, श्री ओमप्रकाश दमाहे, एबी फिटनेस से अजय ठाकुर, श्रद्धा भागडकर, प्रणय लांजेवार, राधिका डोंगरे, लक्की मंडावी, आशीष बाघ एवं राकेश वरकडे ने अपनी उपस्थिति देकर खिलाडय़िों का उत्साह बढ़ाया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा द्वारा खेल और युवा कल्याण विभाग के कराते प्रशिक्षक सजिंद्र कृष्णन एवं सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर बालाघाट खेल संघ के पदाधिकारी, समस्त खेल शिक्षक, पीटीआई एवं खेल विभाग के कर्मचारियों ने भी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है।

उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के एनसीसी कैडेट्स ने मनाया आर्मी दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर की एनसीसी इकाई के कैडेट्स द्वारा 15 जनवरी आर्मी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के एनसीसी प्रभारी नवजीत सिंह परिहार ने बताया कि एनसीसी कैडेट्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन एयर फोर्स के स्क्वार्डन लीडर आर बी प्रशान्त (सेवानिवृत्त) कैडेट्स के बीच उपस्थित रहे वही साथ में विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती कंचन प्रशांत सदस्य महिला आयोग दिल्ली उपस्थित रही। कार्यक्रम में उद्बोधन के दौरान मुख्य अतिथि स्क्वार्डन लीडर प्रशांत ने कैडेट्स को भारतीय सेना की तीनों विंग की जानकारी दी वही कैडेट्स के सवालों के जवाब भी दिए। इसके साथ ही श्रीमती कंचन प्रशांत ने छात्राओं के अधिकार एवं महिला सुरक्षा की जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य आलोक चौरे एवं विद्यालय एनसीसी परिवार की ओर से अतिथियों को आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

विदर्भ केशरी बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता में नांदी के राजा और बादशाह ने मारी बाज़ी

यवतमाल सिवनी बालाघाट गोंदिया भंडारा जिला में बालाघाट अव्वल

पद्मेश न्यूज। नांदी। विदर्भ क्षेत्र की प्रसिद्ध विदर्भ केशरी बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता इस बार खास आकर्षण का केंद्र रही।

नववर्ष ओर मकर संक्रांति के अवसर पर महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के तिरोडा तहसील के बोदलकशा गांव में विदर्भ क्षेत्र की प्रतिष्ठित विदर्भ केसरी बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता इस वर्ष जबरदस्त मुकाबलों की साक्षी बनी.पारंपरिक ग्रामीण खेलों की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में बालाघाट के नांदी गांव की बैल जोड़ी राजा और बादशाह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाज़ी मार ली और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में विदर्भ के विभिन्न जिलों से दर्जनों नामी बैल जोड़ों ने हिस्सा लिया। तेज़ रफ्तार, संतुलन और मालिक की बेहतरीन तैयारी का अद्भुत संगम देखने को मिला। शुरुआती चरण से ही नांदी की जोड़ी राजा और बादशाह ने अपनी ताकत और तालमेल से अन्य जोड़ों को पीछे छोड़ दिया।

फाइनल पट मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दर्शकों की भारी भीड़ तालियों और जयघोष के साथ बैलों का उत्साह बढ़ाती नजर आई। निर्णायक पट में राजा और बादशाह ने सधे हुए कदमों और बेहतरीन नियंत्रण के साथ निर्धारित दूरी सबसे कम समय में पूरी कर निर्णायकों को प्रभावित किया और विजेता घोषित किए गए।

आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण संस्कृति, पशुपालन और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना है। विजेता बैल जोड़ी को विदर्भ केशरी बैल जोड़ी पट का खिताब, ट्रॉफी, नकद पुरस्कार और सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

नांदी गांव सहित क्षेत्र के पट प्रेमियों में इस जीत को लेकर खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने बैल मालिक बसंत रियायत और संजय बर्वेकर और प्रशिक्षक को बधाइयां देते हुए कहा कि राजा और बादशाह की यह जीत पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। यह प्रतियोगिता साबित करती है कि आज भी ग्रामीण भारत की परंपराएं और खेल जीवंत हैं और नई पीढ़ी को उनसे जोड़ रही हैं। यह पट प्रतियोगिता 11 जनवरी से शुरू हुई थी जिसका फाइनल 14 जनवरी को हुआ इस प्रतियोगिता में दिनांक 11 व 12 जनवरी को प्रवेश शुल्क 2500 एवं 13 जनवरी को 2800 थी वहीं प्रथम इनाम 1 लाख रुपए तथा द्वितीय इनाम 70 हजार तृतीय 45 हजार था.

इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के नांदी गांव की बैल जोड़ी राजा और बादशाह ने अपनी तालमेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बैल जोड़ी पट पर कब्ज़ा जमाया और दर्शकों का दिल जीत लिया नांदी की राजा ओर बादशाह बैल जोड़ी ने इस पट में प्रथम स्थान पाकर 1 लाख रुपए की जीत अपने मालिक को सौंपी।

प्रतियोगिता के दौरान दूर-दराज़ से आए नामचीन जोडय़िों ने पट दान में दमखम आजमाया। शुरुआती दौर से ही नांदी की राजा और बादशाह की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन दिखाया। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में राजा और बादशाह ने अपने विरोधियों को कड़े संघर्ष के बाद परास्त किया।

फाइनल मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा। पट दान तालियों और जयकारों से गूंज उठा। निर्णायकों ने नियमों के अनुरूप मुकाबले को परखा और अंततः नांदी की जोड़ी को विजेता घोषित किया। जीत की घोषणा होते ही समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

विजेता जोड़ी मालिक बसंत रियायत को बैल जोड़ी पट नकद पुरस्कार और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपविजेता और अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जोड़ी मालिकों को भी पुरस्कृत किया गया।

गांव और क्षेत्र के पट प्रेमियों ने राजा और बादशाह की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और जोड़ी मालक को भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस पट प्रतियोगिता में जोड़ी मालक बसंत रियायत और संजय बर्वेकर को पट प्रेमी अरुण राहंगडाले, थानसिंह गौतम,अनिल परिहार,अरुण सेलोकर,गणेश सोनवाने,संजय ऊके सहित अन्य ने बधाई दी.

अमेरिका के खिलाफ जीत के लिए भारत को बहाना पड़ा पसीना, गेंदबाजों के बाद चमके अभिज्ञान कुंडू

बुलावायो । भारतीय अंडर-19 टीम ने विश्व कप में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। भारत ने बारिश से बाधित मुकाबले में अमेरिका को छह विकेट से हराया। अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 35.2 ओवर में 107 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करने जब भारत उतरा तो मैच में बारिश ने खलल डाली जिस कारण मैच काफी देर तक रुका रहा। मैच दोबारा शुरू होने पर ओवर में कटौती की गई। भारत को 37 ओवर में 96 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। भारत ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 99 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

भारत की अच्छी नहीं रही शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत ने विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का विकेट जल्द गंवा दिया। वैभव दो रन बनाकर आउट हुए। वैभव के आउट होने के बाद बारिश ने मैच में बाधा डाली। पहले खराब रोशनी के कारण मैच को रोकना पड़ा और फिर बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू होने में देरी हुई। मैच शुरू होने पर भारत ने जल्द ही वेदांत त्रिवेदी का विकेट गंवा दिया जो दो रन बनाकर आउट हुए। फिर कप्तान आयुष म्हात्रे भी 19 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हो गए।

अभिज्ञान कुंडू ने छक्के के साथ दिलाई जीत

भारत ने इस तरह 25 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे और टीम मुश्किल स्थिति में दिख रही थी। फिर विहान मल्होत्रा ने विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 43 गेंदों पर 45 रनों की साझेदारी हुई जिससे टीम का स्कोर 70 रन पहुंचा। लग रहा था कि ये दोनों बल्लेबाज ही मैच फिनिश कर देंगे, लेकिन कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव ने विहान को अपना शिकार बनाकर भारत को चौथा झटका दिया। विहान 17 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 18 रन बनाकर आउट हुए। विहान भले ही मैच फिनिश नहीं कर सके, लेकिन कुंडू ने यह काम किया। उन्होंने कनिष्क चौहान के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाई। कुंडू ने छक्का लगाकर जीत की औपचारिकता पूरी की। कुंडू 41 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 42 और कनिष्क 14 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। अमेरिका के लिए रित्विक अपिदी ने दो विकेट लिए, जबकि ऋषभ शिम्पी और उत्कर्ष को एक-एक विकेट मिला।

हेनिल पटेल ने अमेरिका को बड़ा स्कोर बनाने से रोका

इससे पहले भारत की ओर से तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने पांच विकेट झटके। वहीं, दीपेश देवेंद्रन, आरएस अम्ब्रिश, वैभव सूर्यवंशी और खिलन पटेल को एक-एक विकेट मिला। एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। अमेरिका की ओर से सात खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। इनमें से तीन खिलाड़ी कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव, ऋषभ शिम्पी और रित्विक अप्पीडी खाता तक नहीं खोल सके। अमरिंदर गिल एक रन, अमोघ अरेपेल्ली तीन रन, अदित कप्पा पांच रन, सबरीश प्रसाद सात रन बनाकर आउट हुए। वहीं, साहिल गर्ग और अर्जुन महेश ने 16-16 रन की पारी खेली। अदनित झाम्ब 18 रन और नीतीश सुदिनी 36 रन बनाकर आउट हुए।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन

नई दिल्ली । डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे।

एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे। है। नियमों के अनुसार किसी चोट या चिकित्सा छूट के अलावा शीर्ष खिलाड़ियों के लिए विश्व टूर 750, विश्व टूर 1000 प्रतियोगिता और वर्ल्ड टूर फाइनल्स में खेलना जरूरी है। नियमों में यह भी कहा गया है कि प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने की स्थिति में खिलाड़ी पर सामान्य स्थिति में टूर्नामेंट से देर से हटने पर लगने वाले जुर्माने से अधिक जुर्माना लगेगा। एंटोनसन ने इसमें राहत की अपील की थी लेकिन वैश्विक संचालन ने उनके अनुरोध को खारिज कर दिया था।

गुजरात जायंट्स के कोच क्लिंगर ने अपनी टीम का बचाव किया

नवी मुंबई । गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने माना है कि मुम्बई के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल मुकाबले में मिली हार के बाद भी उनकी टीम का हौंसला कम नहीं हुआ है और वह आगे के मुकाबलों के लिए तैयार है। क्लिंगर ने स्वीकार किया कि पिछले मैच में खराब फील्डिंग से भी उनकी टीम को टीम को नुकसान हुआ था। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में मुम्बई के खिलाफ मुकाबले के साथ ही पहली हार का सामना करना पड़ा हैं। टीम ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत के तीन बार कैच छोड़ जो उसे भारी पड़े। हरमनप्रीत ने इस मैच में नाबाद अर्धशतक

लगाया। क्लिंगर ने कहा कि टीम ने लगातार अच्छा खेला पर अंत में हालात बिगड़ गये। क्लिंगर ने मैच के बाद कहा, हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी फील्डिंग की पर आखिरी पांच-छह ओवरों में काफी कैच गिरे।

उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसी गलतियां महंगी होती हैं पर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। उन्होंने कहा, जब आप हरमनप्रीत जैसी अच्छी खिलाड़ी को तीन मौके देते हैं तो जीतना कठिन होता है पर हमारे प्रयास और ट्रेनिंग पर सवाल नहीं उठाये जा सकते। हमारी फील्डिंग कोच सारा टेलर और बाकी सभी कोचों के साथ खिलाड़ी काफी मेहनत कर रहे हैं।क्लिंगर ने कहा, प्रयास करने में कोई परेशानी नहीं है। जब आप अच्छे खिलाड़ियों को ड्रॉप करते हैं, कैच छोड़ते हैं, तो यह मुश्किल होता है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करते रहेंगे। हमने अपनी फील्डिंग पर बहुत कड़ी मेहनत की है और हमने दो अच्छे प्रदर्शन किए हैं, और शायद एक प्रदर्शन ऐसा रहा जो हमारे सर्वश्रेष्ठ स्तर का नहीं था।इससे पहले, गुजरात जायंट्स ने अपने बैटिंग ऑर्डर में एक टैक्टिकल बदलाव किया, जब ऑलराउंडर अनुष्का शर्मा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत में लगी हाथ की चोट के कारण बाहर हो गईं। अनुष्का के न होने पर, कनिका आहूजा को नंबर 3 पर प्रमोट किया गया, जो एक बड़ा बदलाव था क्योंकि उन्होंने पिछले मैच में नंबर 8 पर बैटिंग की थी और सीजन के पहले मैच में नहीं खेली थीं।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

सौराष्ट्र- रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब- अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

हमें अपने प्रदर्शन से विरोधी टीमों के मन में डर पैदा करना होगा - डोएशे

राजकोट। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा है कि टीम को अपने धमाकेदार प्रदर्शन से विरोधी टीम के मन में डर पैदा करना होगा। डोएशे ने ये बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 284 रन बनाने के बाद भी भारतीय टीम को मिली हार को देखते हुए कही है। इस मैच न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 285 रनों के मुश्किल लक्ष्य को भी तीन ओवर पहले ही हासिल कर लिया था। कीवी टीम के बल्लेबाजों डेरिल मिचेल ने नाबाद 131 और विल यंग ने 87 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। डोएशे ने कहा, 'हम हमेशा हर मैच जीतने का प्रयासा करते हैं, साथ ही टीम के मध्यम और दीर्घकालिक विकास पर भी ध्यान देते हैं पर हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि विदेशी टीमें हमारे मैदानों पर खेलने से पहले डरें।'

इंग्लैंड भविष्य में शायद ही खेले गुलाबी गेंद वाले दिन रात के टेस्ट

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भविष्य में ऑस्ट्रेलिया में पिंक बॉल वाले दिन-रात के टेस्ट नहीं खेलने पर विचार कर रही है। इसका कारण है कि हाल में समाप्त हुई एशेज सीरीज के पिंक बॉल वाले दिन-रात के टेस्ट में वह बुरी तरह से हारी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार एशेज के बाद की समीक्षा के दौरान ईसीबी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत में इंग्लैंड ने ये मामला उठाया था।

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक खेले गए 15 पिंक-बॉल टेस्ट में से 14 में जीत दर्ज की है। जिससे पता चलता है कि वह इस प्रारुप में हावी रही है। ऐस में अगर इंग्लैंड पिंक बॉल से आने वाले समय में टेस्ट खेलने से मना करता है तो दिन-रात के ये मैच एक प्रकार से बंद ही हो जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी और सीए के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के दौरान एशेज को भविष्य में एक प्रतिष्ठित (ब्लू-रिबन) सीरीज़ बनाए रखने पर आधारित थीं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड हालांकि साल 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने के अवसर पर मेलबर्न में एक पिंक-बॉल टेस्ट खेल सकते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि एक पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने सीए से कहा कि पिंक की जगह पर रेड-बॉल टेस्ट रखा जाये। वहीं इंग्लैंड 2029/30 की एशेज सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान दिन-रात के मैच का प्रस्ताव खारिज करने पर सहमत है। क्रिकेट खेलने के किसी भी प्रस्ताव को

ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले, इंग्लैंड ने अंतिम बार 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक दिन-रात का टेस्ट खेला था, जिसमें उसे 267 रनों से जीत मिली थी। इंग्लैंड ने साल 2015 में पिंक-बॉल टेस्ट की शुरुआत के बाद से ही अब तक 8 ऐसे टेस्ट खेले हैं, जिनमें से वह केवल 2 ही जीत पाया है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए सभी 4 डे/नाइट टेस्ट हारी है।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर अब केवल तीन विदेशी लीग ही खेल पायेंगे-एसीबी

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अपने एक फैसले में कहा है कि उसके खिलाड़ी अब केवल तीन अंतरराष्ट्रीय लीग ही खेल सकें। एसीबी ने ये फैसला इसलिए किया है जिससे कि खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम से खेलने के लिए उपलब्ध रहें। जिस प्रकार आजकर दुनियाभर में हो रही टी20 लीग के कारण वेस्टइंडीज सहित कई देशों के खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की भी उपेक्षा कर रहे हैं, उससे एसीबी पहले ही सतर्क हो गया है। एसीबी ने इसी को देखते हुए एक नई नीति बनायी है। जिसके तहत खिलाड़ी हर साल केवल तीन अंतराष्ट्रीय लीग में खेल सकेंगे। इसके अलावा वे बोर्ड की पांच टीमों वाली फ्रेंचाइजी-आधारित टी 20 लीग में भी खेलेंगे। ये लीग अक्टूबर 2026 में यूएई में शुरू होगी। इस फैसले का लक्ष्य खिलाड़ियों के काम के बोझ का बेहतर प्रबंधन करना है। साथ ही ये तय करना है कि देश के लिए खेलने को वे पहली प्राथमिकता दें। एसीबी ने कहा , खिलाड़ियों की फिटनेस और मानसिक सेहत की सुरक्षा के लिए, बोर्ड ने विदेशी लीग को लेकर एक नई नीति को मंजूरी दी है। अब खिलाड़ियों को अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) के साथ-साथ हर साल सिर्फ तीन और विदेशी लीग में हिस्सा लेने की अनुमति होगी। बैठक में एसीबी चेयरमैन मीरवाइस अशरफ, सीईओ नसीम खान सहित कई अन्य अधिकारी थे। इस फैसले से टीम के स्टार खिलाड़ी राशिद खान, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे खिलाड़ियों पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि ये दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में खेलते हैं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

राजकोट। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए

विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

टी20 विश्वकप के लिए वेस्टइंडीज बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों से संपर्क किया

जमैका। पिछले कुछ समय में वेस्टइडीज की टीम का प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में भी लगातार नीचे आया है। जिसको देखते हुए वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड अब एक बार फिर अनुभवी खिलाड़िकों को टी20 विश्वकप के लिए टीम से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। टी20 विश्वकप अगले माह भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करने के तहत ही बोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन से संपर्क कर संन्यास से वापसी की अपील की है हालांकि पूरन ने इंकार कर दिया। क्रिकेट निदेशक माइल्स बासकॉम्ब ने कहा कि पूरन अपने फैसले से संतुष्ट हैं और उन्होंने हाल ही में भी यही संकेत दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी नहीं करना चाहते। पूरन टी20 फॉर्मेट में वेस्टइंडीज के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और अनुभव टीम के लिए अहम हथियार था। ऐसे में विश्व कप से पहले उनका टीम से बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। बोर्ड ने पूरन के अलावा ड्वेन ब्रावो, कायरन पोलार्ड और आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ियों से भी संपर्क किया है। हालांकि इनको टीम प्रबंधन से जुड़ने को कहा था। बासकॉम्ब के अनुसार, टी20 विव कप के तुरंत बाद आईपीएल शुरू हो जाता है, ऐसे में टीम प्रबंधन का हिस्सा बनने वाले खिलाड़ियों को लंबे समय तक घर से दूर रहना पड़ेगा। यही वजह है कि कई खिलाड़ी इस भूमिका के लिए तैयार नहीं हैं। वेस्टइंडीज टीम ने अभी तक टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी अंतिम टीम घोषित नहीं की है।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका । खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है। क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था।

डब्लयूपीएल में अपने ही एक फैसले से हारी यूपी वॉरियर्स

हरलीन को रिटायर्ड आउट पर किया था मजबूर

नई दिल्ली। यहां जारी महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में यूपी वॉरियर्स को अपनी एक गलती के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में यूपी ने अपनी बल्लेबाज हरलीन देओल को रिटायर्ड आउट पर मजबूर कर दिया। उस समय हरलीन ने 47 रन बना लिए थे। यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाये। वहीं इसके बाद दिल्ली की टीम ने अंतिम गेंद पर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने पहला विकेट जब खोया तो टीम ने एक भी रन नहीं

बनाया था। इसके बाद कप्तान मेग लैनिंग और फोबे लिचफील्ड के बीच दूसरे विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी हुई। 50 रन के अंदर ही यूपी ने दो विकेट खो दिये। इसके बाद हरलीन ने लैनिंग के साथ पारी को आगे बढ़ाया पर टीम प्रबंधन ने उन्हें रिटायर्ड आउट होने कहा जिससे कि अन्य बल्लेबाजों को उतारा जा सके। प्रबंधन चाहता था कि हरलीन की जगह पर श्वेता सहरावत को उतारा जाये जिससे कि तेजी से रन बनाये जा सकें पर ये योजना असफल रही क्योंकि श्वेता यूपी केवल 11 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद यूपी के अन्य बल्लेबाजी भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं रहा क्योंकि यूपी के गेंदबाजों ने अंतिम क्षणों तक संघर्ष किया। दीप्ति शर्मा ने दो जबकि आशा शोभना ने 1 विकेट लिए पर लीजेल ली 67 रन और शेफाली वर्मा 36 रनों की अच्छी पारियों से कैपिटल्स ने मैच जीत लिया।

वोलवार्ड्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है। वोल्वार्ड्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवार्ड्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था।

वोलवार्ड्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे । वोलवार्ड्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं। यह वोलवार्ड्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था। अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा।

कलेक्टर ने ली शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 15 जनवरी को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, बालाघाट की जनभागीदारी समिति अंतर्गत सामान्य परिषद एवं प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनभागीदारी समिति के सचिव आर. एम. सोनवे, प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट द्वारा समिति के समक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट एवं व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संभावित वार्षिक आय, संस्थागत विकास हेतु प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा के लिए प्रस्ताव रखे गए।

बैठक में विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं संस्था के विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नवीन निर्माण कार्य, उपकरणों की खरीदी, फर्नीचर, भवन मरम्मत, कंप्यूटर क्रय, खेलकूद सामग्री तथा पुस्तकें खरीदे जाने के लिए लगभग 01करोड़ रुपये के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, बालाघाट के शैक्षणिक एवं भौतिक विकास के लिए सकारात्मक सुझाव दिए और संस्था को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया गया।

बैठक में सांसद प्रतिनिधि मकरंद अंधारे, विधायक प्रतिनिधि बी. आर. धनवले, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग विवेक कुमार, मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड, भरवेली से प्रबंधक, औद्योगिक संगठन से किरण त्रिवेदी, मेसर्स रमणिक पावर एंड एलाय प्रा. लि. सरंडी, प्रजेश बिसेन मेसर्स वैनगंगा इंडस्ट्रीज गर्रा, प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी, संस्था के भूतपूर्व छात्र इंजीनियर इकबाल मंसूरी, अभिभावक प्रतिनिधि श्रीमती अनीता शर्मा उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर कर्मचारियों का आज कई जिलों में प्रदर्शन

भोपाल । अपनी मांगों को लेकर राज्य मंत्रालय सहित प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कर्मचारियों द्वारा आज आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारियों की 11 सूत्री मांगों को लेकर 15 जनवरी को भोपाल के सतपुड़ा भवन और सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। उमाशंकर तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में महंगाई भत्ता और महंगाई राहत, सीपीसीटी से निजात, परिवीक्षा अवधि में 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन व्यवस्था समाप्त करना, पुरानी पेंशन योजना लागू करना, पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करना, आउटसोर्स और स्थाई संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, ई-अटेंडेंस से मुक्ति सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत विकासखंड स्तरीय रस्साकसी एवं एथलेटिक्स चयन स्पर्धा संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय रस्साकसी एवं एथलेटिक्स खेलों की चयन स्पर्धा का आयोजन 15 जनवरी को मुलना स्टेडियम परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर के बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चयन स्पर्धा के दौरान जिला खेल अधिकारी श्री राहुल बारेसा, जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष नरेश धुवारे, खेलो इंडिया कोच सुश्री आशु पवार, ब्लॉक समन्वयक लव कुमार, जिला खेल प्रशिक्षक सजेंद्र कृष्णन तथा उत्कर्ष विद्यालय से श्रीमती सुनीता बिसेन एवं विनय इडपाचे द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया।

जिला खेल प्रशिक्षक सजेंद्र कृष्णन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 18 वर्ष से कम आयु एवं बालाघाट जिले के मूल निवासी बालक एवं बालिका खिलाडियों ने रस्साकसी एवं एथलेटिक्स दोनों खेलों में चयन स्पर्धा में भाग लिया।

चयन स्पर्धा में चयनित खिलाड़ी आगामी जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला स्तर पर चयन प्रतियोगिता, स्पर्धाएं एवं नॉकआउट स्तर की प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें जिले के सभी दस विकासखंडों की टीमें भाग लेंगी। व्यक्तिगत खेलों में जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी आगे चलकर संभाग स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वैध लाइसेंस व गंदगी पाए जाने पर तथास्तु रिजॉर्ट गुदमा-बैहर की रसोई सील

खाद्य लाइसेंस निलंबित, एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत होगा प्रकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता के मार्गदर्शन में अभिहित अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा जारी आदेश के अनुसार गुदमा, बैहर स्थित तथास्तु रिजॉर्ट का निरीक्षण संभागीय उड़न दस्ता खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं स्थानीय खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

निरीक्षण के दौरान रिजॉर्ट में वैध खाद्य लाइसेंस का अभाव, स्वच्छता संबंधी अनियमितताएं तथा आवश्यक दस्तावेजों की कमी पाई गई। इन गंभीर कमियों को दृष्टिगत रखते हुए रिजॉर्ट का पूर्व में जारी खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, किचन तथा खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय से संबंधित समस्त गतिविधियों को आगामी आदेश तक बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा बताया गया कि उक्त मामले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रकरण एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। यह कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहिब, योगेश डोंगरे एवं श्रीमती गीता टांडेकर द्वारा की गई है।

17 एवं 18 जनवरी को आयोजित होगा दो दिवसीय बैगा महोत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला प्रशासन बालाघाट के तत्वावधान में जिले की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की संस्कृति, परंपराओं एवं खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय बैगा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 17 एवं 18 जनवरी 2026 को प्रगति मैदान, मलाजखंड में किया जा रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए बैहर-बिरसा एसडीएम अर्पित गुप्ता ने बताया कि बैगा समुदाय के महिला एवं पुरुषों के शारीरिक, मानसिक एवं खेल कौशल के विकास तथा परंपरागत खेलों के संरक्षण के लिए यह आयोजन जिला प्रशासन के निर्देशानुसार किया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत बैगा समुदाय के प्रतिभागियों के लिए कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, तीरंदाजी, रस्साकशी, पिट्ठू खेल, गिल्ली-डंडा, बोरा दौड़, त्रिटंगी दौड़ एवं कंचे सहित कुल 10 पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं के लिए पहले बैगा बहुल ग्रामों में जोन स्तरीय चयन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, इसके पश्चात विकासखंड स्तर पर चयनित टीमों का चयन कर उन्हें जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु प्रगति मैदान मलाजखंड में आमंत्रित किया गया है। खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ महोत्सव में बैगा समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने के लिए परंपरागत लोकनृत्य एवं लोकगीतों की प्रस्तुतियां भी होंगी, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन बालाघाट जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा की संस्कृति, परंपराओं एवं पहचान के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मप्र के कई हिस्सों में रात के तापमान में तेज गिरावट

भोपाल । मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में रात के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। उत्तर क्षेत्र की ओर से आ रही ठंडी हवाओं ने एक बार फिर ठिठुरन बढ़ा दी है। शहडोल और कटनी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है, जबकि ग्वालियर और भोपाल समेत बड़े शहरों में भी रातें सर्द बनी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार हिमालयी क्षेत्र में एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। इसके प्रभाव से 3 से 4 दिन बाद मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में मावठा यानी हल्की बारिश या बादल छाने की स्थिति बन सकती है। फिलहाल प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र के पास एक ट्रफ गुजर रही है, हालांकि इसका सीधा असर मध्यप्रदेश पर नहीं पड़ रहा है। लेकिन आने वाला वेस्टर्न डिस्टरबेंस मजबूत बताया जा रहा है, जिससे कई जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। प्रदेश के उत्तरी हिस्सों ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में कोहरे का प्रभाव लगातार बना हुआ है। गुरुवार सुबह ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा छाया रहा। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रायसेन, सीहोर, शाजापुर, गुना, राजगढ़, रतलाम और मंडला सहित कई जिलों में हल्का कोहरा दर्ज किया गया। कोहरे की वजह से रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इनमें मालवा एक्सप्रेस, झेलम एक्सप्रेस और सचखंड एक्सप्रेस सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पंजाब मेल और जनशताब्दी सहित करीब एक दर्जन ट्रेनें भी लेट हो रही हैं। प्रदेश में मंगलवार-बुधवार की रात सबसे कम तापमान शहडोल के कल्याणपुर में 4.8 डिग्री और कटनी के करौंदी में 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रीवा में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री रहा, जबकि मंदसौर और चित्रकूट में 6.1 डिग्री, खजुराहो में 6.2 डिग्री और उमरिया में 6.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।दतिया और मंडला में तापमान 7 डिग्री, राजगढ़ और नौगांव में 7.2 डिग्री, पचमढ़ी में 7.8 डिग्री तथा शिवपुरी में 8 डिग्री सेल्सियस रहा। दमोह और सीधी में पारा 9 डिग्री, जबकि रायसेन और श्योपुर में 9.4 डिग्री दर्ज किया गया।प्रदेश के पांच बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में 9.8 डिग्री, इंदौर में 10.2 डिग्री, जबलपुर में 10 डिग्री और उज्जैन में 11.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

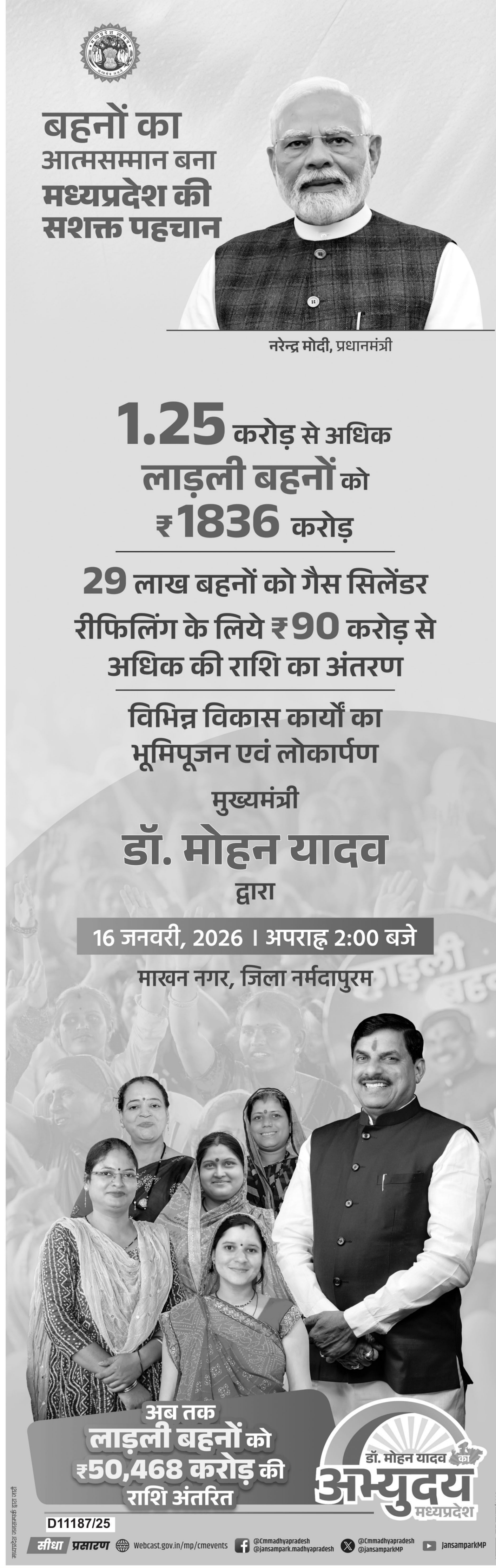

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

यात्री बस की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक की दर्दनाक मौत एक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना अंतर्गत सिवनी रोड पर स्थित ग्राम खमरिया के पास यात्री बस की जबरदस्त ठोकर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिनमें एक युवक की मौत हो गई।। घायल युवक एवन पिता गौरीशंकर तामेश्वर 17 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया है। मृतक इस युवक का चाचा निकेश पिता योगराज तामेश्वर 25 वर्ष दोनो ग्राम ग्राम अंसेरा थाना रामपायली निवासी है। 15 जनवरी की शाम 6ः00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों चाचा भतीजे अंबा माई मेला से अपने घर लौट रहे

थे। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक युवक का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए। जिसका पोस्टमार्टम 16 जनवरी को किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एवं तामेश्वर कक्षा 12वीं का छात्र है और उसके माता-पिता खेती किसानी करते हैं ।जबकि निकेश तामेश्वर भीअपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। 15 जनवरी को निकेश तामेश्वर अपने भतीजे एवन तामेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में सिवनी रोड अंबा माई कटंगी का मेला गए थे और मेला घूमने के बाद शाम 6ः00 बजे करीब निकेश तामेश्वर अपने भतीजे एवन तामेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में अंबा माई से अपने घर अंसेरा लौट रहे थे। अंबा माई से कटंगी की ओर आते समय ग्राम खमरिया के पास कटंगी से सिवनी की ओर तेज रफ्तार से जा रही यात्री बस ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। यात्री बस की जबरदस्त ठोकर से निकेश तामेश्वर और उसका भतीजा एवंन तामेश्वर घायल हो गए। दोनों घायल को कटंगी के सिविल अस्पताल में भर्ती किए थे ।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। रात्रि 8ः00 बजे जब उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां निकेश तामेश्वर को मृत घोषित कर दिया गया। निकेश तामेश्वर की कटंगी से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। इस दुर्घटना में घायल एवंन तामेश्वर को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए मृतक निकेश तामेश्वर का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। जिसका पोस्टमार्टम 16 जनवरी को किया जाएगा।

जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम कर रही जांच, 2 दिनों तक खंगाले जाएंगे जीएसटी से संबंधित दस्तावेज

वैनगंगा कंट्रक्शन कंपनी के दो ठिकानों पर जीएसटी का एकसाथ छापा

कंपनी के दोनों पार्टनर सन्तोष जायसवाल के गोंदिया रोड और घरडे के दीनदयालपुरम घर जाकर ली तलाशी, निर्माण कार्यों से जुड़ी है वैनगंगा कंट्रक्शन कंपनी

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जीएसटी चोरी की आशंकाओं के मध्य नजर गुरुवार को जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की 2 टीमें बालाघाट पहुची ।जिन्होंने बालाघाट पहुचकर वैनगंगा कंट्रक्शन कंपनी से जुड़े दो अलग-अलग ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान अधिकारियों ने वैनगंगा कंट्रक्शन से जुड़े दोनों पार्टनर के घर की भी तलाशी लेकर जीएसटी से जुड़े दस्तावेज खँगाले ।वही नगर के गोंदिया रोड उत्कृष्ट विद्यालय ग्राउंड के सामने स्थित वैनगंगा कंट्रक्शन कंपनी कार्यालय में जीएसटी की टीम ने छापामार कार्यवाही कर आवश्यक दस्तावेजो की तलाश की ।बताया गया की जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर टीम की यह कार्यवाही गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे से शुरू है ।जो खबर लिखे जाने तक जारी है ।वही इस टीम द्वारा दूसरे दिन शुक्रवार शाम तक कार्यवाही जारी रहने की बात कही गई है ।बताया गया कि जीएसटी के अधिकारियों ने कंपनी के कार्यो से संबंधी कई दस्तावेज खंगाले है ।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर 2 दिनों तक यह कार्यवाही जारी रहेगी। हालांकि यह टीम किन-किन बिंदुओं पर जांच कर रही है और अब तक इस टीम के हाथ क्या-क्या खामियां लगी है फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है ।लेकिन बताया जा रहा है कि संबंधित विभाग ने अपनी रूटीन जाँच तेज कर दी है और उसी जाँच के तहत जगह-जगह इस तरह की कार्यवाही सम्बंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है ।जिसमें वस्तुओं की खरीदी बिक्री, उनके बिल वाउचर, आवक जावक रजिस्टर, उनकी एंट्री, उनका जीएसटी कर भुगतान सहित जीएसटी से संबंधित अन्य दस्तावेजों की जांच कर अधिकारी विभिन्न बिंदुओं का सत्यापन कर रहे हैं। बताया गया कि उत्कृष्ट ग्राउंड के सामने गोंदिया रोड स्थित वैनगंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी निर्माण कार्यों से जुड़ी कंपनी है, जहां पर जीएसटी चोरी संबंधित आशंकाओं के चलते यह जांच की जा रही है।

कंपनी के दोनो पार्टनर के घर मारा छापा

गुड्स एवं सर्विस टेक्ट (जीएसटी) की टीम ने गुरुवार को नगर के वैनगंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी में छापामार कार्यवाही की। इस कार्यवाही के दौरान अधिकारियों ने अधिकारियों ने कंस्ट्रक्शन से जुड़े दस्तावेजों को जब्त किया है। समाचार लिखे जाने तक जीएसटी की टीम दस्तावेजों की जांच पड़ताल कर रही थी। जानकारी के अनुसार जीएसटी की टीम ने गुरुवार की दोपहर में ठेकेदार श्री घरडे के दीनदयाल पुरम कॉलोनी स्थित आवास में दबिश दी। इसके बाद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सामने निवासरत ठेकेदार संतोष जायसवाल और वैनगंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी के कार्यालय में दबिश दी। जहां से भी अधिकारियों ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जब्त किया है। हालांकि, अधिकारियों ने इस मामले में किसी भी प्रकार का खुलासा नहीं किया है ।वही अभी इस मामले में अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी है और न ही इसकी पुष्टि की है।

टैक्स की चोरी की संभावना के चलते की गई कार्यवाही

हालांकि की इस छापेमार कार्यवाही में टीम ने कहा कहा गड़बड़ी पकड़ी, फिलहाल इसकी स्पष्ठ जानकारी नही मिल पाई है ।लेकिन कंपनी द्वारा टेक्स चोरी की संभावना के चलते जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम ने छापामार कार्यवाही की है। कार्यवाही के दौरान विभागीय अमले ने गुड्स एंड सर्विस टेक्स से जुड़े सभी दस्तावेंजों की जांच पड़ताल की। टीम द्वारा कार्यवाही पूरी कर इनसे जुड़े दस्तावेजों को अपने साथ जबलपुर कार्यालय ले जाने की बात भी कही जा रही है।

फिलहाल टीम ने नहीं किया कोई खुलासा

कार्यवाही के दौरान जीएसटी टीम को प्रारंभिक जांच में क्या मिला है,इसका खुलासा विभागीय अधिकारियों ने नहीं किया है। लेकिन माना जा रहा है कि संबंधित द्वारा जीएसटी चोरी की आशंकाओं के चलते यह जांच की जा रही है। इधर, अधिकारियों का कहना है कि यह उनकी रुटिन जांच है। इस मामले में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं हुई है ।जांच करने के लिए बालाघाट पहुंची टीम को ,वैनगंगा कंपनी द्वारा डेटा संधारण में गड़बड़ी किए जाने संभावना है ।जिसके चलते टीम जीएसटी से जुड़े सभी दस्तावेजों को बारीकी से खंगाल रही है। जिसकी जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कितनी जीएसटी की चोरी की गई है या नहीं। हालांकि, अभी अधिकारियों ने इस बारे में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

1 माह के भीतर तीसरी बड़ी कार्यवाही

ज्ञात हो कि जिले में 1 माह के भीतर जीएसटी टीम की यह तीसरी बड़ी कार्यवाही है। इसके पूर्व जीएसटी की टीम ने नेशनल हाईवे का कार्य कर रहे ठेकेदार की कंपनी पर छापा मार कार्यवाही की था। जिसमें जीएसटी की चोरी पाए जाने पर ठेकेदार से करीब 89 लाख रुपए सरेंडर करवाए थे ।वहीं जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम ने 22 दिसंबर को आवलाझरी स्थित मेसर्स चंद्रकांता वैद्य कंस्ट्रक्शन कंपनी में छापा मार कार्यवाही की थी जो 23 दिसम्बर तक चली थी। इस कार्यवाही को अभी महज 24 दिन ही बीते हैं कि जीएसटी कि टीम ने गुरुवार 15 जनवरी को वैनगंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी छापामार कार्रवाई की है।

शुक्रवार शाम तक चलेगी कार्यवाही

जांच टीम में शामिल अधिकारियों ने अनौपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि यह जांच 16 जनवरी को भी जारी रहेगी। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मामले का खुलासा किया जाएगा ।यह कार्यवाही असिसटेंट कमिश्नर जीएसटी जबलपुर ब्रजेश सिंह मेरावी के निर्देशन में सहायक आयुक्त गोपीनाथ शर्मा, टेक्स अधिकारी पूर्ति पाठक, राज्यकर अधिकारी सुरेंद्र कौरव, आस्था सोनी, निरीक्षक रुपेश राजपूत,अंबर सिंह द्विवेदी, संतोष पटेल सहित अन्य ने की है। अधिकारियों द्वारा शुक्रवार शाम को ही इस पूरे मामले का खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

अज्ञात बाहन की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार 2 घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेवरा में, एक अज्ञात फोर व्हीलर की ठोस से मोटरसाइकिल में सवार दो लोग घायल हो गए ।जिसमें से अत्यधिक चोट आने पर एक व्यक्ति को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर नागपुर रिफर किया गया है, तो वही दूसरे का जिला अस्पताल में उपचार जारी है ।घायलों में थाना लालबर्रा ग्राम अमोली निवासी 28 वर्षीय प्रकाश पिता गणेश हट्टेवार तो वही अमोली निवासी 30 वर्षीय विजय पिता सुंदरलाल काकड़े का समावेश है। जिसमें से प्रकाश हट्टेवार का जिला अस्पताल में उपचार जारी है तो वहीं विजय काकडे को बुधवार की रात्रि बेहतर उपचार के लिए नागपुर रेफर किया गया है।

लामता से लौटते वक्त हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी प्रकाश हट्टेवार लालबर्रा में कपड़े दुकान में काम करता है, जबकि विजय काकडे कबाड़ा खरीदने का काम करता है ।बताया गया कि विजय काकडे को लामता के एक व्यक्ति से पैसे लेना था, जहां पैसे लेने के लिए विजय काकडे और प्रकाश हट्टेवार मोटरसाइकिल में सवार होकर लामता की तरफ गए थे ।जहां से दोनों मोटरसाइकिल में सवार होकर वापस अपने गांव अमोली आ रहे थे, तभी ग्राम सेवरा के पास पीछे से आ रही एक अज्ञात फोर व्हीलर के वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से ठोस मार दी और फरार हो गया। जहां फोर

व्हीलर की ठोस से मोटरसाइकिल में सवार प्रकाश और विजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए लालबर्रा लाया गया। जहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए बुधवार की रात्रि करीब 10 बजे जिला अस्पताल रिफर किया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद घायल विजय काकडे की नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर नागपुर रिफर कर दिया, तो वही प्रकाश हट्टेवार को जिला अस्पताल में भर्ती कर, उसका उपचार किया जा रहा है।

26 जनवरी को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह जिले में हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। गत दिवस कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई अधिकारियों की बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में तय किया गया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह जिला मुख्यालय बालाघाट में मुलना स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में प्रातः 09 बजे मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में प्रातः 07ः30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा और परेड की सलामी ली जाएगी तथा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में मुख्य समारोह के लिए संबंधित अधिकारियों को तैयारी करने के लिए पृथक-पृथक दायित्व सौपे गए। बैठक में बताया गया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर रात्रि में सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों पर रोशनी की जाएगी।

25-01-2026
9:00 AM
इंडिया का सबसे बड़ा जॉब फेयर
100 से अधिक कंपनियाँ
8,000 से अधिक रोजगार
Online Registration Web : jobsahi.com
JOB SAHi SATPUDA GROUP
Email: info@jobsahi.com Call: 6262604110
6 कंपनियों में आप अपनी पसंद (एजुकेशन) के आधार से जॉब सिलेक्ट कर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
B.Tech. Polytechnic
कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग ▸ माईनिंग इंजीनियरिंग
सिविल इंजीनियरिंग ▸ मैकेनिकल इंजीनियरिंग ▸ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
कैम्पस स्थल : सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, मांझापुर (गर्रा), बालाघाट (म.प्र.)
मोबा. 9425836824, 6262604111

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट